बेंगलुरु में ढाई करोड़ रुपये से सजा गणपति बाप का दरबार

बेंगलुरु (ईएएमस)। इन दिनों भक्त भगवान गणेश की भक्ति के रंग में सराबोर है। देश भर में एक अलग ही धूम देखने को मिल रही है। गणेश उत्सव के दिनों में हर ओर एक से बढ़कर एक पंडाल देखने को मिल रहे हैं। इसी बीच कर्नाटक के बेंगलुरु का एक मंदिर चर्चा में बना हुआ हैं, जहां गणपति मंदिर परिसर को करीब ढाई करोड़ रुपये के सिक्कों और नोटों से सजाया गया है। बेंगलुरु और समूचे कर्नाटक में गणेश चतुर्थी उत्सव धार्मिक उत्साह के साथ शुरू हो गया। श्रद्धालु भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिरों और पंडालों में जा रहे हैं। अपनी अनूठी सजावट के चलते सत्यगणति मंदिर श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित कर रहा है। न्यासियों के मुताबिक, मंदिर का प्रबंधन संभाल रहे गणपति शिर्डी साई न्यास ने पांच, 10 और 20 रुपये के सिक्कों की मालाएं तैयार की हैं। इसी के साथ-साथ 10,20,50,100,200 और 500 रुपये के नोटों की भी मालाएं तैयार की गई हैं।

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

गोण्डा बुधवार 20 सितम्बर 2023 वर्ष 39 अंक 34 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर–गोण्डा

मो0–9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

दुनिया को भरोसा भारत टॉप-3 में पहुंचकर रहेगा-पीए मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन में सांसदों के प्रवेश से पहले अपने भाषण में कहा कि हमारे लिए यह भावुकता का समय है। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन में आज हम नए भविष्य का श्रीगणेश करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पुराना संसद भवन और खासकर यह सेंट्रल हॉल हमें भावुक और प्रेरित भी करता है। हमारे संविधान ने यहीं से आकार लिया और संविधान सभा की मीटिंगें भी हुई थीं। अंग्रेजी हुकूमत ने 1947 में यहीं पर सत्ता का हस्तांतरण किया था। उस पूरी प्रक्रिया का साक्षी हमारा यह सेंट्रल हॉल है। यहीं पर तिरंगे और राष्ट्रगान को अपनाया गया। ऐतिहासिक अवसरों पर आजादी के बाद भी यहां दोनों सदनों की बैठकें की गईं।

पीएम मोदी ने कहा कि 1952 के बाद दुनिया के करीब 41 अध्यक्षों ने सेंट्रल हॉल में हमारे सभी सांसदों को संबोधित किया है। यहीं पर संयुक्त सत्र बुलाकर कानून पारित किए गए। बैंकिंग सर्विस कानून, दहेज रोकथाम कानून और आतंकवाद से निपटने के कानून भी इसी हॉल में संयुक्त सत्र बुलाकर पारित किए गए। मुस्लिम बहन बेटियों को तीन तलाक से मुक्ति भी इसी संसद में दिलाई गई। शाहबानो केस के चलते उलटी चली गाड़ी को भी इसी सदन में ठीक किया और तीन तलाक पर कानून हम लोगों ने मिलकर पारित किया। इतना ही नहीं ट्रांसजेंडर्स को न्याय भी इसी सदन में दिया गया।

इस सदन में विभिन्न सरकारों ने अपने कार्यकाल में 4 हजार से ज्यादा कानून बनाए गए। समाज का ऐसा कोई वर्ग नहीं रहा, जिसकी सदन में चिंता न हुई हो। यहीं पर 370 को हटाने का भी फैसला लिया। आज जम्मू-कश्मीर शांति और विकास के रास्ते पर चलने के लिए प्रतिबद्ध हुआ है। आज जब देश का संविधान भी वहां लागू हुआ है, तब यहां की मिट्टी को प्रणाम करने का मन करता है। यह दिखाता है कि संसद के सदस्यों ने मिलकर कितने अहम काम किए हैं। लाल किले से मैंने कहा था कि यही समय है और सही समय है। आज भारत नई चेतना के साथ पुनर्जागृत हो चुका है। भारत नई ऊर्जा से भर चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि हम में से कुछ लोगों में निराशा हो सकती है, लेकिन दुनिया को भरोसा है कि भारत टॉप 3 में पहुंचकर रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत का बैंकिंग सेक्टर में अपनी मजबूती के चलते दुनिया में चर्चा का केंद्र है। भारत का गवर्नेंस का मॉडल, यूपीए, डिजिटल कामकाज आज पूरी दुनिया के लिए आकर्षण बन गया है। हम सब उस कालखंड में हैं, जब भारत की आकांक्षाएं उस ऊंचाई पर हैं, जो पिछले हजार साल में नहीं रही होंगी। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। गुलामी के कालखंड ने भारत की आकांक्षाओं को दबोच कर रखा था। अब हम जहां पहुंच गए हैं, वहां कोई रुकना नहीं चाहता। हम जिस दिशा में बढ़े हैं, उसमें इच्छित परिणाम निकलेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि छोटी-छोटी चीजों पर लड़ने का वक्त चला गया है। अब हमें आत्मनिर्भर भारत की शुरुआत करना हैं। आज दुनिया 5 साल के अंदर ही आत्मनिर्भर भारत की चर्चा करने लगी है। कौन नहीं चाहेगा कि हम एडिबल ऑइल, डिफेंस और तकनीक के मामले में आत्मनिर्भर बन जाएं।

संविधान सदन के नाम से जाना जाए पुराना संसद भवन

प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों सदनों के नए भवन में स्थानांतरित होने के बाद पुराने संसद भवन का नाम संविधान सदन रखने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि जिस भवन में पिछले 75 वर्षों से संसद सत्र आयोजित होते रहे हैं, उस केवल पुरानी इमारत कहकर इसकी गरिमा कम नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, इमारत को संविधान सदन के रूप में संदर्भित करना उन नेताओं को श्रद्धांजलि होगी जिन्होंने संसद में इतिहास बनाया। उन्होंने कहा, हमें भविष्य की पीढ़ियों को यह उपहार देने का अवसर नहीं छोड़ना चाहिए।

पीएम मोदी संसद के सेंट्रल हॉल में नई बिल्डिंग में शिफ्ट होने से पहले आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह बदलाव मंगलवार को गणेश चतुर्थी के मौके पर पांच दिवसीय विशेष संसद सत्र के दूसरे दिन हुआ।

मुख्यमंत्री ने 155 करोड़ रु0 की लागत से 1,359 आंगनबाड़ी केन्द्रों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री जी ने कुपोषण के खिलाफ व्यापक अभियान प्रारम्भ करने के लिए पूरे देश को प्रेरित किया- मुख्यमंत्री

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण अभियान एक स्वस्थ और समर्थ भारत की नींव रखता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कुपोषण के खिलाफ व्यापक अभियान प्रारम्भ करने के लिए पूरे देश को प्रेरित किया है। प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रीय पोषण माह अभियान को वर्ष 2018 में प्रारम्भ किया था। इस वर्ष यह राष्ट्रीय पोषण माह की 6वीं वर्षगांठ है। विगत 06 वर्षों में उत्तर प्रदेश में पोषण के क्षेत्र में किए गए कार्यों के अच्छे परिणाम आए हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश ने पोषण के क्षेत्र में लम्बी छलांग लगाई है। मुख्यमंत्री जी आज यहां लोक भवन में राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर 155 करोड़ रुपये की लागत से 1,359 आंगनबाड़ी केन्द्रों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरान्त इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इनमें 1,209 आंगनबाड़ी केन्द्रों का शिलान्यास तथा 150 आंगनबाड़ी केन्द्रों का लोकार्पण शामिल है। इस अवसर पर उन्होंने 50 करोड़ रुपये की लागत से 171 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री जी ने 02 लाख 90 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं के बैंक खातों में डी0बी0टी0 के माध्यम से यूनिफॉर्म (साड़ी) हेतु 29 करोड़ रुपये की धनराशि का अन्तरण भी किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने 03 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा 03 बच्चों का अन्नप्राशन किया। उन्होंने सम्भव अभियान के तहत कुपोषित से सुपोषित की श्रेणी में आये बच्चों के अभिभावकों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री जी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों तथा सहायिकाओं को यूनिफॉर्म (साड़ी) वितरित की। इस अवसर पर राष्ट्रीय पोषण माह में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों तथा तीव्र कुपोषित बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु चलाये जा रहे सम्भव अभियान पर आधारित 02 लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के वर्ष 2015-16 स्वास्थ्य सम्बन्धी आंकड़ों की तुलना में वर्ष 2019-21 के आंकड़ों के अनुसार बच्चों में एनीमिया के स्तर में 5.1 प्रतिशत, स्टंटिंग अर्थात बौनापन में 6.6 प्रतिशत, अल्पवजन में 7.4 प्रतिशत तथा सूखापन में 0.6 प्रतिशत का सुधार हुआ है। इसी प्रकार प्रदेश में किशोरी बालिकाओं में एनीमिया की स्थिति में राष्ट्रीय औसत की तुलना में अच्छा सुधार हुआ है। प्रदेश में शिशु मृत्यु दर तथा मातृत्व मृत्यु दर भी घटी है मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अनेक कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं। इनमें बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। इसके साथ ही, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों और आंगनबाड़ी सहायिकाओं के बैंक खातों में यूनिफॉर्म के लिए 01 हजार रुपये की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से अन्तरित की गई है। कुपोषित श्रेणी से सुपोषित श्रेणी में परिवर्तित बच्चों के अभिभावकों का सम्मान के साथ ही, गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह के अन्तर्गत प्रदेश में चार महत्वपूर्ण गतिविधियां तय की गयी हैं। पहला 'वोकल फॉर लोकल' के अन्तर्गत पोषण के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य सामग्री का प्रयोग किया जाना चाहिए। प्रदेश में उपलब्ध मक्का, रागी, बाजरा तथा स्थानीय सब्जियों को प्राथमिकता दी जाए। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्राप्त करने वाले प्रत्येक लाभार्थी को सहजन का पेड़ दिया जा रहा है। यह पोषक तत्वों से भरपूर होता है। कुपोषित बच्चों, बालिकाओं व धात्री महिलाओं को इसका सूप दिया जाना चाहिए।

इस अवसर पर महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश में शुरू किये जा रहे कार्यों से महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। महिला एवं बाल विकास विभाग कुपोषित महिलाओं तथा बच्चों को सुपोषित बनाने के लिए संकल्पित है। पोषण अभियान जनान्दोलन बना है। यह विभिन्न विभागों के अन्तरसमन्वय से आयोजित किया जा रहा है। महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं के कन्धों पर भारत को आत्मनिर्भर बनाने तथा उत्तर प्रदेश को नम्बर वन बनाने की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में चलाया जा रहा मिशन शक्ति अभियान महिला सशक्तिकरण का श्रेष्ठ माध्यम बना है। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव आई0सी0डी0एस0 श्रीमती वीना कुमारी मीना, सचिव महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग श्रीमती अनामिका सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां तथा सहायिकाएं उपस्थित थीं।

मुस्लिम महिलाओं को पिता की संपत्ति में हिस्सा दिलाएगा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। विधि आयोग द्वारा समान नागरिक संहिता को लेकर चलाई जा रही गंभीर चर्चाओं के बीच मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एमपीएलबी) ने महिलाओं को पैतृक संपत्ति में हिस्सा दिलाने समेत अन्य सुधारों को लेकर बड़ा अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसके माध्यम से लोगों को शरिया कानून के अनुसार पैतृक संपत्ति में महिलाओं को हक देने के प्रति जागरूक किया जाएगा। यह निर्णय रविवार को दिल्ली के निजामुद्दीन में हुई बोर्ड की कार्यकारी समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में महिलाओं के शोषण, भ्रूण हत्या, दहेज व घरेलू हिंसा पर भी चिंता व्यक्त की गई है। ज्ञात हो कि समान नागरिक संहिता में महिलाओं को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार की मांग भी बड़ा मुद्दा है, जबकि शरिया कानून के अनुसार मुस्लिम समाज में पैतृक संपत्ति में से 25 प्रतिशत पर ही बेटी का अधिकार है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड(एमपीएलबी) के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार कई मामलों में देखा जा रहा है कि शरिया के अनुसार तय संपत्ति अधिकार भी बेटी को नहीं मिल रहे हैं। इसी तरह, बेटे की संपत्ति में मां तथा पति की संपत्ति से विधवा को हिस्से से वंचित करने के मामले आ रहे हैं।

33 प्रतिशत महिला आरक्षण बिल संसद में पास हुआ तो बदल जाएगा विधानसभा-लोकसभा चुनाव का गणित

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में आने वाले दिनों में होने वाले विधानसभा-लोकसभा चुनाव के केंद्र में अब सर्वत्र महिलाएं होंगी। भाजपा-कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक दल नारी तुम्हारी जय हो के नारे लगाते... और यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता का उदघोष करते दिखाई देंगे। क्योंकि, महिला आरक्षण बिल एक बार फिर चर्चा में है। केंद्रीय कैबिनेट ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बिल को मंजूरी दे दी है। यदि ये बिल संसद क विशेष सत्र में पास हुआ तो लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित हो जाएंगी। इसके साथ आगामी दिनों में होने वाले मध्यप्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में सीटों का गणित और राजनीतिक परिदृश्य पूर्णत-बदला-बदला नजर जाएगा।

-किस राज्य में कितनी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी

यदि संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण पर मुहर लग जाती है, तो 33 प्रतिशत के हिसाब से देश की लोकसभा की 545 सीटों में से तकरीबन 179 सीटों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व होगा। इस लिहाज से मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से 10 सीटों पर महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। इसी तरह से छत्तीसगढ़ की 11 में से 4, राजस्थान में 25 में से 8, उप्र में 80 में से 27, दिल्ली में 7 में से 2, ओडिशा में 21 में से 7, पंजाब में 13 में 4, असम में 14 में से 5, बिहार में 40 में से 14, गुजरात में 26 में से 9, हरियाणा में 10 में से 4, हिमाचल में 4 में से 1, झारखंड में 16 में से 5, कर्नाटक में 28 में से 9, केरल में 20 में से 7, तेलंगाना में 17 में से 6, उत्तराखंड में 5 में से 2, पश्चिम बंगाल में 42 में से 14 सीटें और तमिलनाडु में 39 में से 13 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी।

-मप्र में कितनी सीटें महिलाओं के लिए संसद में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बिल मंजूर होते ही मध्यप्रदेश विधानसभा की 230 सीटों में 73 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। अभी मध्यप्रदेश में महिला जनप्रतिनिधियों की संख्या 10 प्रतिशत से भी कम यानी 230 में से सिर्फ 21 ही महिला विधायक हैं। इसी तरह से लोकसभा की 29 सीटों में 10 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। जबकि अभी 29 सीटों में से 5 पर महिला सांसद काबिज हैं। राज्यसभा की 11 सीटों में से सिर्फ एक महिला सदस्य है।

चुनाव में गूंजेगा.. नारी तुम्हारी जय हो !

-लोकसभा-राज्यसभा में महिलाओं की संख्या

लोकसभा में 545 सीटें हैं। इनमें से महज 78 सीटों पर महिला सांसद चुनी गई हैं। आंकड़ों के लिहाज से यह आंकड़ा 15 प्रतिशत से भी कम है। राज्यसभा में भी यही हालात हैं।

राज्यसभा में अभी 14 प्रतिशत ही महिला सांसद हैं। इसी तरह से राज्यों की विधानसभाओं में भी इनका औसत प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से भी कम है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती आ रही है-RBI

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अर्थव्यवस्था की स्थिति रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि घरेलू मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन से भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती आ रही है और आपूर्ति में भी सुधार हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य मुद्रास्फीति अगस्त में थोड़ी गिर गई है जबकि जुलाई में यह काफी ऊपर पहुंच गई थी। सितंबर में भी खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी आ सकती है। सब्जियों की कीमतों में कमी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी आई है। अभी सब्जियों के दाम वाजिब स्तर पर नहीं आए हैं, इसलिए अगले कुछ हफ्तों में महंगाई दर और नीचे आ सकती है। अगस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति कम होकर 6.8 फीसदी रही थी, जो जुलाई में 7.4 फीसदी थी। हालांकि अब भी यह आरबीआई के 2 से 6 फीसदी के सहज दायरे से ऊपर बनी हुई है। अनुकूल आधार प्रभाव के कारण खाद्य पदार्थों की महंगाई जुलाई के 10.6 फीसदी से अगस्त में घटकर 9.2 फीसदी रह गई। सब्जियों की महंगाई में तेजी से कमी आई है, लेकिन अब भी यह काफी ज्यादा है। मौद्रिक नीति के उपायों की वजह से मुद्रास्फीति में स्थिरता दिख रही है, जो वस्तुओं एवं सेवाओं दोनों की महंगाई कम होने का संकेत देता है। आ ?र्थक वृद्धि का जिक्र करते हुए आरबीआई की रिपोर्ट कहती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक प्रगति के लिए 'वसुधैव कुटुंबकम' की सोच के साथ भारत की जी20 अध्यक्षता और इससे मिले नतीजे तब अहम हो जाते हैं, जब तमाम क्षेत्रों में वृहद-आर्थिक स्थितियों में द्वंद्व के कारण वैश्विक आर्थिक गतिविधियां अपनी रफ्तार गंवाती जा रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कमजोर वैश्विक संभावनाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था निजी खपत और मजबूत सार्वजनिक क्षेत्र के पूंजीगत व्यय के साथ ?स्थिर निवेश जैसे घरेलू कारणों से मजबूत हो रही है। घरेलू मांग के समर्थन से चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में लाभ हुआ है। पिछले कुछ सप्ताह के दौरान परिधान व लाइफस्टाइल के खुदरा कारोबारियों और शॉपिंग मॉल की बिक्री में तेज रिकवरी हुई है। इसकी वजह से शेष त्योहारी सीजन में भी मांग में तेजी रहने की उम्मीद बनी है, जो रक्षा बंधन और ओणम के साथ शुरू हुआ है और लोगों का विवेकाधीन खुदरा व्यय बढ़ा है। इलेक्ट्रॉनिक्स व वाहन दूसरा क्षेत्र हो सकता है, जिसमें त्योहार के दौरान खर्च बढ़ेगा।

यह भी संकेत हैं कि रोजमर्रा के इस्तेमाल की उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमसीजी) भी एक साल के दबाव के बाद धनात्मक क्षेत्र में वापसी कर रहा है। एक प्रमुख संकेतक महंगाई दर है, जिसमें सितंबर महीने में तेज गिरावट की संभावना है। इससे उम्मीद बन रही है। आगे की स्थिति देखें तो भारत का उपभोक्ता बाजार 2027 तक विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन जाने की उम्मीद है, जिसमें परिवारों का प्रति व्यक्ति खर्च एशिया की अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से आगे बढ़ जाएगा।

राजकीय जिला पुस्तकालय में इन्टरनेट की स्पीड को करायें सही डीआईओएस-आयुक्त

निज संवाददाता

गोण्डा। आयुक्त, देवीपाटन मंडल गोंडा योगेश्वर राम मिश्र एवं जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने राजकीय जिला पुस्तकालय एवं मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना अंतर्गत श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गोंडा में संचालित निःशुल्क कोचिंग का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने राजकीय जिला पुस्तकालय में साफ-सफाई, इंटरनेट व्यवस्था, कुर्सी व सभी अन्य व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षक को दिये। उन्होंने यह भी कहा कि यहां पर बच्चे एक अच्छी तैयारी करने की उम्मीद से पुस्तकालय में आते हैं, इसलिए यहां की सारी व्यवस्थाएं अच्छी होना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने वहां पर तैयारी करने हेतु आए हुए छात्र-छात्राओं से पुस्तकालय में दी जा रही सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। जानकारी के दौरान छात्राओं द्वारा अवगत कराया गया कि पुस्तकालय में इंटरनेट की स्पीड ठीक नहीं है। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं ने मण्डलायुक्त से और अच्छी कुर्सी पुस्तकालय में लगवाने की मांग किये। वहीं निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने संज्ञान में लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिये हैं कि राजकीय जिला पुस्तकालय में इन्टरनेट की स्पीड को सही कराया जाय, साथ ही यहां पर अच्छी कुर्सियां नई लगवाने के निर्देश दिये।

इसके बाद मण्डलायुक्त व जिलाधिकारी ने श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में पहुंच कर वहां पर संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना अन्तर्गत निःशुल्क कोचिंग सेंटर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली।

आयुक्त व डीएम ने निरीक्षण के दौरान वहां पर तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं से कोचिंग के संबंध में जानकारी ली। जानकारी के दौरान सभी बच्चों द्वारा अवगत कराया गया कि बहुत अच्छी तैयारी करवा रहे हैं, सभी बच्चे खुश नजर आये। उन्होंने यह भी कहा है कि शड्यूल देख कर बतायें तो अधिकारी भी आयेंगे कोचिंग में बच्चों को जानकारी देने के लिए।

इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, प्राचार्य एलबीएस पीजी कॉलेज प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार पाण्डेय सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

किसी के वाहन पर लिखा चेयरमैन तो किसी पर प्रधान

लखीमपुर खीरी। वाहनों पर लिखे पदनाम, जाति सूचक शब्द और स्टिकर के खिलाफ चल रहे यातायात पुलिस के अभियान का कुछ खास असर नहीं दिख रहा। सोमवार को कलक्ट्रेट परिसर, एसपी दफ्तर के पास, विकास भवन, रोडवेज बस अड्डा, संकटा देवी पुलिस चौकी और विलोबी हाल के पास कई वाहनों पर पदनाम लिखा नजर आया। किसी वाहन पर तो दो अलग-अलग पदनाम भी दिखे। ऐसे वाहनों पर कार्रवाई के लिए यातायात पुलिस ने वाहनों का जांच अभियान चला रखा है। कई वाहनों का चालान भी किया गया है। इसके बावजूद शहर में पदनाम लिखे वाहन फर्राटा भरते नजर आ रहे हैं। यातायात निरीक्षक चिरंजीव मोहन ने बताया कि अभियान चलाकर नियमों के पालन की सीख भी दी जा रही है। दो दिन में 60 वाहनों का चालान किया गया है। शमन शुल्क लगाया गया है। अभियान नियमित चलता रहेगा।

डीएम की फोटो और सीयूजी नंबर से बनाई फर्जी आईडी

लखीमपुर खीरी। जिले में जालसाज इस कदर सक्रिय हैं कि वह अधिकारियों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। जालसाजों ने डीएम के सीयूजी नंबर और फोटो लगाकर इंस्टाग्राम फर्जी आईडी बना ली। एक युवक से ठगी की कोशिश भी की। जानकारी होने पर डीएम कैंप कार्यालय के वरिष्ठ सहायक ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। डीएम कैंप कार्यालय के वरिष्ठ सहायक आदर्श श्रीवास्तव ने सदर कोतवाली में दर्ज कराए मुकदमे में बताया कि किसी ने डीएम के सीयूजी नंबर से फर्जी आईडी बनाई है। फोटो भी डीएम का लगाया गया है। फर्जी आईडी से गलत प्रचार और ठगी की कोशिश की जा रही है। यह काफी गंभीर मामला है। वरिष्ठ सहायक की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर जांच शुरू की है।

सूने घर का ताला तोड़कर चोरों ने खंगाली गृहस्थी

कौशांबी। करारी कोतवाली के बथुई निवासी सरस्वती शरण का गांव में दो घर है। एक बस्ती के अंदर तो दूसरा गांव के बाहर मलाका-बथुई संपर्क मार्ग पर बना है। सड़क किनारे बने मकान में बिजली की सुविधा नहीं है, रविवार को गर्मी ज्यादा होने की वजह से सरस्वती शरण परिवार के साथ बस्ती वाले घर में रुके हुए थे। रात में खाली पड़े घर को चोरों ने निशाने पर ले लिया। ताला तोड़ कर घर के अंदर घुसे चोर तकरीबन 50 हजार रुपये कीमती गृहस्थी के सामान उठा ले गए। सोमवार सुबह जानकारी होने पर पीड़ित परिवार ने अर्का महावीरपुर पुलिस चौकी पहुंचकर घटना की तहरीर दी।

वादी को थाने में बैठाया, चक्काजाम की नौबत

कौशांबी। मोहीउद्दीनपुर गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या के बाद पीड़ित परिवार का दुख बांटने वालों की गतिविधियों से कई बार हंगामे की स्थिति बन जा रही है। मुकदमे के वादी सुभाष को थाने में बैठाने पर सुहेल आर्मी ने सोमवार चक्काजाम की चेतावनी दी। बाद में सुभाष को जब पुलिस सामने लाई तो हंगामा शांत हुआ। तिहरे हत्याकांड के बाद से पासी बिरादरी के नेता त्वरित कार्रवाई चाह रहे हैं। सोमवार को उस वक्त स्थिति बिगड़ गई, जब दोपहर बाद सुहेल आर्मी के चीफ योगेश पासी पीड़ित परिवार व समर्थकों के साथ चक्काजाम करने के लिए निकल पड़े। उनकी मांग थी कि मुकदमे के वादी सुभाष को सामने लाया जाए। हालांकि, हाईवे तक पहुंचते ही बरसात होने लगी, जिसकी वजह से चक्काजाम नहीं हो सका। इधर, सुभाष को बुलाने की जिद पर अड़े लाखन आर्मी के समर्थक हंगामा कर रहे थे। बाद में पुलिस एक निजी वाहन से सुभाष को लेकर मौके पर आई। सुभाष ने बताया कि उनकी मांगे पूरी तरह से नहीं मानी जा रही है। आरोपियों के घर पर बुलडोजर नहीं चलवाया जा रहा है। लाखन आर्मी की तरफ से डीएम को संबोधित एएसपी समर बहादुर को दिए ज्ञापन में कहा गया कि पीड़ित परिवार को एक करोड़, पुलिस की सुरक्षा, दो शस्त्र लाइसेंस व परिवार के एक सदस्य को योग्यता के अनुसार नौकरी दिया जाए।

अब करारी इंस्पेक्टर का महिला से अभद्रता का ऑडियो वायरल

कौशांबी। करारी कोतवाली के अर्का चौकी इंजार्ज के रिश्वत मांगने की जांच अभी पूरी नहीं हुई कि कोतवाल का महिला के साथ अभद्रता करने का ऑडियो वायरल हो गया। इंस्पेक्टर के रवैए से क्षुब्ध पीड़िता ने मामले की शिकायत सीओ सिटी से की है। रहीमपुर मोलानी गांव की अनीस फात्मा का निकाह 27 जनवरी 2023 को पड़ोसी मो. रजा उर्फ मोनिस के साथ हुआ था। युवती का कहना है कि शादी के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर ससुराली उसे प्रताड़ित करने लगे। इसे लेकर 12 मार्च 2023 को पीड़िता ने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करा दिया। 16 सितंबर की रात लगभग 9.30 बजे वह अपनी दो बहनों व मां के साथ पड़ोसी लाला के यहां मजलिस में गई थी। आरोप है कि वहां मोनिस अपने पिता, भाई, मां और बहन के साथ पहुंचकर उससे अभद्रता करने लगा। विरोध करने पर पिटाई करते हुए गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके पिता को पीटा गया। बहन अमीर बानो की सोने की अंगूठी छीन ली। अनीस फात्मा ने घटना की तहरीर उसी रोज पुलिस को दी। कार्रवाई नहीं होने पर सोमवार की सुबह वह दोबारा थाने गई। आरोप है कि इंस्पेक्टर ने उसके साथ पूरे परिवार को गाली देते हुए जूतों से मारने व जेल भेजने की धमकी दी। पीड़िता ने सीओ सिटी से मिलकर मामले की शिकायत की।

लर्निंग लैब बनेंगे 14 आंगनबाड़ी केंद्र, बदलेगी सूरत

पडरौना। आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों को भी शिक्षा का बेहतर माहौल देने की तैयारी शुरू हो गई है। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग अब आंगनबाड़ी केंद्रों में लर्निंग लैब बनाएगा। जिले के सभी ब्लॉकों के एक-एक आंगनबाड़ी केंद्र का चयन किया गया है। विद्युतीकरण के अलावा 18 बिंदुओं पर कार्य कराए जाएंगे। जिले में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। शासन की ओर से आंगनबाड़ी केंद्रों को बेहतर बनाने की तैयारी चल रही है। प्रथम चरण में ब्लॉक से एक-एक आंगनबाड़ी केंद्र का चयन कर वहां लर्निंग लैब बनाई जाएगी। जिले के 14 ब्लॉकों से एक-एक आंगनबाड़ी केंद्र का चयन किया गया है, जो ब्लॉक से नजदीक हो। यहां पर कई तरह की सुविधाएं मौजूद रहेंगी। इसमें तीन से चार वर्ष के बच्चों को रंगों के साथ अक्षर ज्ञान भी कराया जाएगा। इसमें सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल, ओवरहेड टैंक के साथ नल जल आपूर्ति, शौचालय, दिव्यांग मैत्रिक ग्रीन बोर्ड, केंद्र पर रंगाई पुताई और चित्रकारी, दिव्यांग लाभार्थियों के लिए रैंप, विद्युत संयोजन, विद्युत आपूर्ति सुरक्षित वायरिंग के साथ लाइट, पंखे, फर्नीचर, गेट के साथ बाउंड्रीवाल के अलावा रसोई में सिंक के साथ नल-जल की व्यवस्था आदि की जाएगी।

घाट पर मिले अवैध बालू को नदी में फेंकवाया

पडरौना। कप्तानगंज तहसील क्षेत्र में हो रहे अवैध बालू खनन की मिली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सोमवार को एसडीएम ने अभियान चलाकर कार्रवाई की। उन्होंने घाट पर मिले अवैध बालू को नदी में फेंकवा दिया। सोमवार को एसडीएम व्यास नारायण उमराव ने कप्तानगंज प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार सिंह के साथ क्षेत्र के मदरहवा, कारी, भूतहीया, बभनौली और टेढ़िया स्थित गंडक नदी घाट पर छापा मारा। हालांकि अधिकारियों के आने की भनक लेते हुए बालू खनन कर रहे लोग नाव लेकर भाग गए। एसडीएम ने घाट पर मिले 20 ट्राली से अधिक बालू को जेसीबी से गंडक नदी में फेंकवा दिया। इस कार्रवाई के दौरान लेखपाल मारकंडेय गुप्ता, आशुतोष कुमार, उमेश शाही, दुर्विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

सुलगने से बचा मोहिद्दीनपुर, पुलिस के सामने ही आरोपी पक्ष की महिलाओं ने पीड़ित परिवार पर बोला हमला

कौशांबी। पुलिस ने लाठियां भांजकर लोगों को तितर बितर किया। घटना की जानकारी होते ही तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए और घटनास्थल का जायजा लिया। गांव में अस्थायी थाना होने के बावजूद तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। संदीपनघाट थाना क्षेत्र का मोहिद्दीनपुर गौस गांव सोमवार को फिर हिंसा की चपेट में आने से बच गया। आरोपी के परिवार और मृतक के परिजन आमने सामने आ गए। दोनों पक्षों की ओर से जमकर नोकझोंक हुई। पुलिस ने लाठियां भांजकर लोगों को तितर बितर किया। घटना की जानकारी होते ही तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए और घटनास्थल का जायजा लिया। गांव में अस्थायी थाना होने के बावजूद तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। यह घटना उस समय हुई जब सपा और कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल पीड़ितों को सांत्वना देने गांव में पहुंचा था। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल पीड़ितों को सांत्वना देने के लिए मोहिद्दीनपुर गौस गांव पहुंचा था। इसी दौरान आरोपी पक्ष की तरफ से बड़ी संख्या में लोगों ने मृतकों के परिजनों पर हमला बोल दिया। इससे मौके पर चीख पुकार मच गई। कुछ देर के लिए मौके पर अफरातफरी मची रही। मृतक के परिजनों और आरोपी के परिवारीजनों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। पुलिस ने लाठियां भांजकर भीड़ को तितर बितर किया। यह घटना एएसपी समर बहादुर के सामने हुई। घटना के बाद पुलिस ने और सख्ती बढ़ा दी।

जलकर और गृहकर से ज्यादा देना होगा कूड़ा उठवाने का टैक्स

लखीमपुर खीरी। हाल ही में नगर पालिका द्वारा लगाए गए कूड़ा उठवाने पर टैक्स को लेकर शहरवासियों में खासा रोष देखा जा रहा हैं। शहरवासियों का कहना है कि अभी तक कम से कम 240 रुपये प्रति साल जलकर और गृहकर शहर वासियों से लिया जा रहा है। ऐसे में हर महीने कूड़ा टैक्स के नाम पर 50 रुपये वसूला जाना सही नहीं है।

नगर पालिका ने आय के साधनों को बढ़ाने के लिए यूजर चार्ज वसूलने की तैयारी शुरू कर दी। शहर में घरों को सूचीबद्ध करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने घर घर पंपलेट बंटवाकर चार्ज वसूलने की जानकार दी। बता दें कि अभी तक कुछ ही पॉश कालोनियों में कूड़ा लेने के नाम पर रसीद काटी जा रही थी, लेकिन अब सभी से हर महीने पचास रुपये चार्ज लिया जाएगा। आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो करीब 32 हजार से ज्यादा घरों से टैक्स वसूलने की तैयारी की जा रही है।

एक समान टैक्स वसूला जाना ठीक नहीं

शहर स्थित पंजाबी कालोनी, आवास विकास कालोनी, काशीनगर में तमाम धनाढ्य परिवार निवास करते हैं। इन मोहल्लों के घरों से भी 50 रुपये टैक्स के नाम पर वसूला जाएगा। जबकि अन्य मोहल्लों में रहने वाले निम्न तबके के परिवारों से भी यही राशि वसूली जानी है।

शहरवासियों का कहना है कि जब जलकर और गृहकर टैक्स अलग-अलग वसूला जाता है, तो कूड़े के नाम पर टैक्स की वसूली ठीक नहीं है। नगर पालिका अध्यक्ष और ईओ को फिर से विचार करने की आवश्यकता है।

कई वर्षों से टैक्स नहीं हुआ रिवाइज

शहर के मोहल्लों में बसे हजारों घरों से नगर पालिका ने निर्धारित टैक्स लगा रखा है। ऐसे घरों से महज 240 रुपये की वसूली की जा रही है। इनमें कुछ ऐसे में मकान हैं जिन पर ज्यादा टैक्स लगना चाहिए लेकिन नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के चलते निर्धारित टैक्स वसूला जा रहा है।

शहरवासियों का कहना है कि कई वर्षों से टैक्स रिवाइज नहीं किया गया है, इसके चलते पालिका की आय नहीं बढ़ पा रही है।

मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी पशु तस्कर को लगी गोली, गिरफ्तार

कुशीनगर। तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के सपही टड़वा नहर के पास रविवार की देर रात पुलिस और पशु तस्कर में मुठभेड़ हो गई। इसमें गोली लगने से पशु तस्कर घायल हो गया। उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से तमंचा-कारतूस बरामद हुआ है। गिरफ्तार बदमाश पडरौना कोतवाली क्षेत्र के बसहिया बनवीरपुर निवासी आलमगीर के खिलाफ पडरौना कोतवाली, विशुनपुरा और तुर्कपट्टी थाने में पशु तस्करी के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। बताया जा रहा है कि तुर्कपट्टी के थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह और विशुनपुरा के एसएचओ रामसहाय चौहान के नेतृत्व में दोनों थानों की फोर्स सीताराम चौराहे पर वाहनों की जांच कर रही थी। उसी दौरान पुलिस ने बिहार की तरफ से आ रहे एक बाइकसवार को रुकने का इशारा किया तो वह बाइक घुमाकर गांव के रास्ते भागने लगा। दोनों टीमों ने अलग-अलग दिशा से उसे सपही टड़वा नहर के पास घेर लिया। अपने को घिरा देखकर उसने फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई की। पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसका नाम आलमगीर बताया गया है, जो पडरौना कोतवाली क्षेत्र के बसहिया बनवीरपुर का निवासी है।

दो बार घर से जा चुकी थी बेटी, परिवार से खिन्न रहता था हत्यारोपी

कौशांबी। थाना क्षेत्र के फुलवरिया मगरीब गांव के टोला फुलवरिया मशरीफ में रविवार की सुबह अपनी पत्नी और बेटी की हत्या करके भागने वाला झोलाछाप अभी तक पुलिस के हाथ नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि वह मजारों पर झाड़फूंक भी करता था। इसके लिए नेपाल और महाराजगंज जाया करता था। जिस बेटी की उसने सब्बल से प्रहार कर हत्या की, वह एक साल के भीतर दो बार घर छोड़कर जा चुकी थी। खोजबीन के बाद वापस आई थी। वह बेटी पर शक किया करता था। ग्रामीणों के मुताबिक वह झगड़ालू प्रवृत्ति का है, जिस वजह से लोग उससे दूरी बनाकर रहते हैं। मां-बेटी की हत्या के बाद तो दहशत के मारे कोई उसके बारे में कुछ बोलना नहीं चाहता। बहरहाल, उसकी तलाश में पुलिस महराजगंज जनपद और नेपाल तक तलाश रही है।

इस गांव के रहने वाले झोलाछाप इंद्रजीत अली के दो बेटे और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी की उसने महराजगंज जिले में शादी की है। दोनों बेटे समशेर और साबिर दिल्ली में रहकर कमाते हैं। घर पर बेटी रुबीना अपनी मां जफीरुन नेशा के साथ घर पर रहती थी। साथ में बड़ी बेटी का बेटा समीर रहता था। यहां रखकर उसे पढ़ाते थे। घटना के दो दिन पहले जफीरून निशा अपने मायके महाराजगंज जिले के दरौली गई थी। घर पर बेटी रुबीना और समीर थे। शुक्रवार को वह अपने मायके से घर आई थी। समीर के घूमने का बहाना बनाकर इंद्रजीत अली ने पत्नी और बेटी से झगड़ा किया और फिर सब्बल से प्रहार कर दोनों की नृशंस हत्या कर दी। उसके बाद समीर को लेकर भाग गया था, लेकिन बाद में दोपहर के समय उसे गांव के बाहर लाकर छोड़ दिया। तभी से वह फरार है। उसका साला हकीम ने तहरीर देकर हत्या का केस दर्ज कराया, लेकिन झोलाछाप अभी भी पुलिस की पहुंच से दूर है। पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है।

बेटी और पत्नी पर था शक, इसलिए ले ली जान-

पुलिस और कुछ ग्रामीणों की मानें तो इंद्रजीत अली की बेटी रुबीना एक साल पहले घर छोड़कर चली गई थी। काफी खोजबीन के बाद वह मिली। उसका पिता उसे लेकर घर आया था। इधर करीब डेढ़ माह पहले भी रुबीना घर छोड़कर चली गई थी। दोबारा उसे ढूंढकर लाया गया था। कहा जा रहा है कि वह इंद्रजीत की पत्नी और बेटी से खफा रहता था। आरोपी इनसे ठीक से बात नहीं करता था। समीर को अपने घर रखकर पढ़ाता था, इसलिए उसके साथ पूरी हमदर्दी थी।

झाड़फूंक भी करता है हत्यारोपी इंद्रजीत-

पुलिस के मुताबिक इंद्रजीत अली झोलाछाप का काम करता है। पहले महाराजगंज जिले के बाराछत्तर घाट के पास अपना क्लीनिक चलाता था, बाद में वहां से छोड़कर गांव-गांव घूमकर इलाज करने लगा।

पुलिस का यह भी कहना है कि वह झाड़फूंक भी करता है। नेपाल और महाराजगंज में स्थित मजारों के पास वह लोगों का झाड़फूंक करता है।

रिश्तेदारों से भी चल रही पूछताछ

इंद्रजीत अली को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस उसके रिश्तेदारों के संपर्क में भी है। जिससे उसका पता लगाकर गिरफ्तार किया जा सके। सभी रिश्तेदारियों में खोजबीन जारी है।

स्त्री रोग विशेषज्ञ की गैरमौजूदगी कराया प्रसव, ढंग से नहीं बांधी नाड़...जच्चा-बच्चा की मौत

कानपुर। सीढ़ी गांव के शैलेंद्र ने बताया कि घरवाले उनकी पत्नी अनीता को लेकर रात आठ बजे बिधनू सीएचसी पहुंचे। वहां महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं थीं। नर्स थी और इमरजेंसी मेडिकल अफसर थे। कानपुर में स्वास्थ्य महकमा दावे चाहे जितने करे लेकिन रात-बिरात सीएचसी पर प्रसव कराने में जोखिम है। ताजा उदाहरण बिधनू का है। सीएचसी पर स्त्रीरोग विशेषज्ञ तैनात है लेकिन रात में नहीं रहती है।

इमरजेंसी केस आने पर पुरुष डॉक्टर नर्स की मदद से प्रसव करवाता है। रविवार की रात सीढ़ी गांव के शैलेंद्र की पत्नी अनीता (27) के साथ भी हुआ। प्रसव पीड़ा होने पर वह सीएचसी पहुंची। इमरजेंसी ड्यूटी पर मौजूद पुरुष डॉक्टर ने केस देखा और स्टाफ बच्चे की नाड़ काट कर उसे ठीक से बांध नहीं पाया। खून बहता रहा। हालत बिगड़ी तो जच्चा-बच्चा को हैलट रेफर कर दिया। दोनों की मौत हो गई। सीढ़ी गांव के शैलेंद्र ने बताया कि घरवाले उनकी पत्नी अनीता को लेकर रात आठ बजे बिधनू सीएचसी पहुंचे। वहां महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं थीं। नर्स थी और इमरजेंसी मेडिकल अफसर थे।

लगातार खून बहने से बिगड़ी थी हालत

डिलिवरी हो गई। लेकिन, ढंग से नाड़ नहीं बांधी गई। बेटी हुई थी, उसे भी ढंग से नहीं देखा और उसकी मौत हो गई। इसके बाद लगातार खून बहते रहने से अनीता की हालत बिगड़ने लगी। रेफर किए जाने पर जब हैलट के जच्चा-बच्चा अस्पताल पहुंचे तो, वहां इमरजेंसी में डॉक्टरों ने तुरंत खून लाने के लिए कहा।

प्रसव के बाद नाड़ में क्लिप नहीं लगाई गई

वह खून एक्सचेंज में खून के लिए चले गए। खून लेकर लौटे, तो डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि मौत हो चुकी है। अनीता की सास राममूर्ति ने बताया कि प्रसव के बाद नाड़ में क्लिप नहीं लगाई गई और रेफर कर दिया गया। जच्चा को हैलट ले जाते समय रास्ते भर रक्तस्राव होता रहा।

स्त्री रोग विशेषज्ञ कहां रात भर रहती है

सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजेश सिंह ने बताया कि डॉ. नीलेश इमरजेंसी ड्यूटी पर थे। स्त्री रोग विशेषज्ञ कहां रात भर रहती है? ऑन कॉल रहती हैं। दूसरी महिला डॉक्टर एमबीबीएस है। गर्भवती के आने पर इमरजेंसी डॉक्टर ही देखते हैं। सीएचसी पर एनआईसीयू है नहीं, प्रिमेच्योर बच्चा था। हैलट रेफर कर दिया था। जच्चा को भी हैलट रेफर किया गया था।

क्यों लापरवाही हुई, जानकारी लेंगे

डॉ. आलोक रंजन, सीएमओ कानपुर नगर ने बताया कि बिधनू में दो महिला डॉक्टर हैं। एक सर्जन हैं और एक स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। प्रसूता के मामले में क्यों लापरवाही हुई। इसकी जानकारी लेंगे। इसके बाद अगली कार्रवाई करेंगे।

नौकरी के नाम पर 1.75 लाख रुपये ठगने का आरोप

लखीमपुर खीरी। भीरा थाने के बिजुआ निवासी अमितेंद्र व शिवशंकर ने तीन व्यक्तियों पर नौकरी के नाम पर 1.75 लाख रुपये ठगने का आरोप लगाया है। एसपी दफ्तर में दिए गए प्रार्थनापत्र में अमितेंद्र व शिवशंकर ने बताया कि 11 फरवरी 2022 की सुबह करीब नौ बजे गांव के ही युवक ने सीतापुर के एक राजकीय महाविद्यालय में चतुर्थ श्रेणी पद पर कार्यरत व एक लखनऊ निवासी व्यक्ति से मिलाया। बताया कि गांव के युवक को नौकरी दिला दी है। डेढ़-डेढ़ लाख रुपया दो तो किसी ब्लॉक में कंप्यूटर ऑपरेटर पद पर नौकरी लगवा देंगे। नौकरी न मिलने पर रुपये वापस करने की बात कही। झांसे में आकर एक-एक लाख रुपये दे दिए। बताया कि रुपये गिनते समय का चोरी से वीडियो भी बना लिया था। काफी दिनों तक नौकरी न मिलने पर रुपया वापस करने की बात कही तो आरोपियों ने महज 25 हजार रुपये दिए। बाकी 1.75 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ितों ने आरोपियों पर केस दर्ज करने की मांग की।

जमीन के लिए दपंती के टुकड़े-टुकड़े-बाप को कुल्हाड़ी से काट रहा था बेटा

कानपुर। औरैया के दिबियापुर में जमीन में हिस्सा न मिलने से नाराज बेटे ने बुजुर्ग मां-बाप को कुल्हाड़ी से काट डाला। पत्नी के साथ मिलकर दिन में ही बुजुर्ग माता पिता की हत्या की योजना बनाई थी। पुलिस ने आरोपी पति और पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। औरैया के दिबियापुर में चार बीघा जमीन में हिस्सा न मिलने से गुस्साए बेटे ने पहले कुल्हाड़ी से पिता की हत्या की।

जब पास में लेटी सौतेली मां चिल्लाई तो उसे भी मार डाला। पत्नी के साथ मिलकर माता-पिता की हत्या की योजना दिन में ही बना डाली थी। 14 सितंबर की रात पुरानी दिबियापुर में बुजुर्ग दंपती की हत्या करने वाले आरोपी पुत्र रमाकांत ने पुलिस गिरफ्त में आने के बाद हत्या का जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने बताया कि गिरफ्तार किए गए रमाकांत ने स्वीकार किया कि उसने अकेले ही अपने माता-पिता की कुल्हाड़ी से हत्या की थी। बताया कि श्यामलाल राजपूत उसके पिता थे। उसके दो सगे भाई और तीन सगी बहन हैं। जबकि रामजानकी उसकी सौतेली मां थी और एक सौतेली बहन है। बताया कि माता पिता ने पिछले कुछ वर्षों में 40 लाख रुपये की एक जमीन बेची थी। उसे कोई हिस्सा नहीं दिया गया था। पिता ने अपने नाम चार बीघा जमीन को भाई उमाकांत और सर्वेश के नाम कर दिया था। इसमें भी उसे कोई हिस्सा नहीं मिला। हिस्सा न मिलने के कारण में गुस्से में आकर 14 सितंबर को दिन में पत्नी ऊषा देवी के साथ योजना बनाई कि माता-पिता की सोते समय कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर देंगे। रात में घर से अकेले कुल्हाड़ी लेकर छप्पर में सो रहे माता पिता के पास पहुंचा। पहले पिता श्याम लाल पर कुल्हाड़ी से हमला किया। जब सौतेली मां चिल्लाई तो उनपर भी कुल्हाड़ी से हमला बोल दिया। वह तब तक वार करता रहा, जब तक दोनों की मौत नहीं हो गई।

इंदिरा मनोरंजन वन -तीन महीने भी नहीं चला तीन करोड़ का काम

लखीमपुर खीरी। तीन करोड़ रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण के बाद इंदिरा मनोरंजन वन के नए कलेवर में लौटने की उम्मीद धरी की धरी रह गई। इंदिरा मनोरंजन की न तस्वीर बदली न तकदीर। सौंदर्यीकरण के बाद दोबारा शुरू हुए तीन माह भी नहीं बीते, पार्क बदहाल हो गया है। बच्चों के झूले और बैठने की सीटें टूटने लगी हैं। देखरेख और सुरक्षा के आभाव में अराजक तत्व हावी हो गए। पानी का आरओ और नल दगा दे रहे हैं। शौचालय में ताला पड़ गया है। वर्ष 1987 में शहर से नौ किलोमीटर दूर शारदानगर रोड पर करीब 33 हेक्टेयर क्षेत्रफल में खूबसूरत पिकनिक स्पॉट के रूप में इंदिरा मनोरंजन वन की स्थापना की गई थी। पिछले करीब दो दशक से वीरान पड़े इंदिरा मनोरंजन वन का हाल ही में तीन करोड़ रुपये से कायाकल्प किया गया। सीएनडीएस संस्था ने सौंदर्यीकरण का काम अप्रैल 2023 में पूरा किया। हालांकि, घटिया निर्माण की वजह से वन विभाग ने इसे अपनी जिम्मेदारी में लेने से इन्कार कर दिया था। बाद में जांच में सब कुछ ठीक मिलने पर वन विभाग इसे अनमने ढंग से इसे लिया। मनोरंजन वन का उद्घाटन एक जुलाई को केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्र ने किया था। अभी तीन महीने भी नहीं बीते हैं कि झूले टूटने लगे। सीटें जर्जर हो गईं। बोटिंग कैनाल में बोट और पानी, दोनों नहीं हैं। शौचालय में ताला लगा है। कैंटीन शुरू नहीं हो पाई है। पूरे पार्क में गंदगी पसरी पड़ी है। सांकेतिक बोर्ड टूटे हैं। गेट के पास खुला पड़ा इलेक्ट्रिक वायर बॉक्स हादसे को दावत दे रहा है। आरओ बंद है, हैंडपंप खराब हो गया है।

इंदिरा मनोरंजन में सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं

इंदिरा मनोरंजन वन में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है। पार्क में अराजक तत्वों का जमावड़ा रहने से लोग परिवार सहित पार्क में जाने से डरते हैं। तारों की बाड़ होने के बाद भी आसपास के लोग पार्क में अपने मवेशी चराने से बाज नहीं आ रहे हैं।

बाइक चोरी का मामला हो या पार्क में जबरन पशु चराने की कोशिश, पार्क कर्मियों और दबंगों में कई बार आमना सामना हो चुका है। करीब दस दिन पहले वन दरोगा ने लोगों के उलझने पर पुलिस को तहरीर दी थी। आरोपियों पर कार्रवाई तो दूर पुलिस ने रिपोर्ट तक दर्ज नही की।

दो बच्चों सहित चार बुखार रोगियों में मलेरिया की पुष्टि

लखीमपुर खीरी। सोमवार को जिला अस्पताल में भर्ती बुखार के मरीजों में दो बच्चे, एक किशोर सहित और एक युवक में मलेरिया बुखार की पुष्टि हुई है। इनका इलाज बच्चा वार्ड से लेकर मेडिकल पुरुष वार्ड में हो रहा है। सोमवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में 1987 मरीजों के पर्चे बने। जबकि इमरजेंसी में करीब 300 मरीज पहुंचे। दोनों ओपीडी में आने वाले मरीजों में करीब 70 प्रतिशत मरीज बुखार के थे। तमाम मरीजों में शरीर दर्द भी शिकायत थी। इसके अलावा 32 बेड के मेडिकल पुरुष वार्ड में भर्ती 23 मरीजों में 15 लोग बुखार की चपेट में थे। इनमें हरगांव निवासी 40 वर्षीय जलीस पुत्र पीर गुलाम और 16 वर्षीय आलोक पुत्र देशराज निवासी हरगांव की जांच में मलेरिया बुखार की पुष्टि हुई है। 32 बेड के मेडिकल महिला वार्ड में भर्ती 28 मरीजों में 20 लोग बुखार की चपेट में हैं। 20 बेड के जिरियाट्रिक वार्ड में 17 भर्ती मरीजों में सात लोग और आइसोलेशन वार्ड में भर्ती मरीजों में तीन लोग बुखार की चपेट में हैं। बुखार पीड़ित 23 वर्षीय बबलू पुत्र प्यारेलाल निवासी नीमगांव की हालत में सुधार न होने पर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया है।

सपा-कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा मोहिद्दीनपुर, यूपी में कानून व्यवस्था को बताया ध्वस्त

कौशांबी। पूर्व मंत्री आरके चौधरी के नेतृत्व में पहुंचे सपा के प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्थ हो गई है। अनुसूचित जाति जनजाति पर अत्याचार बढ़ गया है। सरकार इस पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। यह बहुत बड़ी घटना है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने संदीपनघाट थाना क्षेत्र के मोहिद्दीनपुर गौस गांव पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव का भरोसा दिया। प्रतिनिधि मंडल दोपहर करीब दो बजे गांव पहुंचा। मृतक के परिजनों ने प्रतिनिधि मंडल को पूरी घटना की जानकारी दी। कहा कि यदि पुलिस प्रशासन ने पहले ही शिकायतों पर ध्यान दिया होता तो यह घटना नहीं होती। महिलाओं ने कहा कि अभी तक आरोपियों के घर पर बुलडोजर नहीं चलाया गया है।

पूर्व मंत्री आरके चौधरी के नेतृत्व में पहुंचे सपा के प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्थ हो गई है। अनुसूचित जाति जनजाति पर अत्याचार बढ़ गया है। सरकार इस पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। यह बहुत बड़ी घटना है। जिस तरह से जमीन के विवाद लेकर घटना को अंजाम दिया गया, उसमें प्रशासनिक स्तर पर टाल मटोल किया जा रहा है। एफआईआर हो गई है। असली आरोपी गिरफ्तार नहीं हो सके हैं। प्रशासन ने सहयोग का आश्वासन दिया है। परिवार को राहत मिले यही पार्टी चाहती है। पुलिस की भूमिका संदिग्ध है। पुलिस विभाग में भी कुछ दोषी हैं, जिनके कारण घटना हुई है। आरके चौधरी ने कहा कि सरकार भाजपा की है। यह डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का क्षेत्र है। यह उनका गांव है। भाजपा का कोई नेता नहीं आया। डिप्टी सीएम केशव भी मौके पर नहीं आए। पूरे मामले को दबाने के लिए लीपापोती की जा रही है। पूरे देश में संविधान राज चलना चाहिए। हर वर्ग को न्याय मिलता हुआ दिखना चाहिए। सपा के प्रतिनिधि मंडल में पूर्व मंत्री आरके चौधरी, चायल विधायक पूजा पाल, सिराथू विधायक पल्लवी पटेल, आनंद मोहन पटेल, मजीद अली, जितेंद्र सरोज, कैलाश केसरवानी, दयाशंकर यादव, राम करन निर्मल, चंद्रजीत यादव सहित आदि शामिल हैं।

कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने गांव पहुंचकर जाना हाल

कौशाम्बी के मोहिद्दीनपुर गौस गांव राजनीतिक दलों का अखाड़ा बन गया है। तीन हत्याओं के बाद यहां पर पीड़ित परिवार को सांत्वना देने वालों का तांता लगा हुआ है। सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल के नेतृत्व में 26 सदस्यी कांग्रेसियों का प्रतिनिधि मंडल पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचे। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल सोमवार को दिल्ली से बमरौली हवाई अड्डे पर पहुंचे थे। यहां पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि मंडल में शामिल लोग सीधे घटनास्थल पर पहुचे।

यहां पर मृतकों के परिजनों को को ढांढ़स बंधाया। प्रदीप नरवाल ने कहा की योगी सरकार में दलितों पर अन्याय, अत्याचार बढ़ा है। कहा की पार्टी जल्द ही इस घटना के खिलाफ बड़ा आंदोलन करेगी।

वहीं पूर्व विधयाक विजय प्रकाश ने कहा कि इस सनसनीखेज वारदात पर अभी तक ऐसी कोई कार्यवाही नजर नहीं आई जिससे पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद दिख सके। इस दौरान कांग्रेस के प्रदेश संघठन सचिव अनिल यादव ने पार्टी के नेताओं से पीड़ित परिवार की न्यायिक लड़ाई में साथ देने का आवाहन किया। इस मौके पर आलोक प्रसाद, सुरेश यादव, राघवेंद्र सिंह, मुकुंद तिवारी, विवेकानंद पाठक, हंजला उस्मानी, सुशील पासी, हसीब अहमद, गौरव पाण्डेय, मनोज पासी, राकेश पटेल, बलवंत राव, शीश अहमद समेत आदि लोग शामिल रहे।

तिहरे हत्याकांड के सहारे दलितों को साधने की कोशिश, सभी पार्टी के नेताओं का लग रहा जमघट

कौशांबी। दलित बहुल कौशाम्बी जिले की सियासत में 2014 से पहले तकरीबन दो दशक तक बहुजन समाज पार्टी का एकछत्र राज हुआ करता था। ग्राम प्रधान से लेकर सांसद तक पार्टी का ही सिक्का चलता था। इसके बावजूद मोहीउद्दीनपुर गौस के तिहरे हत्याकांड को लेकर बसपा की खामोशी गले नहीं उतर रही है। संदीपनघाट कोतवाली के मोहीउद्दीनपुर गौस में हुए तिहरे कांड को लेकर सत्ताधारी दल भाजपा जहां डैमेज कंट्रोल करने में लगी है।

वहीं, विपक्ष दल दलित राजनीति गरमाकर माहौल को पाले में करने की कवायद में है। इसी के चलते सियासी पार्टियां अपने-अपने दल के कद्दावर दलित खासतौर से पासी समाज के नेताओं को तिहरे हत्याकांड के पीड़ित परिवारों के आंसू पोछने भेज रही हैं। कौशाम्बी संसदीय क्षेत्र सुरक्षित में कौशाम्बी की चायल, मंझनपुर और सिराथू तथा प्रतापगढ़ जनपद की कुंडा और बाबागंज विधानसभा सीट शामिल है। यहां के तकरीबन 18 लाख वोटरों में दलितों की संख्या छह लाख के करीब है। इसमें भी पासी समाज की तादाद सर्वाधिक साढ़े तीन लाख के आसपास है। 2014 से पहले करीब दो दशक तक यहां के दलित वोटों पर बसपा का एकछत्र कब्जा था।

2014 और 2019 के लोकसभा के साथ ही 2019 के विधानसभा चुनाव में दलित वोटर बसपा से खिसक कर बड़ी संख्या में भाजपा के साथ आ गया था। लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में जिले की तीनों सीटों पर 60 फीसदी से ज्यादा पासी समाज ने सपा के पक्ष में वोट किया था। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए सभी राजनीतिक दलों की निगाह इस वर्ग पर है। मोहीउद्दीनपुर गौस में हुए तिहरे कांड को लेकर सत्ताधारी दल भाजपा की ओर से डैमेज कंट्रोल करने के लिए एमएलसी निर्मला पासवान, प्रदेश सरकार के मंत्री असीम अरुण पीड़ित परिवार का आंसू पोछने आए हैं। एनडीए गठबंधन के सहयोगी लोजपा अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी पीड़ित परिवार से मिलकर इंसाफ दिलाने का आश्वासन दिया। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करना भी नहीं भूले। विपक्षी दल सपा की ओर से पूर्व मंत्री आरके चौधरी की अगुवाई में दस सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने आकर पीड़ित परिवार से मिल घटना के लिए जिम्मेदार भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया। कांग्रेस पार्टी की ओर से राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल की अगुवाई में 26 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने मोहीउद्दीनपुर गौस पहुंचकर पीड़ित परिवार के आंसू पोछे। सियासी पार्टियां अपने-अपने दल के कद्दावर दलित खासतौर से पासी समाज के नेताओं को तिहरे हत्याकांड के पीड़ित परिवारों के आंसू पोछने भेज रही हैं।

दलित बहुल कौशाम्बी जिले की सियासत में 2014 से पहले तकरीबन दो दशक तक बहुजन समाज पार्टी का एकछत्र राज हुआ करता था। ग्राम प्रधान से लेकर सांसद तक पार्टी का ही सिक्का चलता था। इसके बावजूद मोहीउद्दीनपुर गौस के तिहरे हत्याकांड को लेकर बसपा की खामोशी गले नहीं उतर रही है। घटना के चार दिन बाद भी पार्टी के किसी कद्दावर नेता ने न तो पीड़ित परिवार से मिलने आया और न ही कोई बयान ही सामने आई। जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश पासी का कहना है कि पहले ही दिन वह मौके पर गए थे। पार्टी सुप्रीमो को घटना की जानकारी दे दी गई है। जल्द ही बड़े नेताओं का प्रतिनिधि मंडल पीड़ित परिवार से मिलने आएगा गांव जाएगा।

इंद्रजीत सरोज भी हुए खामोश, कई तरह की चर्चा

तिहरे हत्याकांड से पूर्व मंत्री एवं सपा महासचिव इंद्रजीत सरोज की खामोसी किसी के गले नहीं उतर रही है। जहां एक तरफ सभी दल अपने-अपने दलित नेताओं को पीड़ित परिवारों के आंसू पोछने भेज रही हैं। वहीं इसी जनपद की सदर सीट से विधायक और दलितों खासतौर से पासी बिरादरी के बड़े नेता इंद्रजीत सरोज चार दिन बाद भी मौके पर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं, उनकी तरफ से कोई बयान भी सामने नहीं आया है। इसे लेकर सियासी गलियारे में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

साहब, हमारी भी सुनो...महिलाएं और बच्चे आए सामने

कौशांबी। मोहीउद्दीनपुर गांव में हुए तिहरे हत्याकांड के बाद घर छोड़कर भागे परिवार की महिलाएं और बच्चे सोमवार को राजनैतिक दल व मीडिया के सामने आ गए। उन्होंने कहा कि उनकी भी सुनी जाए। इससे एक बार फिर हंगामें की स्थिति बन गई। पुलिस ने महिलाओं व बच्चों को लाठी पटककर खदेड़ा। शुक्रवार को हुए तिहरे हत्याकांड के बाद भड़की जातीय हिंसा में सात घरों के साथ ही कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था। आरोपी पक्ष का जो भी मिला, उसे पीटा गया। फायरिंग में दो लोग जख्मी में भी हुए। इसके बाद पुलिस की टीम ने गांव में डेरा डाल दिया। गांव सियासी का अखाड़ा बन गया। सोमवार की दोपहर करीब दो बजे सपा की तरफ से पूर्व मंत्री आरके चौधरी, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नारवाल, लाखन आर्मी के प्रमुख सुरेश पासी, सुहेल आर्मी के प्रमुख योगेश पासी सहित तमाम छोटे-बड़े दलों के नेता अपने सर्मथकों के साथ पहुंचे। मीडिया कर्मियों का भी जमावड़ा लगा था। इतने पर खेतों से महिलाएं और बच्चे मीडिया व पुलिस के वरिष्ठ अफसर के सामने अपने घरों में लगाई गई आग व मारपीट की बात साझा करने के लिए विवादित स्थल पर पहुंच गए।

पीड़ित परिवार के लोगों ने उन्हें देखा तो हंगामा हो गया। संघर्ष की स्थिति देख एएसपी समर बहादुर के निर्देश पर पुलिस कर्मियों ने लाठी पटकर महिलाओं को मौके भगाया। भगदड़ में कुछ महिलाएं व बच्चे चोटिल भी हुए। करीब दो सौ मीटर दूर खदेड़ने के बाद पुलिस वापस लौटी। इसे लेकर करीब दो घंटे हंगामे की स्थित बनी रही। पुलिस ने अगर समय रहते हालात पर काबू नहीं पाया होता तो फिर से हिंसक वारदात की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। फिलहाल आरोपी पक्ष की महिलाएं घरों से पलायन कर गई हैं। वह सुबह-शाम सिर्फ अपने मवेशियों को चारा देने आती हैं। पड़ोसी गांव में रहने वाले रिश्तेदार व करीबियों के यहां उन्होंने शरण ली है।

संक्षिप्त समाचार

20 सितम्बर को आयोजित होगा किसान दिवस

बहराइच । शासन के निर्देशानुसार जनपद के किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को आयोजित होने वाले किसान दिवसों की श्रृंखला अन्तर्गत 20 सितम्बर 2023 को मध्यान्ह 12:00 बजे से विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में किसान दिवस तथा कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा कराये गये कार्यों की भी समीक्षा की जायेगी। यह जानकारी देते हुए उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही ने कृषि एवं एलाइड विभागों के अधिकारियों से अपेक्षा की है कि विभाग से संबंधित योजनाओं की अद्यतन सूचनाओं के साथ निर्धारित तिथि, समय व स्थान उपस्थित होकर किसान दिवस में प्रतिभाग करें।

बाल अधिकार आयोग के अध्यक्ष ने कोविड पीड़ित परिवारों से की शिष्टाचार भेंट

बहराइच। उ.प्र. राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के मा. अध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने दो दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान शनिवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड) अन्तर्गत लाभान्वित परिवारों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम पूछते हुए कहा कि बच्चों को शिक्षित करें। लाभार्थी परिवारों से भेंट के दौरान डॉ. शर्मा ने मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि लाभार्थी परिवारों को उनकी शैक्षिक योग्यता एवं पात्रता के अनुसार विभागीय योजनाओं को लाभान्वित करने में प्राथमिकता प्रदान की जाए। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.के. सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज कमलेश कुमार सिंह, पीडी डीआरडीए राज कुमार, डीआईओएस नरेन्द्र देव पाण्डेय, डी.पी.ओ. राजकपूर, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर गुप्त, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्रा, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी बी.पी. सत्यार्थी, सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी, डीपीआरओ राघवेन्द्र द्विवेदी, एआरटीओ प्रशासन राजीव कुमार, अधि.अधि. न.पा.परिषद बहराइच प्रमिता सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न

बहराइच । जिले के भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु शनिवार को शाम कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला सैनिक बन्धु समिति बैठक की अध्यक्षता करते हुए नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूतपूर्व सैनिकों की जो भी समस्याएं हैं उनका समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाय। निस्तारण करते समय इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाये कि पूर्व सैनिक अथवा उनका परिवार कार्यवाही से संतुष्ट हों। नगर मजिस्ट्रेट ने पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को सुझाव दिया कि अपनी समस्याओं को लिखित रूप में अवगत करा दें ताकि उनका समाधान कराया जा सके। इस अवसर पर लीड बैंक प्रबन्धक डॉ. जितेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, एनसीसी के एन.ओ. पंकज सिंह व अन्य अधिकारी, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी के प्रतिनिधि वरिष्ठ सहायक भानु प्रताप गुप्त सहित पूर्व सैनिक तथा सैनिकों के आश्रित मौजूद रहे।

खेत में काम रहे किसान पर गिरी बिजली, मौत

मऊ। थाना क्षेत्र के मोहनसराय गांव में रविवार के देर शाम खेत में काम कर रहे एक वृद्ध किसान की बिजली गिरने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। किसान रामसरीख (62) हलधरपुर थाना क्षेत्र के मोहनसराय गांव के निवासी थे। रविवार की शाम वह खेत में काम कर रहे थे। अचानक बारिश के साथ बिजली चमकने लगी। वह कुछ समझ पाते कि बिजली की चपेट में आ गए। गंभीर रूप से झुलसने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मेरी भांजी को भगा ले गए, अब धर्म परिवर्तन कर करना चाहते हैं शादी

मऊ। स्थानीय थाना क्षेत्र के जीवापार गांव निवासी एक व्यक्ति ने उसकी नाबालिग बेटी के लापता होने के संबंध में दो लोगों को आरोपित करते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप लगाया कि आरोपी धर्म परिवर्तन कर उसकी बेटी से शादी करने को लेकर उसे बहला फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। दर्ज मुकदमे के अनुसार जीवापार निवासी पीड़ित ने बताया कि उसकी भांजी उसके यहां रहकर पढ़ाई करती है। बीते 16 जुलाई से लापता है। पता चला कि थाना क्षेत्र के जीवापार बीबीपुर निवासी शाहिद पुत्र अबुल हसन उर्फ मुन्ना अपने परिजनों के सह पर उसे भगा ले गया है। अब किशोरी का धर्म परिवर्तन कर उससे शादी करने की कोशिश में है। पीड़ित ने सुनवाई न होने पर पुलिस अधीक्षक से इस संबंध में शिकायत की। एसपी के निर्देश पर मधुबन पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

40 अस्पतालों में 1733 मरीजों में बांटी गई सेहत की खुराक

मऊ। जिले में रविवार को नगर के चार अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित जिले के 44 स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेला आयोजित किया गया। सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक चले मेले में 117 डॉक्टरों की टीम ने 327 स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मिलकर 1733 मरीजों का उपचार किया। बेहतर उपचार के लिए 33 मरीजों को जिला अस्पताल तथा सीएचसी रेफर किया गया। मेले में सबसे ज्यादा इलाज चिरैयाकोट पीएचसी पर हुआ, यहां 196 मरीज जांच के लिए आए। नगर क्षेत्र के हनुमान नगर में 70 मरीजों का उपचार हुआ। वहीं, भरुहू का पुरा में 37, छोटी महरनिया में 51 और डोमनपुरा में 53 मरीजों का उपचार किया गया। मधुबन पीएचसी पर 31, काझाखुर्द पीएचसी पर 74, रैनी पीएचसी पर 42, कुर्थीजाफरपुर पीएचसी पर 31, कसारा में 55 मरीजों का उपचार किया गया। उपचार पाने वालों में 758 पुरुष, 750 महिलाएं जबकि 225 किशोर-किशोरियां शामिल रहीं। मेले में 5 आयुष्मान लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड वितरित करने के साथ ही 33 मरीजों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें जिला अस्पताल तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए रेफर किया गया।

सीसीएसयू के हॉस्टल में छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, मचा हड़कंप

मेरठ। मेरठ के चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय के हॉस्टल में एक छात्र ने फांसी लगाकर हत्या कर ली। छात्र बीटेक थर्ड ईयर का छात्र था और बनारस का रहने वाला था। मेरठ के चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय के हॉस्टल में एक छात्र ने फांसी लगाकर हत्या कर ली। छात्रा की आत्महत्या की सूचना पर हॉस्टल में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। जानकारी के अनुसार सीसीएस यूनिवर्सिटी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय छात्रावास रूम नंबर 99 में मंगलवार सुबह प्रशांत पुत्र नागेश पांडे निवासी बनारस बीटेक थर्ड ईयर द्वारा पंखे पर फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली गई। पुलिस द्वारा छात्र के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। छात्रों में चर्चा है कि प्रशांत की चार विषयों में बैक थी। प्रशांत के साथ रूम में रहने वाले दो अन्य छात्र सुबह 8:00 बजे क्लास लेने के लिए कॉलेज चले गए थे। प्रशांत ने क्लास में जाने से मना कर दिया था। उसके बाद प्रशांत ने आत्महत्या कर ली। अभी तक मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है। बेटे की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

तीन थाना क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं में शामिल दो चोर सहित तीन गिरफ्तार

मऊ। जिले के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई चोरियों के बाद से आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस को सफलता मिली। मऊ-बलिया जिले के संयुक्त टीम ने चोरियों में शामिल दो चोरों को आला नकब के साथ गिरफ्तार किया। चोरों से सामान खरीदने वाले स्वर्ण व्यवसायी को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी बलिया में पकड़े गए हैं। पुलिस को आरोपियों के पास से चोरी की लाखों की नकदी के साथ दो तमंचे और आभूषण बरामद किए हैं। एएसपी महेश सिंह अत्री ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक आजमगढ़ परिक्षेत्र अखिलेश मीणा के निर्देशन में बलिया और मऊ की संयुक्त टीम चोरियों का खुलासा करने के लिए लगाई गई। बलिया में बीते 15 सितंबर को दो चोरों सहित एक स्वर्ण व्यवसायी को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से चोरी के आभूषण और एक लाख 84 हजार रुपये बरामद किए गए। साथ ही दो तमंचा बरामद किया गया। बताया कि चोरों ने बलिया, गाजीपुर जिले के साथ जिले के दोहरीघाट थाना क्षेत्र में हुई तीन चोरियों के साथ ही थाना घोसी और रानीपुर में हुई चोरी की बात स्वीकार की। इनकी शिनाख्त गाजीपुर जिले के बृजभान उर्फ नसूड़ी बनवासी, राजकुमार बनवासी तथा स्वर्ण व्यवसायी रणजीत कुमार वर्मा के रूप में हुई।

ईवीएम एफएलसी कार्य का डीएम ने किया निरीक्षण

बहराइच संवाददाता

बहराइच। जनपद में 25 अगस्त 2023 से प्रारम्भ हुए ई.वी.एम. के एफ.एल.सी. कार्य का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने जिला निर्वाचन कार्यालय, बहराइच का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी शिखा श्रीवास्तव तथा एफ.एल.सी. कार्य के लिए आए अभियन्ताओं से जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार एफ.एल.सी. कार्य को सम्पन्न कराया जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि एफ.एल.सी. कार्य के दौरान कोई भी व्यक्ति इलेक्ट्रानिक डिवाइस के साथ प्रवेश नहीं करेगा।

विश्वकर्मा जयन्ती के उपलक्ष्य में 12 लाभार्थियों को प्रदान किये गये ऋण स्वीकृति पत्र

बहराइच। विश्वकर्मा जयन्ती के उपलक्ष्य में शनिवार को लखनऊ स्थित लोकभवन सभागार में मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना अन्तर्गत टूल किट वितरण एवं रू. 50 हज़ार करोड़ धनराशि के मेगा ऋण वितरण समारोह का विकास भवन सभागार में सजीव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी व विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना के साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सेक्टर के 12 लाभार्थियों 122.67 लाख धनराशि के ऋण स्वीकृति प्रमाण-पत्र एवं डैमो चेक का वितरण किया गया। इसके अलावा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 30 लाभार्थियों को टूल किट (चाक) का वितरण किया गया। इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर राजीव सिसोदिया, सी.एम.एस. डॉ. एम.एम.एम. पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा, लीड बैंक पबन्धक डॉ. जितेन्द्र नाथ श्रीवास्तव व अन्य अधिकारी, योजनाओं के लाभार्थी, उद्यमी एवं व्यापारी मौजूद रहे।

लूट की झूठी कहानी गढ़ तीन लाख हड़पने की कोशिश, ट्रक चालक गिरफ्तार

घोसी। कोतवाली पुलिस ने लूट की एक घटना का 12 घंटे में खुलासा करते हुए आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी चालक ने बताया कि मालिक के तीन लाख से ज्यादा की नकदी हड़पने के लिए उसने लूट की झूठी कहानी गढ़ी थी। गोरखपुर जिले के बड़हलगंज निवासी एवं गल्ला व्यापारी ने रविवार को डीसीएम से खाद्य तेल की खेप घोसी कोतवाली क्षेत्र के नदवासराय स्थित एक किराना की दुकानदार पर भेजी थी। चालक प्रेमसागर निवासी मसीर पुर, बिलरियागंज, आजमगढ़ डीसीएम लेकर व्यापारी के यहां रविवार की देर शाम पहुंचा।

तेल की खेप पहुंचाने के बाद दुकानदार ने सामान का तीन लाख दस हजार रुपया ट्रक चालक को दिया। जिसे लेकर वह रविवार की शाम को ही घोसी कस्बा के पहचान के एक व्यापारी के यहां पहुंचा। यहां उसने बताया कि नकदी लेकर वापस लौटते समय नदवासराय से जब गोरखपुर फोरलेन से बड़हलगंज के लिए चला तो एक किलोमीटर आगे जाने पर सड़क किनारे एक मजार के पास पहुंचा था। इसबीच नकाबपोश दो युवकों ने डीसीएम के आगे आकर वाहन रोक लिया। पिडवल मोड़ पर एक्सीडेंट की बात कर मारते हुए मुझे जबरदस्ती बाइक पर बैठाकर पिढवल मोड़ लेकर पहुंचे। यहां मेरा मोबाइल और जेब में रखे कुछ रुपये निकाल लिए। और वापस चले गए। बताया कि जब वह लौटकर ट्रक के पास पहुंचा तो देखा कि केबिन में रखे तीन लाख दस हजार की नकदी गायब है। ऐसी जानकारी उसने बड़हलगंज के व्यापारी को भी बताई।

उधर घटना के संबंध में पीड़ित व्यापारी ने घोसी पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंचे एसआई संतोष यादव ने जब चालक से घटना की जानकारी लेने के साथ घटनास्थल की जांच की तो ब्रेक लेने पर टायर के निशान नहीं मिले। मामला संदिग्ध होन पर जब ड्राइवर को कोतवाली लाकर सीओ एवं कोतवाल ने पूछताछ की गई तवे वह पुलिस को बरगलाता रहा। कड़ाई से पूछताछ की गई तो चालक ने बताया कि उसने रुपये हड़पने के लिए लूट की कहानी गढ़ी थी।

हापुड़ कांड को लेकर नहीं थमा अधिवक्ताओं का विरोध

मऊ। हापुड़ जिले में अधिवक्ताओं के ऊपर हुए लाठीचार्ज की घटना को लेकर सोमवार क भी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य से विरत रहने के चलते वादकारियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जिले के विभिन्न अंचलों से न्याय की आशा लेकर कचहरी आए वादकारियों को अपने मामलों में अगली तिथि लेकर वापस घर जाना पड़ा। सिविल कोर्ट सेंट्रल बार एसोसिएशन की बैठक सोमवार को संघ के पुस्तकालय भवन में हुई। इसमें हापुड़ जिले में अधिवक्ताओं के ऊपर हुए बर्बर लाठीचार्ज की घटना और दोषियों के विरुद्ध अबतक कार्यवाही न होने को लेकर पर चर्चा की गई। बैठक में अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पूरे दिन न्यायिक कार्य से विरत रहे।

अधिवक्ताओं की मांग है कि जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक हापुड़ का अविलंब स्थानांतरण किया जाए। महिला अधिवक्ताओं को पीटने वाले पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज हो। प्रदेश भर में अधिवक्ताओं के विरुद्ध पुलिस ने मनगढ़ंत झूठी कहानी बनकर जो मुकदमे दर्ज किए हैं उन्हें स्पंज किया जाए। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट पारित कर तुरंत लागू किया जाए। हापुड़ के घायल अधिवक्ताओं को 25 लाख रुपये मुआवजा दिया जाए। अध्यक्षता बार के अध्यक्ष शमशुल हसन और संचालन महामंत्री हरिद्वार राय किया। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने भी उक्त प्रकरण पर पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पूरे दिन न्यायिक कार्य से विरत रहे।

अध्यक्षता अध्यक्ष पारसनाथ यादव और संचालन मंत्री संतोष श्रीवास्तव ने किया। तहसील मधुबन बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने भी बैठक कर उक्त घटना को लेकर पूरे दिन न्यायिक कार्य से विरत रहे। अध्यक्षता धनंजय पांडेय और संचालन मंत्री संजय यादव ने किया। तहसील घोसी और तहसील मुहम्मदाबाद गोहना के अधिवक्ताओं ने भी उक्त घटना को लेकर न्यायिक कार्य से विरत रहे।

पीएम किसान निधि की आगामी किश्त के लिए अनिवार्य होगा ईकेवाईसी

- ईकेवाईसी न कराने वाले कृषकों को नहीं मिलेगी धनराशि
- जिले में संचालित रहेंगे पीएम-किसान सेवा केन्द्र/शिविर

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अन्तर्गत आगामी किश्तें केवल उन्हीं किसानों को भुगतानित की जाएंगी जिनका भूलेख अंकन, बैंक खातों की आधार सीडिंग तथा पीएम-किसान पोर्टल पर ईकेवाईसी का कार्य पूर्ण हो चुका है। डीएम ने बताया कि केन्द्र सरकार के कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रेषित निर्देशों के अनुसार अधिकाधिक किसानों को लाभ प्रदत्त करने के उद्देश्य से ईकेवाईसी की अनिवार्यता में शिथिलता प्रदान करते हुए 14वीं किश्त का भुगतान कर दिया गया था परन्तु अब आगामी किश्तें केवल उन्हीं किसानों को भुगतानित की जायेंगी. जिनका भूलेख अंकन, बैंक खातों की आधार सीडिंग तथा पीएम-किसान पोर्टल पर ईकेवाईसी का कार्य पूर्ण हो चुका है। जनपद के अवशेष कृषकों के भूलेख अंकन, बैंक खातों की आधार सीडिंग तथा पीएम-किसान पोर्टल पर ईकेवाईसी का कार्य पूर्ण कराये जाने हेतु डीएम ने समस्त एसडीएम/तहसीलदार तथा राजकीय कृषि बीज भण्डार प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे पूर्व की भांति तहसील स्तर एवं विकास खण्ड स्तर के राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों के सहयोग से पीएम-किसान सेवा केन्द्र/शिविर यथावत संचालित रखे जाएं। डीएम ने उप कृषि निदेशक को निर्देश दिया है कि विभागीय कार्मिकों के माध्यम से अभियान चलाकर तथा कृषि भवन में हेल्प डेस्क की स्थापना कर लाभार्थी कृषको की ईकेवाईसी, आधार सीडिंग तथा भूलेख अंकन से सम्बन्धित कार्यवाही सम्पादित की जाय।

डीएम ने उप कृषि निदेशक को निर्देश दिया है कि जिले के ऐसे किसान जिनकी ईकेवाईसी तथा बैंक खातों की आधार सीडिंग अवशेष है, की सूची पीएम-किसान नोडल कार्मिकों को उपलब्ध करा दें, ताकि सम्बन्धित कर्मी सूची में उल्लिखित कृषकों से सम्पर्क कर सकें। ई-केवाईसी अभियान को सफल बनाने हेतु डीएम ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी पीएम-किसान नोडल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मोबाईल पर ईकेवाईसी कराने हेतु ऐप डाउनलोड कराकर एक्टीवेट करा दिया जाय। डीएम ने यह भी निर्देश दिया है कि ऐसे किसान जिनके अन्य मानक पूर्ण है तथा ईकेवाईसी के लिए जनसेवा केन्द्र अथवा विकास खण्ड पर न आ सकने वाले कृषकों के निवास पर जाकर फेशियल ईकेवाईसी करायी जाये तथा आधार सीडिंग से अवशेष किसानों को इण्डिया पोस्ट बैंक में खाता खुलवाकर आधार सीडिंग की कार्यवाही भी करायी जाय। डीएम ने उप कृषि निदेशक को यह भी निर्देश दिया कि ऐसे किसान जिनका भूलेख अंकन नहीं हुआ है सम्बन्धित कृषि विभाग के कर्मचारी उनकी सूची तहसील के माध्यम से सम्बन्धित लेखपाल को उपलब्ध कराते हुए भूलेख अंकन का कार्य पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें तथा क्षेत्र में विभिन्न माध्यमों से इस बात का प्रचार-प्रसार भी कराया जाय कि ईकेवाईसी न कराने वाले कृषकों को आगामी किश्तों का भुगतान नहीं किया जायेगा। का सभी उपलब्ध प्रचार माध्यमों से व्यापक रूप से प्रचारित किया जाये।

डीएम ने कहा कि सभी श्रेणी के पात्र किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाना शासन की शीर्ष प्राथमिकता है। इसलिए सभी सम्बन्धित अधिकारी पूरी निष्ठा और लगन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए समय-समय पर प्रगति से डीएम को अवगत कराते रहें।

जिले की तीन न्याय पंचायतों में सचालित होगा "सेवा से संतृप्तिकरण" अभियान

बहराइच। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं से जिले के ग्रामों को संतृप्त किये जाने तथा जनसमस्याओं के निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी की अभिनव पहल पर 21 सितम्बर 2023 को ब्लाक महसी अन्तर्गत न्याय पंचायत नथुवापुर की ग्रा.पं. हरदीगौरा, बम्भौरी, नथुवापुर, गंगापुरवा, रमुवापुर खुर्द, गदामारकला व सिसैय्याचूरामणि, न्याय पंचायत ऐरिया की ग्रा.पं. बभनौटी शंकरपुर, फत्तेपुरवा, ऐरिया, भगवानपुर, मेथौरा, लोधौनी, करेहना एवं बैकुण्ठा तथा न्याय पंचायत मुन्सारी की ग्रा.पं. टिकुरी, बरूआबेहड़, पिपरा, मुरौव्वा व कायमपुर में विभागीय अधिकारियों के भ्रमण एवं निरीक्षण के माध्यम से उ.प्रा. विद्यालय बैकुण्ठा में आयोजित शिविर में पात्र असंतृप्त अभ्यर्थियों को आच्छादित किया जायेगा। डीएम ने न्याय पंचायत के सभी ग्रामवासियों से अपील की है कि अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन का भरपूर लाभ उठाएं।

अभियान के दौरान चिकित्सा एवं दिव्यांगजन विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने, गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य की जांच एवं टीकाकरण, परिवार नियोजन, चश्मा वितरण, किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम से आच्छादित करने, मोबाइल मेडिकल हेल्थ यूनिट द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, दिव्यांगजन लाभार्थियों को यूडीआईडी कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाएंगे। खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा अवशेष पात्र असंतृप्त लाभार्थियों के राशन कार्ड बनाने, अपात्रों के नाम हटाने तथा उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के बैंक खातों को आधार से लिंक करने की कार्यवाही की जाएगी। श्रम रोज़गार विभाग द्वारा अवशेष लोगों के जाब कार्ड बनाने, अमृत सरोवरों को पूर्ण कराने तथा मॉडल शाप तथा जल जीवन मिशन परियोजनाओं हेतु भूमि उच्चीकरण की कार्यवाही की जाएगी।

लीड बैंक प्रबन्धक, उपायुक्त उद्योग, खादी ग्रामोद्योग, सहायक श्रमायुक्त एवं समन्वयक कौशल विकास मिशन द्वारा असंतृप्त लोगों के बैंक खाता खुलवाने, रोज़गारपरक योजनाओं के लिए पंजीकरण तथा ऋण के लिए आवेदन तथा उस न्याय पंचायत के लम्बित ऋण आवेदनों को स्वीकृत करने की कार्यवाही की जाएगी। समाज कल्याण, प्रोबेशन, दिव्यांगन, राजस्व व ग्राम्य विभाग विभाग द्वारा पेंशन, आय, जाति, निवास एवं कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों का पंजीकरण की कार्यवाही की जाएगी। आईसीडीएस विभाग द्वारा अवशेष गर्भवती व बच्चों का पंजीकरण व स्वास्थ्य जाँच की जाएगी। नलकूप विभाग नलकूपों की स्थापना व खराब नलकूपों को ठीक कराने जबकि मत्स्य विभाग विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध कार्यवाही करेगा। निर्माण कार्यों के भौतिक सत्यापन हेतु डीएम की तकनीकी टीम भी शिविर स्थल पर मौजूद रहेगी।

पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के टीकाकरण, निराश्रित गोवंशों को गो-आश्रय स्थल भेजना व सहभागिता योजनान्तर्गत ग्रामवासियों को गोदान करने के साथ-साथ अन्य विभागीय योजनाओं से भी आच्छादित किया जायेगा। उपायुक्त स्वत: रोजगार, कृषि व पंचायत राज विभाग द्वारा समूह बनाने, विभागीय योजनाओं हेतु पंजीकरण, स्वच्छ शौचालय से लाभान्वित करने के साथ-साथ रोस्टर बनाकर गावों, कूड़ा उठान, स्कूलों व अन्य सरकारी भवनों की साफ-सफाई की जाएगी। विद्युत विभाग द्वारा इच्छुक व्यक्तियों को कनेक्शन निर्गत करने के साथ-साथ अन्य विभागीय समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। जल निगम हर घर जल योजना के तहत कनेक्शन निर्गत करने, भूमि विवाद का निस्तारण एफएचटीसी के तहत सर्टीफिकेशन का कार्य किया जाएगा। लघु सिंचाई विभाग पात्र लोगों को नि:शुल्क बोरिंग की सुविधा प्रदान करेगा।

एसडीएम, तहसीलदार व बीडीओ द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 व 2023-24 में प्राप्त आईजीआरएस के प्रकरणों में निस्तारण की सूची बनाना व स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्ता का परीक्षण, विगत 03 वर्षो में धारा-24, 67, 122बी कुर्रे, धारा 80 इत्यादि के अनुपालन का स्थलीय सत्यापन। वर्तमान में विभिन्न न्यायालयों में चल रहे वादों में लेखपाल व राजस्व निरीक्षक की सूची बनाना तथा रिपोर्ट लगाना, निर्विवाद उत्तराधिकार के लम्बित प्रकरणों की सूची बनाना व निस्तारण करना, न्याय पंचायतों हेतु निर्गत आर.सी., धारा 122बी व 67 के जुर्माना वसूली, सभी लम्बित आय, जाति, निवास एवं पेंशन प्रकरणों का निस्तारण, बीएलओ द्वारा पुनरीक्षण हेतु फार्म 6, 7, 8 को भराने व बूथों का निरीक्षण, विगत 03 वर्षों में कृषक दुर्घटना योजना से लाभान्वित लाभार्थियों की सूची तैयार करना, न्याय पंचायत के ग्रामवार 02-02 राजस्व एवं विकास विभाग की टीम का गठन किया जाय व रियल टाइम खतौनी एवं अंश निर्धारण घरौनी कार्य सम्पन्न कराये जायेंगे। इस अवसर पर जेसीबी की भी व्यवस्था रखी जायेगी। सीओ व प्रभारी निरीक्षक राजस्व व विकास विभाग की टीम के साथ पुलिस बल उपलब्ध कराएंगे।

राज्यमंत्री डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने जिले के अधिकारियों के साथ की बैठक

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। उ.प्र. राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के मा. अध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने दो दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान शनिवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक के दौरान नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों व जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रामक रोगों पर प्रभावी अंकुश तथा बचाव हेतु समस्त विद्यालयों में साफ-सफाई, फागिंग व एण्टीलार्वा का छिड़काव कराना सुनिश्चित करें। सहायक श्रमायुक्त को निर्देश दिया कि आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, मनरेगा जाबकार्ड धारकों, कन्या सुमंगला योजना के लाभर्थी परिवारों व रसोईया इत्यादि को भी ई-श्रम कार्ड से लाभान्वित किया जाय। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया गया कि प्रत्ययेक विकास खण्ड में मॉडल स्कूल के रूप में 05-05 विद्यालयों को चिन्हित कर टेस्ट कराया जाय तथा प्राप्त परिणामों के अनुसार बेहतरी के लिए कार्ययोजना तैयार कर उसे लागू करें। डॉ. शर्मा ने निर्देश दिया कि चिन्हित विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी इन विद्यालयों में बच्चों के अभिभावकों के साथ माह में 02 बार बैठक भी करें। जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया गया कि माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिए पुरातन छात्र-छात्राओं का सहयोग प्राप्त किया जाय। डॉ. शर्मा ने कहा कि समाज में विशेषकर युवा पीढ़ी में नशीले पदार्थों के सेवन की बढ़ती एक प्रकार से राष्ट्र की क्षति है। युवाओं को नशे की लत से दूर रखने के उद्देश्य से डीआईओएस व बीएसए को निर्देश दिया गया कि प्रार्थना-सभा के समय बच्चों को नशीले पदार्थो से दूर रहने का संकल्प दिलाया जाय। छात्र-छात्राएं बूरी आदतों से दूर रहें इसके लिए आवश्यक है कि युवा पीढ़ी को खेल के साथ-साथ अन्य प्रकार की सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने के प्रयास किये जाएं। डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं में जब भी कोई स्पोर्ट्स, सोशल या अन्य आयोजन हों तो अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाय।

बैठक के दौरान डॉ. शर्मा ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बालश्रम, बालविवाह, बाल अपराध तथा बाल नशा पर प्रभावी अंकुश के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जाय तथा बालश्रम से मुक्त कराये गये बच्चों के पुनर्वास के बेहतर प्रबन्ध किये जाये।

इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.के. सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज कमलेश कुमार सिंह, पीडी डीआरडीए राज कुमार, डीआईओएस नरेन्द्र देव पाण्डेय, डी.पी.ओ. राजकपूर, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर गुप्त, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्रा, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी बी.पी. सत्यार्थी, सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी, डीपीआरओ राघवेन्द्र द्विवेदी, एआरटीओ प्रशासन राजीव कुमार, अधि.अधि. न.पा.परिषद बहराइच प्रमिता सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने की ब्लाक विकास रणनीति तैयारी की समीक्षा बैठक

बहराइच। नीति आयोग द्वारा चिन्हित सूचकांकों की प्रगति एवं आकांक्षात्मक ब्लाक विकास रणनीति हुजूरपुर की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। चिन्हित सूचकांकों की समीक्षा के दौरान पाया गया कि ओवर आल डेल्टा रैंकिंग में जनपद चौथे स्थान पर है। जिसमें स्वास्थ्य एवं पोषण सेक्टर में 60वां, शिक्षा सेक्टर के 24वां, कृषि एवं जल संसाधन सेक्टर में 4था, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास सेकटर में 20वां तथा बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर में 46वीं डेल्टा रैंक प्राप्त हुई है। डीएम ने निर्देश दिया मानक से कम डेल्टा रैंकिंग वाले सूचकांकों में सुधार लाया जाय। आकांक्षात्मक विकास खण्ड हुजूरपुर की ब्लाक विकास रणनीति तैयार करने के सम्बन्ध में स्वास्थ्य एवं पोषण क्षेत्र में निर्देश दिये गये कि मानव व भौतिक संसाधन, स्किल डेवलपमेन्ट जागरूकता व सेवा क्षेत्र में गैप को पूरा करने हेतु करने की रणनीति तैयार कर उपलब्ध कराया जाय। पोषण क्षेत्र हेतु बाल विकास परियोजना अधिकारी हुजूरपुर को निर्देश दिये गये कि सैम, मैम बच्चों की संख्या में कमी हेतु प्रयास की रूपरेखा प्रस्तुत की जाय। बच्चों के जन्म के बीच अन्तर को चिन्हित कर अन्तर बढ़ाने की रणनीति प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये।

शिक्षा के क्षेत्र में निर्देश दिये गये कि विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने की रणनीति तैयार की जाय। खण्ड शिक्षा अधिकारी हुजूरपुर को निर्देश दिये गये कि नीति आयोग द्वारा उपलब्ध करायी गयी बुकलेट को पढ़कर पुन: शिक्षा क्षेत्र की ब्लाक विकास रणनीति प्रस्तुत की जाय। इसके अलावा कृषि, एलायट सेक्टर, बेसिक इन्फ्राटेक्चर व सोशल डेबलामेण्ट से सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि स्टेट एवरेज एवं करंट स्टेटस के आकड़ों के अनुसार ब्लाक विकास रणनीति की बुकलेट का अध्ययन कर राज्य अवसत से आगे निकलने की प्रस्तावित रणनीति उपलब्ध करायी जाय।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एस.के. सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ राजेन्द्र प्रसाद, पीडीडीआरडीए राज कुमार, उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार, उपायुक्त एनआरएलएम रामेन्द्र कुशवाहा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अर्चना सिंह, डीपीएम, एनएचएम सरजू खान सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

त्रिगुट
बुधवार 20 सितम्बर 2023

50 देश के करोड़ों लोगों की आबादी पर अकाल और भुखमरी का संकट

दुनिया भर के देशों में रिकॉर्ड स्तर पर भुखमरी का सामना करने वाले देश की संख्या बढ़कर 50 के आसपास पहुंच गई है। एशिया के अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान जैसे देश गंभीर खाद्य संकट के उच्चस्तर पर पहुंच चुके हैं। यदि इसमें जल्दी ही सुधार नहीं हुआ, तो भुखमरी के हालात पैदा हो जाएंगे। अफगानिस्तान में इस साल जून से अभी तक खाद्य पदार्थों के दाम 40 फ़ीसदी से ज्यादा बढ़ गए हैं। पाकिस्तान के हालात भी बद से बदतर हैं। हाल ही में खाद्य संकट पर जारी वैश्विक अर्धवार्षिक रिपोर्ट 2022 के बाद 9 देश जिसमें सूडान, सोमालिया, बुरुंडी, यमन, कांगो, नाइजीरिया, हेती, जॉर्डन और लेबनान में भारी खाद्य संकट है। गर्भवती महिलायें कुपोषण का शिकार है। जिसका असर बच्चों के ऊपर भी असर पड़ रहा है। महामारी के बाद हुए, आर्थिक नुकसान और यूक्रेन युद्ध के बाद से खाद्य पदार्थों की कीमतें दुनिया भर के देशों में बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। मांग के अनुरूप उत्पादन और सप्लाई नहीं होने के कारण, खाद्य पदार्थों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। मुख्य खाद्य पदार्थ मक्का, चावल, सोयाबीन और गेहूं की पैदावार अंतराष्ट्रीय स्तर पर घट गया है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी, विश्व खाद्य कार्यक्रम डब्ल्यूएफपी की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 78 करोड लोग भुखमरी का शिकार है। इन्हें यह नहीं पता होता है कि उन्हें अगला भोजन कब और कैसे नसीब होगा। दुनिया में 5 साल से कम उम्र के साढे चार करोड़ बच्चे गंभीर कुपोषण के शिकार हैं। दुनिया भर के 50 से अधिक देश इस समय भुखमरी और आर्थिक संकट के शिकार हैं। इस समय लोगों को खाद्य पदार्थ और आर्थिक सहायता की जरूरत है। यदि इसे दूर करने के लिए आवश्यक समर्थन अंतराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान और एक देश दूसरे देश को नहीं देंगे, तो दुनिया भर में भयावह संघर्ष, अशांति और भुखमरी बढ़ेगी। जिसके कारण आंतरिक विद्रोह और तृतीय विश्व युद्ध जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। जिस तरह से दुनिया भर के देशों में खाद्य पदार्थों के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। मानव जीवन के लिए यह सबसे कठिन समय है। यदि हालात पर जल्दी सुधार नहीं हुआ तो, इसके परिणाम 1917 की जार क्रांति की तरह दुनिया के कई देशों में देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस समय 50 से अधिक देश 60 फीसदी से ज्यादा आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे है। इन्हें आर्थिक सहायता की जरुरत है। भारत में भी खाद्य पदार्थों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। भारत जैसे देशों में आम नागरिकों के ऊपर कर्ज बढ़ता जा रहा है। भारत में टैक्स भी पिछले वर्षों में बढ़ता जा रहा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण भारत जैसे देश भी आर्थिक संकट के उसी दौर से गुजर रहे हैं। जिसके फलस्वरुप आर्थिक कारणों से युवा और बेरोजगारों का गुस्सा अब सड़कों में देखने को मिलने लगा है। भारत में अभी खाद्य पदार्थों का वैसा संकट नहीं है, जैसा अन्य देशों में देखने को मिल रहा है। भारत में मंहगाई, आर्थिक मंदी और बेरोजगारी के कारण मध्यम एवं निम्नवर्ग आर्थिक संकट से गुजर रहा है।

(कविता)
सड़क की पीड़ा

प्रभुनाथ शुक्ल

मैं ने सुनी हैं उसकी आहटें
मौन पीड़ा और अकुलाहटें
वह बिलखती और तड़पती भी है
आँसूओं से नहाती भी है
लेकिन...
उसकी आवाज़ मौन है
क्योंकि वह एक सड़क है !
अब वह अकेली है
उजड़ गए हैं उसके श्रृंगार
विस्तार के लिए काट दिए गए पेड़
वह अब नंगी और बेजान है
क्योंकि...
उसका अपनापन लूट गया
अब गर्म सूरज उसे पिघलाएगा
बारिश उसे भिगोएगी
वाहनों की चोट से वह घायल होगी
अपना सुख-दुःख भी नहीं बाँट पाएगी
क्योंकि...
विस्तावाद में उसने अपनों को खो दिया
अब धूप में पिघलना, बारिश में भींगना
गर्मी से जलना और ठंड में सिकुड़ना
उसकी नियति होगी
क्योंकि...
उसका अपनापन लूट गया ?

ओजोन परत को डैमेज से बचाया जा सकता है.

वर्ल्ड ओजोन डे मनाने के पीछे का उद्देश्य केवल लोगों को ओजोन परत के बारे में जानकारी देना और डैमेज हो रही ओजोन परत के प्रति जागरूक करना है. अगर लोग प्रदूषण को कम कर दें तो ओजोन परत को डैमेज से बचाया जा सकता है. 19 दिसंबर 1964 में यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली ने ओजोन परत के संरक्षण के लिए 16 सितंबर को वर्ल्ड ओजोन डे के तौर पर मनाए जाने की घोषणा की थी. 1964 के बाद से वर्ल्ड ओजोन डे हर वर्ष मनाया जाता है. संयुक्त राष्ट्र ने 16 सितंबर को ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित किया। यह तारीख 1985 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल को अपनाने की याद दिलाती है जब सरकारों, वैज्ञानिकों और उद्योग ने सभी ओजोन-क्षयकारी पदार्थों में से 99त्न कटौती करने के लिए मिलकर काम किया था।

ओजोन परत ओजोन अणुओं की एक परत है, जो वायुमंडल में पाई जाती है। ओजोन परत पृथ्वी को सूर्य की हानिकारक अल्ट्रा वायलेट किरणों से बचाती है। इसके संरक्षण के लिए 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस या ओजोन परत संरक्षण दिवस मनाया जाता है। पर्यावरणविद का मानना है कि ओजोन लेयर पृथ्वी का सुरक्षा कवच है और इसे बचाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि 1995 के बाद से हर साल 16 सितंबर को ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस का आयोजन किया जाता है। ओजोन परत के क्षरण के बारे में संभव समाधान का खोज करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

क्यों हो रहा ओजोन परत का क्षय

क्लोरोफ्लोरोकार्बन ओजोन परत में होने वाले विघटन के लिए उत्तरदायी है। इसके अलावा हैलोजन, मिथाइल क्लोरोफार्म, कार्बन टेट्राक्लोरिड आदि रसायन पदार्थ भी ओजोन को नष्ट करने में सक्षम है। इन रासायनिक पदार्थों को ही ओजोन क्षरण पदार्थ कहते हैं। यह एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर व प्लास्टिक आदि के इस्तेमाल में प्रमुखता से उत्सर्जित होते हैं।

ई-कचरा भी बना खतरा

ई-कचरे में करीब 38 अलग-अलग प्रकार के रासायनिक तत्व शामिल होते हैं। टीवी व पुराने कंप्यूटर में लगी सीआरटी को रिसाइकल करना मुश्किल होता है। इस में लेड, मरक्यूरी केडमियम जैसे घातक तत्व होते हैं। कूड़े में पाया जाने वाले ई-कचरा हवा, मिट्टी, भूमिगत जल

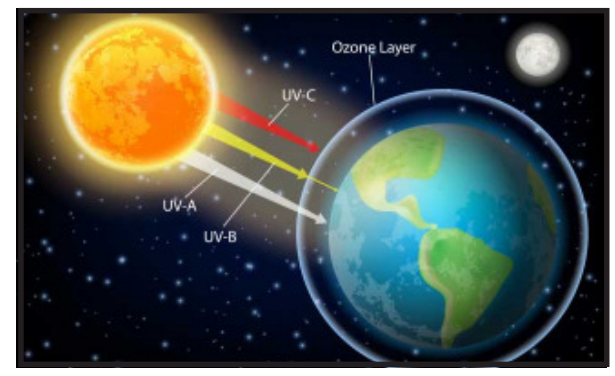

को प्रदूषित कर रहा है।

ये हैं दुष्प्रभाव

ओजोन परत के बढ़ते क्षय के कारण अनेकों दुष्प्रभाव हो सकते हैं। जैसे कि सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणें धरती पर वायुमंडल में प्रवेश कर सकती हैं। जो बेहद ही गर्म होती है और पेड़-पौधों व जीव जंतुओं के लिए हानिकारक होती है। शरीर में इन कारणों की वजह से त्वचा का कैंसर, अल्सर, मोतियाबिंद जैसी घातक बीमारियां हो सकती हैं। यह किरणें मानव शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित करती हैं।

ऐसे करें बचाव

ऐसे सौंदर्य प्रसाधन, एयरोसोल और प्लास्टिक के कंटेनर, स्प्रे जिसमें क्लोरोफ्लोरोकार्बन विद्यमान हैं, उन उत्पादों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। वाहन से अत्यधिक धुआं उत्सर्जन को रोकने के लिए वाहनों का नियमित रखरखाव करें। प्लास्टिक और रबड़ से बने टायर को जलाने से बचना चाहिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं ताकि ऑक्सीजन अधिक से अधिक मात्रा में वायुमंडल में बनी रहे और इससे ओजोन अणुओं का निर्माण हो। रुई के गद्दे और तकियों का प्रयोग करें व फोम के उपयोग से बचे। मिट्टी के कुल्हड़ों, पत्तों की थालियों का प्रयोग करें। ओजोन लेयर धरती और उस पर रहने वाले सभी जीवों की रक्षा हानिकारक किरणों से करती है. ये धरती के वायुमंडल में मौजूद एक परत है जो बढ़ते प्रदूषण और हर रोज वृक्षों से काटने से डैमेज हो रही है, जो पूरी दुनिया के लिए एक भयानक खतरे की घंटी है. सूरज की हानिकारक किरणों से बहुत सी बीमारियां और परेशानियां झेलनी पड़ सकती है

श्रीगणेशजी एवं उनके बारह नामों का सनातन धर्म में महत्व

डॉ. शारदा मेहता

अनादिकाल से गणेशजी का पूजन वैदिक मंत्रों के साथ होता आया है। वैदिक काल में भी गजानन गणेश प्रासंगिक रहे हैं। हमारी सनातन परम्परा में श्रीगणेशजी के अग्र पूजन के बिना किसी भी शुभ कार्य को प्रारंभ नहीं किया जाता है। हमारी यह धारणा रहती है सभी कार्य बाधा रहित और मंगलमय रूप से सम्पन्न हों। शुभ कार्य के प्रारंभ में गणेशजी के बारह नामों का संकीर्तन किया जाता है-

सुमुखश्चैक दन्तश्च कपिलो गजकर्णकः।
लम्बोदरश्च विकटो विघ्ननाशो विनायकः।।
धूर्मकेतुर्गणाध्यक्षो भालचन्द्रो गजाननः।
द्वादशैतानि नामानि यः पठेच्छृणुयादपि।।
विद्यारम्भे विवाहे च प्रवेशे निर्गमे तथा।
संग्रामे संकटे चैव विघ्नस्तस्य न जायते।।

अर्थात- भाव यह है कि व्यक्ति विद्यारंभ के समय, विवाह जैसे शुभ कार्य के समय, नव निर्मित घर में प्रवेश के समय, यात्रा के समय, संग्राम के अवसर पर, किसी विपत्ति के समय श्रीगणेशजी के बारह नामों का स्मरण करता है तो उसका कार्य निर्विघ्न सम्पन्न हो जाता है। ये बारह नाम हैं-

1. सुमुख, 2. एकदन्त, 3. कपिल, 4. गजकर्ण, 5. लम्बोदर, 6. विकट, 7. विघ्ननाशक, 8. विनायक, 9. धूम्रकेतु, 10. गणाध्यक्ष, 11. भालचन्द्र, 12. गजानन।

इन प्रत्येक नामों के साथ एक इतिहास एक पौराणिक कथा अन्तर्निहित है। हम यहाँ प्रत्येक नाम का विश्लेषण करेंगे-

सुमुख = सुमुख का शाब्दिक अर्थ है सुन्दर मुख। सुन्दर मुख सामान्य रूप से गौरा रंग, बड़े-बड़े आकर्षक विशाल नेत्र तथा तीखी नाक वाले व्यक्ति की छबि हमारे सम्मुख प्रकट होती है। गणेशजी के नेत्र छोटे हैं। रंग भी गोरा नहीं है। उनका मुख सुमुख इसलिए है कि उनके दर्शन सभी के लिए शुभ है। दर्शन मात्र से ही भक्तों के संकट का हरण हो जाता है।

एकदन्त = एक बार परशुरामजी शंकरजी से मिलने गए। द्वार पर खड़े गणेशजी ने उन्हें अन्दर जाने से रोक दिया। दोनों में वाक्युद्ध होने लगा। परशुरामजी क्रोधित तो हुए, परन्तु बाल्यावस्था देखकर उन पर प्रहार करना नहीं चाहते थे। परशुरामजी गणेशजी के वाक् प्रहार असहनीय होने से उन्होंने गणेशजी पर प्रहार कर दिया। प्रहार भुजा पर करना था वह दाँत पर लग गया। प्रहार से दाँत टूट गया। टूटा हुआ दाँत परशुरामजी को नष्ट करने के लिए चल पड़ा। शिव गण उसके पीछे-पीछे गए और उसे रोक लिया। सम्पूर्ण पृथ्वी काँप उठी। चारों ओर भय व्याप्त हो गया। सभी ओर हाहाकार मच गया। विद्वानों का मत है कि जब गणेशजी के दो दाँत थे तो वे द्वेत भाव के पोषक थे। जब उनका एक दाँत टूट गया तो वे इस बात का द्योतक है कि वे अद्वेत के प्रतीक बन गए। एक दाँत इस बात का प्रतीक है कि जीवन में सफलता उसी व्यक्ति को प्राप्त होती है जिसका लक्ष्य एक ही होता है। इससे भक्तों को एकता की शिक्षा प्राप्त होती है। हमेशा एक लक्ष्य रखो।

कपिल = जिस प्रकार कपिला गौ के दूध, दही, घृत, मक्खन मानव को पुष्ट बनाते हैं। उसी प्रकार कपिल (भूरा) रंग के गणेशजी के पूजन से भक्त पुष्ट बनाते हैं। कपिल रंग के गणेशजी की यही विशेषता है।

गजकर्ण = गजकर्ण का अर्थ हाथी के समान कर्ण वाले। गजके समान कान इस बात का प्रतीक हैं कि सभी की बात श्रवण करें। बातों के सार को ग्रहण करें। व्यर्थ की बातों को महत्व न दें। उनसे अपना अहित न करें।

लम्बोदर = लम्बोदर का अर्थ है- विशाल पेट वाला। बड़े पेट से भक्तों को यह शिक्षा मिलती है कि सभी की बातों को सुनकर पेट में समाहित कर लेना चाहिए। निरर्थक बातों को चाहे जहाँ उगल कर वातावरण को दूषित बना देता है। कई बातों को पेट में पचा लेना चाहिए। गणेशजी ने डमरू की ध्वनि से वेदों का ज्ञान प्राप्त किया। माता पार्वती के नुपूर की ध्वनि से संगीत की शिक्षा प्राप्त की। ताण्डव नृत्य से नृत्य विद्या प्राप्त की। लम्बोदर होने से इन सभी कलाओं को उन्होंने उदरस्थ कर लिया।

विकट = विकट शब्द का अर्थ है- भयंकर। गणेशजी का आधा शरीर नर का तथा ऊपर का अंग हाथी का है। उनका ऐसा स्वरूप विकट है। यह स्वरूप इस बात का प्रतीक है कि गणेशजी इस बात का सन्देश देते हैं कि व्यक्ति को उन्नति के मार्ग में आने वाली विकट से विकट परिस्थितियों में धैर्य से काम लेना चाहिए। बाहरी आकृति चाहे विकट हो, किन्तु अन्तःकरण शुद्ध और हितकारी होना चाहिए।

विघ्ननाश = विघ्ननाश का अर्थ है विघ्न (संकट) का नाश करने वाले। गणेशजी को किसी भी शुभ कार्य में कोई बाधा (विघ्न) न हो, सम्पूर्ण कार्य सानन्द सम्पन्न हो जाए, इसलिए सर्वप्रथम (विघ्नों का नाश करने वाले) श्रीगणेशजी का विधिवत पूजन किया जाता है। गणपति अथर्वशीर्ष में लिखा है-

विघ्ननाशिने शिवसुताय श्रीवरदमूर्तये नमः।

अर्थात- भाव यह है कि विघ्नों को नष्ट करने वाले, शिव पुत्र वरदायी मूर्ति रूप में प्रकटित श्रीगणेशजी को नमस्कार करते हैं।

विनायक = विनायक हमारे शुभ कार्यों के नायक हैं। उनके नायकत्व में ही हमारे शुभ कार्यों का प्रारंभ होता है। स्वयं शंकरजी ने इन्हें अपने सभी गणों में मुख्य कहा है। ये उन सभी के नायक हैं।

धूम्रकेतु = धूम्र का अर्थ है धुआँ अर्थात् धूसर रंग तथा केतु अर्थात् ध्वजा या पताका, धूसर रंग की ध्वजा। ऐसी धारणा है कि गणेशजी धूम धूसर अर्थात् अस्पष्ट कल्पनाओं को साकार करने वाले हैं। कुछ विद्वानों का कथन है कि मानव के आध्यात्मिक विकास में आने वाले विघ्नों को भस्मसात् कर अपने भक्तों को प्रकाश का मार्ग दर्शाने वाले गणेशजी ही हैं।

गणाध्यक्ष = गणों के अध्यक्ष अर्थात् गणों के स्वामी, गणों में प्रमुख। शंकरजी ने स्वयं अपने पुत्र गणेशजी को गणाध्यक्ष के पद पर प्रतिष्ठित किया है। बाल्यावस्था में उनका मस्तक काट दिया था। अश्विनी कुमारों ने गणेशजी को हाथी का सिर लगा दिया गया था तब सभी शिवगण प्रसन्नता से नाचने लगे और उन सभी ने जय जयकार करके गजवंदन का अभिनंदन किया। उन सभी ने शंकरजी द्वारा प्रदत्त गणाध्यक्ष के पद को स्वीकार कर हर्ष व्यक्त किया।

भालचन्द्र = शंकरजी के मस्तक पर चन्द्रमा सुशोभित है। गणेशजी के सिर पर भी चन्द्रमा विराजमान हैं। चन्द्रमा शीतलता तथा शान्ति का प्रतीक है। चन्द्रमा की कान्ति सभी को आकर्षित करती है। चन्द्रमा के दर्शन मात्र से मन में शान्त भाव प्रादुर्भूत होते हैं, शीतलता की अनुभूति होती है। व्यक्ति अपने परिवार में, समाज में तथा अपने कार्यालय में शान्त मस्तिष्क रख कर अपने दायित्वों को निर्विघ्न कुशलतापूर्वक सम्पन्न कर सकता है और सफलता प्राप्त कर सकता है। श्रीव्यास द्वारा रचित नवग्रह स्तोत्र में कहा है-

दधिशंख तुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्।
नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।

गजानन = गजानन का कंठ से ऊपर का भाग हाथी के समान है। शेष भाग की आकृति नर के समान है। गजानन के कान सूप के समान बड़े-बड़े हैं। बड़े कान इस बात का संकेत देते हैं कि हमेशा किसी की बात सम्पूर्ण सुनना चाहिए। अधूरी बात श्रवण करने से गलत धारणा उत्पन्न होती है। मनमुटाव होता है। सम्पूर्ण बात ध्यान देकर सुनने से कार्य का सम्पादन भली प्रकार से, सही तरीके से होता है। अधूरी बात सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं करनी चाहिए। गणेशजी की आँखें छोटी हैं, परन्तु वे अपने भक्त को तीक्ष्ण तथा दूर दृष्टि से देखकर उनकी समस्या का समाधान करते हैं। गणेशजी की लम्बी नाक (सूँड) प्रतिष्ठा की द्योतक है। हर व्यक्ति के जीवन में नाक (इज्जत) की प्रतिष्ठा बनाए रखने की समस्या रहती है और इसे बचाने के लिए वह भरसक प्रयत्न करे यही सन्देश गणेशजी की सूँड देती है।

अनादिकाल से गणेशजी का पूजन वैदिक मंत्रों के साथ होता आया है। वैदिक काल में भी गणेशजी प्रासंगिक रहे हैं। श्रीगणपति अथर्वशीर्ष का पाठ वैदिक काल से होता आया है। इस कथन से विद्वत्जन भी सहमत हैं। भारत में सनातन धर्मावलम्बी गणेशजी का पूजन सर्वदा करते हैं। प्रत्येक कार्य में गणेश पूजन का महत्व प्रतिपादित किया गया है। किसी भी भगवान का मंदिर हो वहाँ गणेशजी की मूर्ति अवश्य स्थापित रहती है। वेदव्यासजी जब महाभारत की रचना करने लगे तो उन्हें ऐसे विद्वान की आवश्यकता हुई जो उनके बोलने पर लिखता जाएँ। उन्हें इस कार्य के लिए श्रीगणेशजी ही सर्वोत्तम लगे। श्रीगणेशजी आए और उन्होंने यह शर्त रखी कि आप अविरलगति से बोलते जाना और मैं लगातार बिना रुके लिखता जाऊँगा। यह थी श्रीगणेशजी की बुद्धिमत्ता की विशेषता।

विवाह, यज्ञोपवीत, गृहप्रवेश, जन्मदिवस या कोई भी पारिवारिक शुभकार्य हो उनके निमंत्रण पत्र वितरण करने में सर्वप्रथम गणेशजी को निमंत्रित किया जाता है। गणेशजी के मंदिर में पत्रिका सादर समर्पित की जाती है। विवाह के पश्चात वर-वधू को गणेश मंदिर के दर्शन के लिए ले जाते हैं। हमारी संस्कृति में जब वसंत पंचमी पर नन्हें बालक का विद्यारंभ किया जाता है, तो सर्वप्रथम उसके हाथ से ग' गणेशजी अक्षर ही लिखवाया जाता है। मान्यता है कि बालक गणेशजी के समान बुद्धिमान बनें। गणेशजी को मोदक विशेष प्रिय है। मोदक विशेषकर गुड़ के मोदक का नैवेद्य उन्हें लगाया जाता है। मोदक एकता का अखिल ब्रह्माण्ड का प्रतीक है। बूँदी का नैवेद्य नहीं लगता है क्योंकि वह बिखराव, विखंडन का प्रतीक है। बूँदी के लड्डू का कुछ लोग नैवेद्य में प्रयोग करते हैं। दुर्वा भी गणेशजी को प्रिय है। दुर्वा में भी तीन पत्ती वाली दुर्वा ही चढ़ाई जाती है। गणेशजी के भक्त सावधानीपूर्वक पूजन विधि सम्पन्न करते हैं।

पर्युषण पर्व- आत्मसाक्षात्कार का दिव्य पर्व

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

चातुर्मास के दौरान भाद्रमाह की पंचमी से दस दिवसीय पर्युषण पर्व जैन मान्यताओं के अनुसार मनाया जाता हैं। दस दिवस में प्रत्येक दिवस का अपना अपना महत्व या धर्म होता हैं। वास्तु का जो स्वाभाव होता हैं उसे धर्म कहते हैं। वस्तुस्वभावो धर्मः। जैसे अग्नि का स्वाभाव ताप देना हैं, वैसे ही आत्मा धर्म मयी हैं। उत्तम क्षमा। मार्दव आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य।ये चार कषायों क्रोध, मान माया और लोभ, पांच पापो जैसे हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील और परिग्रह से छूटकर किस प्रकार अपनी आत्मा या ब्रह्म में आचरण कर, अपनी आत्मा का कल्याण करे। यह अपनी आत्मा में छाई कलुषिता को दूर कर अपनी आत्मा से साक्षातकार करने का यह स्वर्णिम अवसर होता हैं। यदि हम अपने जीवन में एक भी धर्म को उतार ले तो अपना आत्मकल्याण कर सकते हैं। अपूर्व अलौकिक धर्म साधना का समय होता हैं। ये मात्रा दस दिन हमे वर्ष भर के लिए आचरण की याद दिलाने आते हैं। वैसे हमें अपना जीवन प्रत्येक क्षण धर्म मय मनाना चाहिए। बिना कारण के कोई कार्य उत्पन्न नहीं होता। कोई भी कार्य निर्थक नहीं होता। बहुत पहले समाज विखरित था। उस समय आवागमन के साधन शून्य। कच्चे मार्ग, बैलगाड़ी, घोड़ों की सवारी ही मुख्य साधन होते थे। अधिकतर निवास गांव में होते थे। व्यापार शुन्य, खेती किसानी से निवृत्ति और आवागमन का साधन न होने से जीवन अवरुद्ध सा हो जाता। उस समय समय की उपयोगिता हेतु अधिकतर धार्मिक आयोजन किये जाते थे।जिससे समय के साथ जीवन की यथार्यता का दर्शन होते थे।हमें क्या करना चाहिए और हम क्या कर रहे हैं। इससे जीवन की दशा और दिशा समझ में आती थी और हैं भी।

कच्ची सड़के,हरियाली अधिक, वर्षा की आधिक्यता से आवागमन सीमित होने से धार्मिक सामाजिक आयोजन किये जाते। जीव हिंसा का डर, हरी साग सब्जी में रोगों का संक्रमण होने से उसका भी त्याग और उस समय इतनी प्रकार की सब्जियां भी नहीं मिलती थी तो सादा भोजन, जीवन और उच्च विचार का परिपालन करते थे। यह चातुर्मास सब समाज में और दर्शन में मनाते हैं और इसका आयोजन कुछ सार्थक उद्देश्य के होते थे और हैं। इसमें मुख्यतः जीव हिंसा का वचाब और धार्मिक भावना का उदघाटन करना, इसके लिए कही भागवत गीता, रामायण आदि का परायण होता हैं। आत्म कल्याण की भावना बलबती होती हैं। जैन समाज में आज से पचास साठ पहले जैन आचार्यों, मुनियों की इतनी अधिक संख्या नहीं रहती थी और न सब जगह मुनि वर्ग पहुंच पाते थे तथा उस समय आर्थिक संघर्ष भी आज की अपेक्षा अधिक था। उस समय आवागमन के साधन तैयार होने लगे थे। और समाज गांव से शहरों की ओर आने लगी चाहे व्यापार के लिए, नौकरी के लिए या शिक्षा के लिए। या विकास के लिए। पचास साठ साल पहले कुछ पंडित जी, कुछ विद्यवान ही पर्युषण पर्व में बुलाये जाते थे उसी समय धरम का रसास्वादन मिल जाता था। आचार्य श्री के प्रादुर्भाव से और उस समय अन्य आचार्यों के कारण अनेकानेक मुनि आचार्य, आर्यिकायें दीक्षित हुए और अब इस समय चातुर्मास स्थापना ने एक महोत्सव का रूप ले लिया, इतनी भव्यता होती हैं की भव्यता में भी प्रतिस्पर्धा होने लगी यह शुभ लक्षण हैं ! इससे समाज में मुनि संघों, आचार्य संघों, आर्यिका संघो और ऐलक,क्षुल्लक, ब्रह्मचारी आदि के माध्यम से ज्ञान की अमृत वर्षा होती हैं और प्रभावना का बोध होता हैं।

आजकल उच्च श्रेणी के श्रावक /श्राविका होते जा रहे हैं और वर्तमान में आचार्यों के कारण उनके शिष्य भी बेजोड़ ज्ञानी,ध्यानी ज्ञाता हो गए है। उन्होंने लगातार अध्ययन कर अपने आप में श्रेष्ठता हासिल की हैं। उनकी प्रभावना हमारे ऊपर अधिक क्यों पड़ती हैं ?उसका कारण उनकी त्याग, तपस्या। साधना, विवेक, ज्ञान और उनके द्वारा कुछ समाज, देश के कल्याण के हित की बात करते हैं। और वे मात्र स्व पर कल्याण में रत होते हुए समाज को बहुत देते हैं। संसार की अनित्य दशा से छूटकर आत्मिक कल्याण में लगो। आचार्य /मुनि /श्राविका समाज से आहार लेते हैं, जिसके कारण आहार दाता अपने को बड़ा भाग्यशाली मानता हैं,बड़े पुण्य से मुनि महाराज आदि आहार लेते हैं जिसके उत्साह का ठिकाना दाता को होता हैं और उसके बदले आचार्य /मुनि /आर्यिकाये स्वकल्याण /आत्मसाधना करती/ करते हैं और समाज को ज्ञान दान, चरित्र निर्माण में सहयोग देती हैं, प्रेरणा देती हैं, प्रेरक बनते हैं।

आज कल साधन, सुविधाएं, व्यापार, नौकरी के कारण सम्पन्नता आने से समय की कमी होती जा रही हैं, हम कमवख्त (कम वक्त) होते जा रहे हैं, आज वर्तमान में आर्थिक, भौतिक चकाचौंध के कारण और बहुत सुशिक्षित होने के कारण विदेशों में जाना आजकल सामान्य होता जा रहा हैं और महानगरों में भी /व्यापार /नौकरी के कारण जाने से आहार/भोजन की परमपरा जो रात्रिकालीन त्याग की थी वह पूर्णतयः समाप्त हो गयी, और अब अंतरजातीय विवाह या प्रेम विवाह होने के कारन वे लोग समाज से जुड़ना नहीं चाहते। और धनवान लोग अपने अपने द्वीप में रहकर पूर्ण स्वच्छंदता से रहकर पर उपदेश देते हैं। नगर निगम अशुद्ध पानी प्रदाय करती हैं पर हम अपना लोटे का पानी छान कर। साफ़ रखते हैं वैसे धरम व्यक्ति प्रधान होता हैं तथा भाव प्रधान हैं। भावना से ही बढ़ या छोटे होते हैं हम समाज सुधारक नहीं हैं। समाज का सुधारना बहुत कठिन हैं जब वह सम्पन्न, शिक्षित हो और उसमे समाज का कोई नियंत्रण न हो। कारण समाज इतना फैला हैं की कौन कहाँ क्या कर रहा है किसी को नहीं मालूम। पहले विजातीय शादी या नियम विरुद्ध कृत्य करते थे तो उन्हें समाज से बहिष्कृत किया जाता था, अब आजकल उन्हें ही श्रेष्ठि जन के रूप में मान्यता मिलती हैं। आजकल अनैतिक ढंग से आय /आमदनी होने के कारण या करने के कारण जैसे शराब का धंधा करना, स्मगलिंग करना, सट्टा, जुआ खिलाना तस्करी करना या चमड़े उद्योग लगाना, कृमिनाशक रसायनों का व्यापार करना आज समाज में सामान्य होता जा रहा हैं और इन्ही के कारण बड़ी बड़ी योजनाओं में भागीदारी होती हैं। इससे उनके चरित्र का प्रभाव समाज पर नहीं पड़ता क्या ? यह कोई व्यक्तिगत आलोचना नहीं हैं, हमारे लिए यह बहुत शुभ घडी हैं की इस समय चातुर्मास स्थापना इतनी जगह हो रहे हैं जिससे बहुसंख्य समाज मुनि, आचार्य आर्यिकाओं आदि की उपस्थिति से लाभान्वित होंगे और उन्हें भी साधना करने का अनुकूल स्थान मिलेंगे और हम लोग जो अज्ञानी, अबोध, धरम से दूर रहने वालों को जुड़ने और ज्ञान से वे भी अपना कल्याण कर सकेंगे।कल्याण न हो तो कोई बात नहीं सदमार्ग पर चलना सीख जाए यही सच्चा चातुर्मास होगा।

वर्तमान में जैन श्रमण संस्कृति संसथान सांगानेर से प्रक्षिक्षित विद्वानों द्वारा पूरे भारत के साथ अन्य देशों में भी जाकर धरम की प्रभावना की जा रही हैं और इसी के साथ श्रावक संस्कार शिविर से भी धरम की जाग्रति के साथ प्राथमिक शिक्षा दी जा रही हैं यह अनुकरणीय प्रयास हैं।

यह पर्व हैं अपने कल्याण का,
यह अवसर हैं सुधारने और सुधरने का,
बीता हुआ समय नहीं आयेंगा
आगे को तो हम सम्हाल सकेंगे।
जीवन की सार्थकता के लिए
यह हैं प्रथम सीढ़ी आत्मकल्याण की।

कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है

निर्मल रानी

राजधानी दिल्ली ने पिछले दिनों 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन में मेज़बान की भूमिका निभाई। 1999 में गठित इस ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (त्र20) के नाम से अपनी पहचान बनाने वाले संगठन में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, फ्रांस , जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका , तुर्कि, यू- के,संयुक्त राज्य अमेरिका तथा यूरोपीय संघ जैसे 20 देश शामिल हैं। त्र20 को बीस वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक के गवर्नर्स के समूह के रूप में भी जाना जाता है जो कि विश्व की 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नर्स का एक संगठन है। इससे पूर्व 17वां जी-20 शिखर सम्मेलन इंडोनेशिया के बाली में 15-16 नवंबर 2022 को आयोजित किया गया था और अब 18वां जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन 9-10 सितंबर 2023 को दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ है। जबकि 2024 में 19 वें त्र20 सम्मलेन अध्यक्षता ब्राज़ील के पास होगी। इस सम्मलेन का मुख्य मक़सद वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रणालीबद्ध महत्वपूर्ण औद्योगिक और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है। 9-10 सितंबर 2023 को दिल्ली में आयोजित हुये जी-20 शिखर सम्मेलन से पूर्व इसी वर्ष भारत ने अपने सभी 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के 60 प्रमुख शहरों में भी जी-20 की 220 बैठकें सफलतापूर्वक संपन्न कराकर अपनी सामर्थ्य व मेज़बानी से पूरे विश्व को परिचित कराया है।

परन्तु पश्चिमी देशों के कई प्रमुख अख़बारों ने जहां जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन का ज़िक्र किया है वहीँ इस आयोजन के मद्देनज़र दिल्ली के सौंदर्यीकरण के नाम पर कई इलाक़ों में झुग्गियों को गिराने के विषय को भी प्रमुखता से उठाया है। अख़बारों ने लिखा है कि किस तरह भारतीय अधिकारियों ने जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले ग़रीब बस्तियों को हटा कर दिल्ली के सौंदर्यीकरण का अभियान चलाया। इतना ही नहीं बल्कि वाशिंगटन पोस्ट ने तो अपने एक लेख में यह भी लिखा कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वैश्विक कार्यक्रम को अपने रिब्रांडिंग के लिए इस्तेमाल किया है। लेख में कहा गया- देश भर में बिलबोर्ड पर प्रधानमंत्री का चेहरा चिपका दिया गया है। इसका संदेश सरल है- दुनिया के शीर्ष नेताओं की मेज़बानी करके, भारत एक विश्व शक्ति के रूप में उभरा है, और मोदी ही वो व्यक्ति हैं जो देश को वहां तक ले गए। लेकिन सच्चाई थोड़ी अलग है। जी 20 की अध्यक्षता हर सदस्य देश को मिलती है। जैसे इंडोनेशिया को पिछले साल मिली थी. बाइडेन और पीएम मोदी की द्विपक्षीय वार्ता के बाद तो एक अमेरिकी पत्रकार ने व्हाइट हाउस प्रवक्ता से अपना पहला ही सवाल दिल्ली में झुग्गियों को हटाए जाने पर पूछ लिया। अमेरिकी पत्रकार ने पूछा, -बाइडेन-मोदी के बीच मुलाक़ात के संबंध में सबसे पहले मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या बातचीत में झुग्गियों पर बुलडोज़र चलाए जाने को लेकर बात हुई ? क्या राष्ट्रपति बाइडेन ने पूछा कि सुनिए...लोकतांत्रिक सरकारें ऐसा बर्ताव नहीं करती हैं ?

दरअसल जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले दिल्ली के पूर्वी ज़िला प्रशासन का मयूर विहार फेज़ -एक में झुग्गियों पर बुलडोज़र चला। खादर में तीन अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करके 30 से अधिक झुग्गियों को तोड़ दिया गया। यहां कथित तौर पर अवैध रूप से रह रहे क़रीब पांच हज़ार लोगों को हटाया गया था। दोबारा से क़ब्ज़ा करने पर झुग्गीवासियों से क़ानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा गया था। इस कार्रवाई से पहले प्रशासन ने झुग्गियों में रहने वाले लोगों को स्वयं झुग्गी हटाने की चेतावनी दी थी। परन्तु इसके बाद भी लोग हटने को तैयार नहीं थे। फिर भी प्रशासन द्वारा डीएनडी व नर्सरी पुश्ते के पास से झुग्गियां हटाई गई। क्योंकि इन्हीं मार्गों से सम्मेलन के दौरान विदेशी मेहमानों का आवागमन हुआ था। प्रशासन द्वारा प्रगति मैदान व इसके आस पास में बसीं झुग्गियों को भी ख़ाली कराया गया था। झुग्गियों में रहने वाले लोगों ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था लेकिन अदालत ने बस्तियों को अवैध क़रार दे दिया। इसके बाद प्रशासन ने इन्हें 31 मई तक घर ख़ाली करने का आदेश दिया था। परिणाम स्वरूप शिखर सम्मेलन से पहले कई परिवार बेघर हो गए। सैकड़ों झुग्गियों को जहाँ ग़रीबों की चीख़पुकार के बीच बुलडोज़र से ध्वस्त कर दिया गया वहीँ कई इलाक़ों में जहां घनी आबादी या पक्के निर्माण के चलते झुग्गियां गिराना संभव नहीं था ऐसे कई इलाक़ों को पर्दे लगाकर ढक दिया गया और उन पर्दों पर त्र20 के बैनर्स या प्रधानमंत्री मोदी के चित्र लगा दिए गये। इसके साथ ही चार हज़ार से ज़्यादा भिखारियों को रोहणी व द्वारका के आश्रय गृहों में भी भेजा गया।

मेहमानों को चमक दमक दिखाने के लिये ग़रीबों व झुग्गीवासियों पर गाज गिरना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले दिल्ली में हुये कॉमन वेल्थ खेलों के दौरान भी सरकार ने अपने बदनुमा दाग़ छुपाने के लिये आधी दिल्ली को बड़े बड़े बोर्ड्स से ढक दिया था। याद कीजिये जब 24 फ़रवरी 2020 को तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने गुजरात में अहमदाबाद का दौरा किया था और प्रधानमंत्री ने उनके साथ रोड शो किया था उस समय भी सड़कों के किनारे रहने वाले झुग्गी वासियों को छुपाने के लिये मार्ग में कई जगह पक्की दीवारें खड़ी कर दी गयी थीं। यहाँ यह बताना भी ज़रूरी है कि यह वही ग़रीब वर्ग है जिसे प्रधानमंत्री जी मुफ़्त राशन देकर उनसे वोट हासिल करने की उम्मीद करते हैं और गर्व से बताते हैं कि उनकी सरकार द्वारा 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन दिया जा रहा है ? इतना ही नहीं बल्कि झुग्गी से नफ़रत को लेकर इसी सम्बन्ध में एक विरोधाभास भी नज़र आया। जिस समय राजघाट पर महात्मा गाँधी की समाधि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अतिथि विदेशी मेहमानों का स्वागत कर रहे थे उस समय स्वागत स्थल की पृष्ठभूमि में झोपड़ी नुमा साबरमती आश्रम का विशाल बैनर लगा हुआ था।

वैसे भी विश्व के शीर्ष नेता जिस गांधी को नमन करने राजघाट पहुंचे थे वह ग़रीबों व दलितों का मसीहा गांधी था। वह भारतीय ग़रीब जनमानस की आर्थिक स्थिति से प्रभावित होकर अपने वैभवशाली वस्त्र वस्त्र त्यागने तथा एक धोती में अपना जीवन गुज़ारने वाला गांधी था। मेहमानों के स्वागत में अपने घर को चमकाना निश्चित रूप से ज़रूरी है परन्तु ग़रीबों की चीख़ पुकार,औरतों बच्चों बुज़ुर्गों के आंसू और बुलडोज़र की गड़गड़ाहट की शर्त पर इसे कोई भी मानवतावादी अच्छा नहीं कह सकता। 80 करोड़ लोगों द्वारा मुफ़्त भोजन हासिल करने वाले और सरकार बनाने में अहम किरदार अदा करने वाले इन्हीं ग़रीब झुग्गीवासियों के प्रति अभद्र व सौतेला व्यवहार करना तो यही बताता है कि गाँधी और गाँधी के दलितों को तो बस वोट बैंक के रूप में ही इस्तेमाल किया जाता है जबकि सरकार की चिंता पूंजीपतियों के कल्याण की अधिक होती है। वर्ना ग़रीबों को उजाड़ने व उन्हें पर्दों के पीछे छुपाने के क्या मायने हैं ? मिर्ज़ा ग़ालिब ने यूँही नहीं कहा था कि -बे-ख़ुदी बे-सबब नहीं ग़ालिब। कुछ तो है जिस की पर्दा-दारी है।।

वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए मीडिया की अनूठी पहल

डॉ श्रीगोपाल नारसन

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान माउंट आबू के शांतिवन परिसर में आयोजित हुए पांच दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन में विद्वान पत्रकारों ने चिंतन-मंथन कर निष्कर्ष निकाला कि वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए मीडिया को सशक्त बनना होगा। समापन पर शांति पत्रकारिता को बढ़ावा देने का एजेंडा पेश किया गया। अध्यात्म के बिना शांति संभव नहीं है। इसके लिए जरूरी है कि पत्रकारों के जीवन में अध्यात्म का समावेश हो। शांति पर बात करने के लिए पहले खुद के जीवन में शांति, प्रेम, सौहार्द्र होना जरूरी है। वैश्विक सद्भाव के लिए शांति पत्रकारिता विषय पर दो सत्रों में सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें भारत सहित नेपाल से 1500 पत्रकारों ने भाग लिया।समापन सत्र में अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने कहा कि अब समय आ गया है कि हमें समस्या पर चर्चा करने की जगह समाधान का हिस्सा बनना होगा। इसके लिए हमें अपने जीवन में सबसे पहले समाधान और शक्ति के संकल्पों को लाना होगा। सारे विश्व की नजर भारत पर है। क्योंकि भारत के पास ही दुनिया की समस्याओं को हर करने की शक्ति और ताकत है। मीडिया को ऐसे सकारात्मक कदम उठाने होंगे, राह दिखाना होगी कि समाज को नई प्रेरणा, नई राह मिले। समाज में जैसे-जैसे टीवी, सीरियल, फिल्म आदि का विस्तार होता गया वैसे-वैसे बदलाव आते गए। जो हम सुनते, देखते और पढ़ते हैं उससे मन का स्वास्थ्य बनता है। जो बार-बार संकल्प कर लिया वह हमारी सोच बन जाती है। सोच से संस्कार और संस्कार, कर्म में बदल जाते हैं। यही कर्म हमारा भाग्य बनाते हैं। मीडिया के भाई-बहन जब अपनी सोच को बदल देंगे तो वह जो लिखेंगे, समाचार पेश करेंगे तो समाज में श्रेष्ठ कंटेंट ही जाएगा। घर में जो धन आए वह दुआओं वाला हो। दूसरों को सुकून और शक्ति के संकल्पों को देने वाला ही धन लाएं। शिवानी दीदी ने कहा कि कार्य के दौरान बीच-बीच में हर घंटे एक मिनट रुककर अपनेआप को याद दिलाएं कि मैं एक शक्तिशाली आत्मा हूं। जब यह संकल्प बार-बार दिन में दोहराएंगे तो वह हमारा संस्कार बन जाएगा। संकल्प से सिद्धी होती है। जब संकल्प को बार-बार दोहराएंगे तो सिद्ध होना ही है। यदि हम बार-बार डिप्रेस के संकल्प को दोहराएंगे तो वह भी हमारा संस्कार बन जाता है। मीडिया में जब बार-बार हम जो न्यूज़ या समाचार देखते हैं तो वह हमारे संकल्पों में आता है और संस्कार बनने लगता है। टेक्नोलॉजी के इस दौर में सबसे बड़ा संग का रंग है- फोन में कुछ न कुछ देखना और सुनना। अब हमारे जीवन में सबसे ज्यादा फोन का रंग लगने लगा है।उन्होंने राजयोग ध्यान में शांति की गहन अनुभूति कराते हुए कहा कि रोज सुबह उठते ही कुछ समय ध्यान करें और संकल्प करें कि मैं एक चमकता हुआ सितारा हूं। मैं शांत हूं, स्थिर हूं। मैं शक्तिशाली आत्मा हूं। मैं परमात्मा का फरिश्ता हूं। सृष्टि के इस परिवर्तन के कार्य में मैं आत्मा अपने संस्कार परिवर्तन से सतयुगी सृष्टि का आह्वान करती हूं। मैं सतयुगी आत्मा, शक्तिशाली आत्मा हूं।

अंडमान एंड निकोबार दीप से आए सांसद कुलदीप राय शर्मा ने कहा कि मीडिया सबसे बड़ी ताकत है। प्राकृतिक आपदा में मीडिया महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। इसलिए मीडिया की बड़ी जिम्मेदारी है। ब्रह्माकुमारीज़ में दिए जा रहे ज्ञान और शिक्षा को मीडियाकर्मी अपने जीवन में अपनाएंगे तो निश्चित रूप से उनके अपने जीवन और पत्रकारिता में बदलाव आएगा। छत्तीसगढ़ रायपुर से आए कुशाभाऊ ठाकरे जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. मानसिंह परमार ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ समाज में आध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से मानवीय मूल्यों को बढ़ा रहा है। यहां हमें इंटरा पर्सनल कम्युनिकेशन सिखाया जाता है, जहां हम खुद को परमात्मा से जोड़ते हैं। मिशन पत्रकारिता को जोड़कर हम भविष्य की पत्रकारिता में कार्य करेंगे तो हम कुछ अच्छा कर पाएंगे। एक समय था जब दूरदर्शन पर रामायण सीरियल आता था तो देश में कर्फ्यू सा लग जाता था। मतलब लोग सकारात्मक और अच्छा कंटेंट पसंद करते हैं। आज भी यदि हम अच्छा कंटेंट देंगे तो देखने वाले लोग हैं।ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने कहा कि हम अपने मूल्य और संस्कारों को भूल गए हैं। इससे हमारी सोच और कर्मों में गिरावट आ गई है। अब परमात्मा आकर हमें राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं। वह स्वर्णिम दुनिया में जाने की राह बता रहे हैं।मुंबई से आए सीनियर मैनेजमेंट कंसल्टेंट ओमवीर सिंह सैनी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान और अध्यात्म को जीवन में अपनाने से पत्रकारों की खुद की स्थिति के साथ पत्रकारिता की दिशा बदल सकती है।इंदौर से आए रेडियो सरगम के निदेशक वरिष्ठ पत्रकार आशीष गुप्ता ने कहा कि आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अध्यात्म की जरूरत है। हम विज्ञान में कितने भी आगे बढ़ जाएं लेकिन अध्यात्म के बिना सब अधूरा है।इस राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन में देशभर से 1500 से अधिक पत्रकार जिनमें प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया, वेब, रेडियो से जुड़े विभिन्न समाचार पत्रों, टीवी चैनल के संपादक, ब्यूरो चीफ, संवाददाता और रिपोर्टर शामिल रहे । वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए सशक्त मीडिया विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में सुबह- शाम दो सत्रों में वक्तागण विचार मंथन-चिंतन करेंगे। लखनऊ से आए ऑल इंडिया स्माल न्यूजपेपर एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस त्रिपाठी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में राजयोग मेडिटेशन सीखकर मेरे जीवन में अद्भुत बदलाव आए। ध्यान के कारण आज 87 वर्ष की उम्र में भी खुद को फिट महसूस करता हूं। मेडिटेशन से मन में सदा सुख-शांति और आनंद रहता है। मन प्रसन्न रहता है। राजयोग सीखने के बाद व्यक्ति का जीवन बदल जाता है। यहां से जिसने भी राजयोग ध्यान सीखा है उसका जीवन बदल जाता है। योग सीखने और शांति के लिए लोग विदेशों से भारत आते हैं। मैं पिछले 40 साल से पत्रकारों की समस्याओं के लिए काम करता आ रहा हूं। इसके लिए दिल्ली में कई बार धरना-आंदोलन भी किया। आज पत्रकारों में एकता की जरूरत है।ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी ने कहा कि आप अपनी कलम की शक्ति को समाज के कल्याण और उत्थान में लगाएं। आपकी लेखनी से लोगों में आशा की किरण जागे। उन्हें प्रेरणा मिले। यहां से सभी संकल्प लेकर जाएं कि समाज के उत्थान के लिए अपनी लेखनी की शक्ति का उपयोग करेंगे।मुंबई सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके नलिनी दीदी ने कहा कि मीडिया में बहुत ताकत होती है। आप जो चाहें वह कर सकते हैं। परमात्मा की यही शिक्षा है कि राजयोग ध्यान को जीवन में अपनाएंगे तो सुख-शांति और आनंद आ जाएगा। मीडिया विंग के उपाध्यक्ष बीके आत्म प्रकाश भाई ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि देशभर से आए सभी पत्रकार भाई-बहनों को तहेदिल से स्वागत है। यहां चार दिन तक यहां के आध्यात्मिक माहौल का पूरा लाभ लें। राजयोग मेडिटेशन को सीखकर अपने जीवन को आनंदमय बनाएं।

मीडिया विंग के राष्ट्रीय समन्वयक बीके सुशांत ने मीडिया विंग का परिचय देते हुए सेवाओं के बारे में बताया। राष्ट्रीय समन्वयक बीके निकुंज ने सम्मेलन का उद्देश्य बताते हुए कहा कि आज समाज के अन्य वर्गों की तरह मीडिया कर्मियों के लिए भी जीवन में ध्यान, अध्यात्म को शामिल करने की आवश्यकता है। सम्मेलन में चार दिन तक विद्वान पत्रकार, संपादक चिंतन-मंथन करेंगे, इससे समाज को नई दिशा मिलेगी।राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन में दूसरे दिन वैश्विक सद्भाव के लिए शांति पत्रकारिता विषय पर दो सत्रों में चिंतन-मंथन किया गया। वहीं सुबह के सत्र में पत्रकार ध्यान, साधना में रमते नजर आए। अहमदाबाद से आए टाइम्स ऑफ इंडिया के संपादक तुषार प्रभु ने माना कि शांति पत्रकारिता हमारे लिए एक नया कॉन्सेप्ट है। मैं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का ऋणी हूं कि यहां के ज्ञान और राजयोग मेडिटेशन से मुझमें बहुत सकारात्मक बदलाव आया है। इसका परिणाम है कि पिछले एक साल में मैंने एक बार ही गुस्सा किया है। राजयोग हमारी सोच को बदल देता है। सबसे पहले हमें अपने मन को शांति का केंद्र बनाना होगा। आज मैं एक पत्रकार के तौर पर बहुत खुश हूं। जब हम खुद प्रसन्न होंगे, खुश होंगे तभी पीस जर्नलिज्म के बारे में सोच सकते हैं।

उदयपुर से आए मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के जर्नलिज्म डिपार्टमेंट के एचओडी प्रो. कुंजन आचार्य ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का बहुत-बहुत साधुवाद जो शांति पत्रकारिता की बात कर रहा है। शांति का समाधान कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं, हमें इस पर काम करना होगा। हमने दुनिया में युद्ध की पत्रकारिता की बात सुनी है लेकिन कभी शांति पत्रकारिता की बात नहीं सुनी है। पहले कहा जाता था कि तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब पैसा है तो अखबार निकालो, चैनल चलाओ। दुनिया में जो युद्ध चल रहे हैं क्या किसी अखबार या चैनल ने यह प्रयास किया कि शांति कैसे स्थापित की जाए। शांति न केवल समाज में बल्कि मन में जरूरी है।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षक राजयोगी बीके सूर्य भाई ने कहा कि सभी पत्रकार भाई-बहनों से आह्वान है कि आप सभी चिंतन करें कि समाज में न्यूज देने के साथ-साथ समस्याओं का समाधान भी पेश करें। समाज में शांति कैसे आएगी, इस पर स्टोरी करें। ऐसी स्टोरी करें कि लोगों के जीवन में आशा आ जाए, नई ऊर्जा आ जाए, जीवन में शांति और खुशी आ जाए। आप सभी अपनी कलम की ताकत से समाज को नई जागृति दे सकते हैं। समाज को जागृत कर सकते हैं। अंतर्मन की शक्ति का सफलता में कैसे उपयोग करें इस का मैंने हजारों लोगों पर प्रयोग किया है। लोगों का जीवन बदल गया है। जो डिप्रेशन में थे आज खुश हैं। हम सभी के मन में एक क्रिएटिव एनर्जी है। मनुष्य की जो क्षमताएं हैं उन्हें जगाना होगा, तभी समाज में शांति आएगी। पत्रकार समाज के निर्माता हैं। भागलपुर से आई इग्नू की रीजनल डायरेक्टर प्रो. डॉ. सराह नसरीन ने कहा कि आज शांति पत्रकारिता समाज की जरूरत है। हमें चिंतन करने की जरूरत है कि हम विकास की दौड़ में विनाश की ओर तो नहीं बढ़ रहे हैं। पत्रकारों को समस्या के साथ समस्याएं के समाधान का पेश करने की जरूरत है। तभी समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा। नई दिल्ली से आई मोटिवेशनल स्पीकर ललिता सहरावत ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आज पूरी मानवता को मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। ओम शांति यह दो शब्द ब्रह्मांड की सारी समस्याओं को अपने अंदर समेटे हुए है। पत्रकारिता में शांति, संयम अनिवार्य है। मीडियाकर्मियों की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि अपने समाज और देश को आगे लेकर जाएं। ब्रह्माकुमारीज अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई ने कहा कि इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थापना स्वयं परमपिता शिव परमात्मा ने की है। परमात्मा ने प्रजापिता ब्रह्मा के मुख से जो ज्ञान दिया और जिन्होंने इस ज्ञान को अपने जीवन में धारण किया वह ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारियां कहलाए। ज्ञानामृत पत्रिका की संपादक बीके उर्मिला बहन ने कहा कि जब तक मन में शांति के विचार उत्पन्न नहीं होंगे तब तक समाज में शांति नहीं आ सकती है। एक पत्रकार का मन एक उर्वरा भूमि की तरह होता है। पत्रकार मन उच्च विचारों को उत्पन्न करता है, उन्हें प्रेषित करता है और समाज में उन्हें देता है तो समाज को दिशा मिलती है। आप जिस भी समाचार पत्र से जुड़े हों उसमें कुछ न कुछ विचार, आलेख, लेख शांति के विचारों से संबंधित जरूर शामिल करें। शांति का स्त्रोत और मूल है आध्यात्मिक। शांति आत्मा का मूलधर्म और गुण है। परमात्मा शांति के सागर हैं। संचालन चंडीगढ़ जोन की जोनल को-ऑर्डिनेटर बीके पूनम बहन ने किया।इस अवसर पर ओड़िशा बुद्ध से आए ऑल इंडिया रेडियो के पूर्व एडवाइजर प्रो. चितरंजन मिश्रा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के इस ज्ञान और चिंतन को हम सभी को समझकर समाज को बताना होगा।नेपाल सप्तारी से आए फेडरेशन ऑफ नेपाल जर्नलिस्ट के अध्यक्ष श्रवण कुमार राव ने कहा कि शांति पत्रकारिता को भारत और नेपाल दोनों राष्ट्रों में पत्रकारों को शुरू करने की जरूरत है। शांति पत्रकारिता समय की जरूरत है।उड़ीसा से आई एससी-एसटी बोर्ड और स्टेट एडवाइजरी बोर्ड की सदस्य डॉ. मेनांती बिहेंद्रा ने कहा कि आज मीडिया सबसे पावरफुल टूल के रूप में समाज के सामने है। समय की मांग है कि पत्रकार संकल्प लें कि हम समाज में शांति लाने के लिए प्रयास करेंगे।इस राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन में भारत के विभिन्न प्रदेशों व नेपाल से आये सैंकडों मीडियाकर्मियों द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर माना गया कि मीडिया का कर्तव्य केवल सूचना-समाचार प्रेषित करना ही नहीं है, बल्कि स्वयं को समझने-समझाने और दुनिया में शांति स्थापित करने के लिए नैतिक मूल्यों का संतुलन स्थापित करने की दिशा में काम करने का दायित्व लेने की जिम्मेदारी भी मीडिया की बनती है। मीडिया का उद्देश्य राष्ट्र-समाज की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ देश, समाज और समुदाय में सौहार्द एवं सदभाव लाने में एक प्रखर प्रहरी की भूमिका निभाना है।ब्रह्माकुमारीज का मीडिया प्रभाग वैश्विक सदभाव के लिए प्रेम, शांति आधारित पत्रकारिता के उद्देश्य को पूरा करने में मीडियाकर्मियों को सार्थक समर्थन और सशक्त बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रहा है,जिसे निरंतर जारी रखने की आवश्यकता है।

विश्व की सार्वभौमिक राय को भारत के रास्ते शांति की दिशा में अग्रसर होकर मीडिया कर्मियों ने भी सार्थक भूमिका निभाने में रुचि दिखाई।इस दिशा में ब्रह्माकुमारीज का उद्देश्य भी मीडिया कर्मियों को आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने में सहयोग करते हुए राजयोग आधारित शिक्षा एवं आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाना है। इस प्रयास में पत्रकारों ने सहयोग करने का भरोसा दिया ताकि मीडिया समाज के कल्याण, सुख-समृद्धि और खुशी में भागीदार बन सकें। इस अवसर पर विविधताओं का शहर रुड़की पुस्तक का विमोचन भी किया गया।साथ ही विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ की ओर से प्रेरक वक्ता राजयोगी बीके सूर्य व ब्रह्माकुमारीज मिडियाविंग के राष्ट्रीय समन्वयक बीके शांतनु को विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि प्रदान की गई।

भारतीय संस्कृति वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र बिंदु बनने की ओर अग्रसर

प्रहलाद सबनानी

भारत आदि काल से ही एक जीता जागता राष्ट्र पुरुष है, यह मात्र एक जमीन का टुकड़ा नहीं है। भारत के कंकड़ कंकड़ में शंकर का वास बताया जाता है। हाल ही के कुछ वर्षों में भारत के आर्थिक विकास में विरासत पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है और भारत में आर्थिक विकास के साथ ही सांस्कृतिक विकास पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है। जिसके चलते अन्य देशों की तुलना में भारत की आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। बल्कि अब तो अन्य कई देश, विकसित देशों सहित, भी अपने आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं के हल हेतु एवं अपने आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से भारतीय सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

भारत ने राजनैतिक स्वतंत्रता 75 वर्ष पूर्व ही प्राप्त कर ली थी, परंतु भारत की सनातन संस्कृति आदि काल से चली आ रही है एवं लाखों वर्ष पुरानी है। भारत को 'सोने की चिड़िया' के रूप में जाना जाता रहा है और भारतीय सनातन संस्कृति का लोहा पूरे विश्व ने माना है। धर्म, दर्शन, विरासत, तीज, त्यौहार, जायका और अनेकता में एकता के दर्शन करने को पूरी दुनिया भारत की ओर आकर्षित होती रही है। भारत को देव भूमि भी कहा गया है, यह अर्पण की भूमि है, यह तर्पण की भूमि है और यह समर्पण की भूमि है।

हाल ही के समय में भारत की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने, संवारने और उसकी संवृद्धि के लिए विशेष रूप से पिछले दशक के दौरान अथक प्रयास किए गए हैं। हजारों वर्षों की भारतीय सभ्यता और संस्कृति का आकर्षण ही कुछ ऐसा है कि कितने ही झंझावात क्यों न आए परंतु भारतीय सनातन संस्कृति अटूट रही। हालांकि कुछ देशों, जैसे ग्रीक, यूनान, ईरान आदि, की तो सभ्यताएं ही समूल नष्ट हो गईं। भारतीय सनातन संस्कृति ने न केवल भारत को एकता के सूत्र में पिरोया है बल्कि पूरे विश्व को ही भारत के साथ जोड़ा है। अब तो भारत में 'एक भारत - श्रेष्ठ भारत' के रूप में एक महत्वपूर्ण अध्याय लिखा जा रहा है।

भारत ने जी-20 समूह के देशों की अपनी अध्यक्षता के दौरान कई अतुलनीय कार्य किए है। पिछले लगभग एक वर्ष के अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सदस्य देशों की 200 से अधिक बैठकों का भारत के विभिन्न शहरों में आयोजन कर भारत ने पूरी दुनिया के समस्त देशों को चौंका दिया है। इस दौरान, भारत ने पूरी दुनिया को ही अपनी महान गौरवशाली सनातन संस्कृति, वैभवशाली विरासत, आध्यात्मिक क्षेत्र, आर्थिक विकास, आदि का परिचय देने में सफलता हासिल की है। भारत ने हाल ही के वर्षों में अपनी आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं को हल करने एवं अपनी आर्थिक विकास दर को तेज करने में जो सफलता पाई है वह मुख्य रूप से भारत की सनातन संस्कृति एवं परम्पराओं का पालन करते हुए ही प्राप्त की जा सकी है। इसके ठीक विपरीत विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद से विश्व के कई विकसित देश अभी तक कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। पूंजीवाद पर आधारित आर्थिक नीतियों के पालन से पश्चिमी देशों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रही है। विकसित देशों में आज परिवार की प्रधानता एक तरह से समाप्त हो चुकी है। इस संदर्भ में यहां विशेष रूप से अमेरिका की स्थिति का उदाहरण दिया जा सकता है। अमेरिका में आज सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो चुका है। दंपतियों में तलाक की दर बहुत अधिक हो गई है जिसके चलते बच्चे केवल अपनी मां के पास रह जाते हैं एवं बड़ी संख्या में बच्चों को अपने पिता के बारे में जानकारी ही नहीं है। अमेरिका में प्रत्येक 100 नागरिकों पर बंदूकों के 120 लायसेंस जारी किए गए हैं, अर्थात कुछ नागरिकों के पास एक से अधिक बंदूक उपलब्ध है। बंदूक की सहज उपलब्धता के कारण आज अमेरिका में हिंसा की दर बहुत अधिक हो गई है। अमेरिका में प्रति एक लाख की जनसंख्या पर पुलिस के 978 कर्मचारी तैनात है। इसके बावजूद, वर्ष 2020 में अमेरिका में मास शूटिंग (जिसमें 4 अथवा इससे अधिक नागरिकों की मृत्यु हो गई थी) की 610 घटनाएं हुईं। वर्ष 2021 में 690, वर्ष 2022 में 647 एवं इस वर्ष 9 मई 2023 तक 203 मास शूटिंग की घटनाएं हो चुकी हैं। वर्ष 2017 में जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में प्रति एक लाख की जनसंख्या पर 17.2 हत्या की घटनाएं हुईं थी, जबकि अफ्रीका में 13, एशिया में 2.6 एवं पूरे विश्व में औसत 6 हत्या की घटनाएं हुईं थी।

विकसित देशों में पारिवारिक व्यवस्था के छिन्न भिन्न होने के कारण बुजुर्गों को सरकार की मदद पर निर्भर रहना होता है। अतः इन देशों की सरकारों को सामाजिक सुविधाओं पर भारी भरकम राशि खर्च करनी होती है। कई विकसित देशों में तो बुजुर्गों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है जिसके चलते इन देशों को अपने बजट का बहुत बड़ा भाग सामाजिक सुविधाओं पर खर्च करना पड़ रहा है। फ्रान्स अपने कुल बजट का 31 प्रतिशत हिस्सा सामाजिक सुविधाओं पर खर्च कर रहा है, इसी प्रकार इटली 28 प्रतिशत, जर्मनी 26 प्रतिशत एवं अमेरिका 19 प्रतिशत हिस्सा सामाजिक सुविधाओं पर खर्च कर रहा है। सामाजिक सुविधाओं पर भारी भरकम खर्च के कारण इन देशों की आर्थिक स्थिति चरमरा गई है एवं इन देशों में प्रति व्यक्ति औसत ऋण बहुत अधिक हो गए हैं। अमेरिका में तो कुल सकल घरेलू उत्पाद का 136 प्रतिशत कर्ज लिया जा चुका है। आज ऋण पर ब्याज के भुगतान हेतु भी कुछ देशों को कर्ज लेना पड़ता है।

अमेरिका में विश्व की लगभग 4 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती हैं परंतु पूरे विश्व में उत्पादित की जा रही बिजली के लगभग 30 प्रतिशत भाग का उपयोग अमेरिकी नागरिकों द्वारा किया जा रहा है। इसी प्रकार पूरे विश्व के पेट्रोल एवं डीजल के 36 प्रतिशत भाग का उपयोग अमेरिका में होता है। इस प्रकार पूरे विश्व के पर्यावरण को विकसित देश विपरीत रूप से प्रभावित कर रहे हैं। उक्त वर्णित कारणों से अमेरिका का बजटीय घाटा भी बहुत दयनीय स्थिति में पहुंच गया है। साथ ही निर्यात की तुलना में आयात बहुत अधिक हो गया है, इससे कुल विदेशी व्यापार भी ऋणात्मणक हो गया है। अतः कुल मिलाकर पूंजीवाद पर आधारित पश्चिमी आर्थिक दर्शन पूर्णतया असफल हो चुका है। पश्चिमी दर्शन की विचारधारा के ठीक विपरीत, भारतीय संस्कृति के अनुसार, व्यक्तिवाद के ऊपर परिवार, समाज, राष्ट्र, सृष्टि एवं परमेशटी को क्रमशः माना गया है। संयुक्त परिवार के प्रचलन के कारण बुजुर्गों की देखभाल परिवार में ही होती है एवं सरकार के बजट पर इस संदर्भ में बहुत अधिक बोझ नहीं आता है। भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए भारत के आर्थिक विकास को देखकर अब विकसित देश भी भारतीय संस्कृति को श्रेष्ठ मानते हुए इसकी ओर आकर्षित हो रहे हैं ताकि वे अपनी आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं को हल कर सकें। कुल मिलाकर अब भारतीय आर्थिक दर्शन ही पूरे विश्व को बचा सकता है, क्योंकि वह कर्म आधारित है और एकात्म मानवता पर केंद्रित है।

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यत- जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता।

संक्षिप्त समाचार

विश्वविद्यालय के लिए जमीन का सर्वे शुरू

मिर्जापुर। मंडलायुक्त विंध्याचल डा. मुथुकुमार स्वामी बी. व जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश पर विंध्य विश्वविद्यालय के लिए रविवार को एसडीएम तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व, वन व पाषाण विभाग की टीम द्वारा देवरी कला गांव में जमीन का सर्वे किया गया। इन दोनों अधिकारियों ने शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस के बाद जमीन के बारे में जानकारी ली थी। मंडल में सोनभद्र व भदोही जनपद को ध्यान में रखते हुए मड़िहान तहसील क्षेत्र में विश्वविद्यालय के लिए करीब 30हेक्टेयर जमीन की तलाश की जा रही है। जबकि देवरी कला गांव में 68 हेक्टेयर ग्राम सभा की जमीन है। जंगल में जरीब से सीमांकन नहीं किया जा सकता। इसलिए वन विभाग की सुरक्षित जमीन को देखते हुए जीपीएस से नापी की जा रही है। उपजिलाधिकारी युगांतर त्रिपाठी ने कहा कि जंगल होने के कारण नापी में समस्या हो रही है। शीघ्र ही काम पूरा किया जाएगा। मौके पर उपजिलाधिकारी युगान्तर त्रिपाठी, तहसीलदार संजीव कुमार यादव, नायब तहसीलदार विंदुनंदन सिंह, दो राजस्व निरीक्षक व लेखपाल उपस्थित रहे।

विंध्य विश्वविद्यालय के लिए खंगाले जा रहे अभिलेख

मिर्जापुर। तहसील क्षेत्र के देवरी कला गांव में विन्ध्य विश्वविद्यालय का निर्माण लगभग तय माना जा रहा है। गांव सभा की जमीन के अभिलेखों की जांच के लिए राजस्व टीम ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर पुराने रिकार्डो की जांच पड़ताल की। माना जा रहा है कि अनाधिकार कब्जा की संभावना को देखते हुए काबिज संस्था के लिए क्रय की गई जमीन के विक्रेताओं के रिकार्ड देखे जा रहे हैं। जांच का बिंदु यह है कि विक्रेताओं के पास इतनी जमीन कहां से आई जो उन्होंने संस्था को बेची। यह भी जांचा जा रहा है कि ग्राम सभा की जमीन पर फर्जी इंद्राज कराकर तो जमीन नहीं बेच दी गई। इस संबंध में तहसीलदार संजीव कुमार यादव ने बताया कि रिकार्ड रूम में अभिलेखों की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद गड़बड़ी मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नव निर्मित विद्यालय भवन की गिरी दिवार

मिर्जापुर। पहाड़ी विकास खंड के अकसौली में नव निर्मित पूर्व माध्यमिक विद्यालय की दीवाल गिर गई। छत ढलने से पहले भरभराकर दिवाल गिरने से भवन की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा करते हुए ग्रामीणों ने रोष व्यक्त किया। ज्ञात हो कि गांव के बीच स्थित काफी पहले से बना पूर्व माध्यमिक विद्यालय अकसौली का भवन जर्जर हो गया था। बच्चे स्कूल के बाहर मंदिर के चबूतरे अथवा पेड़ की छाया में पढ़ रहे थे। खबर को प्रमुखता से लेते हुए अमर उजाला में इस खबर को प्रकाशित किया गया था। उस दौरान अधिकारियों ने खबर को संज्ञान में लेते हुए बच्चों को गांव से सटे प्राथमिक विद्यालय अकसौली के लिए स्थानांतरित कर दिया गया। वहां के एक अतिरिक्त कक्ष में पूर्व माध्यमिक विद्यालय के कक्षा एक से आठ तक के 125 बच्चों की पढ़ाई शुरू करा दी गई। उधर जर्जर विद्यालय के स्थान पर चार कमरे, एक बरामदा, एक प्रध्यानाध्यापक कक्ष का निर्माण शुरू करा दिया गया। भवन की दिवार छत स्तर पर लगभग तैयार हो गई थी कि सोमवार की सुबह भवन का दक्षिणी हिस्सा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। जिसे देखते काफी संख्या में ग्रामीण भवन के पास पहुंच कर न सिर्फ रोष जताया बल्कि भवन के गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा किया। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय भवन के निर्माण में घटिया सीमेंट, बालू आदि का प्रयोग किया गया है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जोगेश तिवारी का कहना है कि भवन गिरने की सूचना सोमवार को सुबह नौ बजे बेसिक शिक्षाधिकारी को दे दी गई। लेकिन खबर के अंत तक न तो कोई अधीनस्थ ही मौके पर पहुंचा और न ही कोई जिम्मेदार व्यक्ति ही मौके पर नजर आया। जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

सेवटी नदी के रेलिंग विहीन पुल से नीचे गिरी महिला, डूबने से मौत

मिर्जापुर। थाना क्षेत्र के खुटहा गांव के पास शनिवार की रात को सेवटी नदी के रेलिंग विहिन पुल से नीचे गिरकर एक महिला नदी में डूब गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने नदी से शव को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ है। थाना क्षेत्र के चंद्रगढ़ गांव निवासी 50 वर्षीय सावित्री देवी पत्नी राजेंद्र शनिवार की रात का खुटहां गांव के पास सेवटी नदी के रेलिंग विहिन पुल से जा रही थी। इस दौरान वह पुलिया से नीचे नदी में गिर गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से नदी के पानी में खोजबीन की तो करीब साढ़े नौ बजे रात पुल से थोड़ी दूर आगे नदी में महिला का शव उतराया हुआ मिला। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे महिला के परिजनों ने पुलिस को बताया कि महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ थी। जिससे वह अक्सर इधर उधर घूमती रहती थी। थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार सरोज ने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से महिला के शव को सेवटी नदी से बरामद कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

पालिका का सफाई का दावा हवा- हवाई

मिर्जापुर। नगर में सफाई का पालिका का दावा हवा- हवाई साबित हो रहा है। मुख्य मार्ग पर ही नाली का पानी फैलने और कई दिनों बाद भी सफाई न होने से स्थिति नारकीय बनी हुई है। नागरिकों में इस बात को लेकर रोष है। नगर पालिका की ओर से सभी नालियों की सफाई बरसात के पहले और बीच में भी कराई जाती है ताकि बरसाती पानी रूकने न पाए और जलजमाव न होने पाए। लेकिन नगर के मुख्य मार्ग स्वामी दयानंद मार्ग पर नाली के चोक होने से पूरे सड़क पर जलजमाव हो गया जो कि दो दिनों में काफी कम हो गया। यहां तक कि नगर पालिकाध्यक्ष ने भी इस पर नाराजगी जताते हुए सफाई का निर्देश दिया है। कमोबेश यही स्थिति स्टेशन रोड की भी हो है। आमतौर पर नगर की अधिकांश नालियां चोक हैं। संकटमोचन वार्ड के पंखे वाली गली की हालत भी कम बदतर नहीं है। नालियों में कूड़ा पसरा हुआ है। सफाईकर्मी भी कतिपय कारणों से पहचान कर सफाई करते हैं। सफाई न होने की वजह से अब कई लोग इस गली में आकर शौच भी करने लगे हैं। जबकि पूरा जिला पहले ही ओडीएफ घोषित हो चुका है। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता ने कहा कि सफाई करायी जाएगी।

कचहरी में वकील अब सुचारु रूप से करेंगे काम, मेरठ में 503 करोड़ से बनेगी नई टाउनशिप

मेरठ। मेरठ बार एसोसिएशन के महामंत्री विनोद कुमार चौधरी ने बताया कि आज से कचहरी में न्यायिक कार्य सुचारु रूप से चलेगा। वहीं गणेश चतुर्थी पर आज शहर में भव्य आयोजन होंगे। गजानन आज घर घर विराजेंगे। गणेश चतुर्थी पर आज शहर में भव्य आयोजन होंगे। 40 से अधिक स्थानों पर गणेश जी की मूर्ति स्थापित कर पूजा अर्चना की जाएगी। गणेश जी का जन्म भाद्रपद मास के शुक्लपक्ष की चतुर्थी को मध्याह्न में हुआ था। उस समय सोमवार का दिन, स्वाति नक्षत्र, सिंह लग्न और अभिजित मुहूर्त था। गणेशजी के जन्म के समय सभी शुभग्रह कुंडली में पंचग्रही योग बनाए हुए थे। इंडियन काउंसिल ऑफ एस्ट्रोलॉजिकल साइंस के सचिव आचार्य कौशल वत्स ने बताया कि इस वर्ष तो गणेश चतुर्थी कई मायनों में खास है। अकेले चतुर्थी ही शुभ नहीं है, बल्कि 19 सितंबर से 28 सितंबर के बीच 7 दिन अच्छे योग बन रहे हैं। ऋषि पंचमी, सूर्य षष्ठी, महालक्ष्मी व्रत, राधाष्टमी, चंद्र नवमी, पद्मा एकादशी, प्रदोष इन सात दिनों में आप सिर्फ गणपति की पूजा के अलावा कोई भी शुभ कार्य कर सकते हैं। वाहन और घर खरीदने के लिए भी यह समय शुभ है।

मुस्लिम युवक पर तानी पिस्टल!-'गैंगस्टर सुनील फौजी ने दी जान से मारने की धमकी, पीड़ित ने एसएसपी से लगाई गुहार

मेरठ। मुस्लिम युवक ने एसएसपी से कार्रवाई की गुहार लगाई है। पीड़ित युवक ने बताया कि गैंगस्टर सुनील फौजी ने बाजार में पिस्टल तानकर उसे जान से मारने की धमकी दी। मेरठ में रोहटा थाना क्षेत्र के बढ़ौदा गांव निवासी मुस्लिम परिवार के एक युवक ने गांव निवासी गैंगस्टर सुशील फौजी के चचेरे भाई पर बाजार में पिस्टल और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए एसएसपी से शिकायत की है। एसएसपी ने सीओ सरधना को जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, भड़ौदा गांव निवासी इरफान पुत्र सईद सोमवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कहा कि कुख्यात बदमाश सुशील फौजी ने बीते दिनों उनके घर में घुसकर जानलेवा हमला किया था। पीड़ित ने थाने में शिकायत की थी और पुलिस ने इस पर मुकदमा दर्ज कर लिया था। लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बदमाश पीड़ित परिवार पर पूर्व में दर्ज मुकदमे को वापस करने का दबाव बना रहा है।

उनका यह भी कहना है कि दो दिन पूर्व वह पास के गांव में बाजार से सामान खरीदने के लिए गया था। जहां सुशील फौजी के चचेरे भाई ने बाजार में उन पर पिस्टल तान दिया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित सोमवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचा। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण का कहना है कि सीओ सरधना को जांच कर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

सच में नोएडा जैसा बन जाएगा शहर, शासन से जारी हुए 503 करोड़, न्यू टाउनशिप के लिए लोकेशन तय

मेरठ। मेरठ के लिए बड़ी खुशखबरी है। इस नए प्रोजेक्ट के लिए शासन स्तर पर अपर मुख्य सचिव के समक्ष प्रजेंटेशन के बाद पहले चरण के लिए 503 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी गई। मेरठ में मेरठ विकास प्राधिकरण की न्यू मेरठ योजना के तहत नई टाउनशिप विकसित की योजना को पंख लगेंगे। सोमवार को योजना को लेकर शासन स्तर पर अपर मुख्य सचिव के समक्ष प्रजेंटेशन के बाद पहले चरण के लिए 503 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी गई। इसके तहत परतापुर-मोहिउद्दीनपुर के बीच 300 हेक्टेयर में दो फेज में न्यू टाउनशिप विकसित की जाएगी। प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी के बाद बजट जारी किया जाएगा। जिसके बाद इस पर काम शुरू होगा।

शहरीकरण के बीच आवास की समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने इंटीग्रेटेड टाउनशिप की योजना बनाई है। इसके लिए सरकार प्राधिकरणों को जमीन अधिग्रहण के लिए पचास फीसदी धनराशि देगी। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत मेडा की ओर से परतापुर मोहिउद्दीनपुर के बीच (भूड़बराल, परतापुर, छज्जुपुर-इकला) में न्यू टाउनशिप का प्रस्ताव तैयार किया गया था। मेडा की ओर से ट्रांजिट ओरिएंटेड डवलपमेंट (टीओडी) नीति के तहत रैपिड कॉरिडोर के चारों ओर विकास कार्य को जरूरी बताते हुए प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण पहले सचिव आवास रणवीर प्रसाद के समक्ष किया गया। इस पर टाउनशिप को दो फेज में बनाने के निर्देश दिए गए थे।

सोमवार को मेडा उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय, सचिव चंद्रपाल तिवारी और नगर नियोजक विजय कुमार सिंह ने अपर मुख्य सचिव नितिन रमेश गोकर्ण के समक्ष मजबूती से प्रजेंटेशन दिया। अपर मुख्य सचिव ने योजना की आवश्यकता, लोगों की जरूरत और निवेश को लेकर कई सवाल किए, जिसका विभिन्न पहलुओं के साथ टीम ने जवाब दिया।

मेडा उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने बताया कि जमीन अधिग्रहण पर करीब दो हजार करोड़ रुपये का खर्चा आएगा, ऐसे में एक हजार करोड़ की मांग की गई थी। उन्होंने बताया कि परतापुर मोहिउद्दीनपुर के बीच 300 हेक्टेयर में (भूड़बराल, परतापुर, छज्जुपुर-इकला) में दो फेज में न्यू टाउनशिप विकसित होगी, जो न्यू मेरठ होगा। इसके लिए अपर मुख्य सचिव की ओर से 503 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी गई है।

मेडा की 17 अगस्त को हुई बोर्ड बैठक में टीओडी नीति के तहत महायोजना-2031 को मंजूरी दी जा चुकी है। इसके तहत दो हजार करोड़ रुपये के निवेश की संभावना जताई गई है। मेडा उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने बताया कि टीओडी के तहत रैपिड के आसपास लोगों की आवाजाही, रिहाइश जरूरी है। वैल्यू कैप्चर कॉस्ट (वीसीसी) के लिए जरूरी है कि रैपिड के आसपास व्यवसायिक गतिविधियां हों। रिहाइश, व्यवसायिक गतिविधियां होने से ही रैपिड को यात्री मिलेंगे। न्यू टाउनशिप से शहर के विकास को पंख लगेंगे।

न्यू मेरठ की तर्ज पर बसेगी न्यू टाउनशिप मेडा के नगर नियोजक विजय कुमार ने बताया कि शहर में रैपिड रेल, मेट्रो, एक्सप्रेस-वे और हाइवे जुड़ रहे हैं। शहर के चारों ओर हाइवे का जाल बिछ रहा है। ऐसे में यह न्यू टाउनशिप शहर के विकास में मील का पत्थर होगी। दिल्ली, गुड़गांव आदि से भी लोग यहां बस सकेंगे। मेरठ के लोग जो दिल्ली, नोएडा काम के लिए जाते हैं, उनके लिए भी यह स्थान मुफीद साबित होगा।

बेकाबू बाइक ने महिला को मारी टक्कर, मौत

मऊ। स्थानीय थाना क्षेत्र के इटौरा बुजुर्ग गांव के पास शनिवार की देर शाम बेकाबू बाइक ने महिला को टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, परिजनों ने अस्पताल लाकर भर्ती कराया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मधुबन थाना क्षेत्र के इटौरा बुजुर्ग गांव निवासी रमावती देवी पत्नी दयाशंकर शनिवार की शाम करीब पांच बजे गांव की मुख्य सड़क से अपने घर को जा रहीं थीं। इस बीच बेकाबू बाइक ने पीछे से टक्कर मार दी। रमावती गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उन्हें लेकर फतेहपुर मंडाव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गए।

केंद्र बनाने से पहले चार सदस्यीय टीम करेगी जांच

मऊ। यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2024 के लिए बोर्ड ने आनलाइन प्रक्रिया से केंद्र निर्धारण की नीति तय कर दी है। माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर अपलोड माध्यमिक विद्यालयों के समस्त आंकड़ों को जिलाधिकारी की निगरानी में तहसीलवार चार सदस्यीय टीम भौतिक सत्यापन करेगी। भौतिक सत्यापन के बाद ही कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा। बोर्ड ने एक सप्ताह के अंदर सत्यापन रिपोर्ट मांगी है। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा फरवरी 2024 में प्रस्तावित है। लेकिन बोर्ड परीक्षा केंद्रों के निर्धारण की कवायद तेज हो गई है। आंकड़ों के अनुसार जिले में 16 राजकीय, 67 सहायता प्राप्त सहित 517 माध्यमिक विद्यालय हैं। यूपी बोर्ड हाईस्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा 2024 में हाईस्कूल में 43234, इंटरमीडिएट में 43234 सहित 81706 परीक्षार्थी शामिल होंगे। वर्ष 2024 की यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों के निर्धारण को लेकर अभी जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों की ओर से माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर भौतिक संसाधनों का विवरण अपलोड कराया गया है। इसी आंकड़ों का सत्यापन कराने के लिए जिलाधिकारी की निगरानी में तहसीलवार चार सदस्यीय टीम गठित की गई है। टीम में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, अवर अभियंता तथा एक राजकीय माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य शामिल होंगे।

राज्य कर विभाग ने पौने तीन करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी, 46 लाख किए जमा

मुरादाबाद। पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान के समधी एवं निर्यातक रिजवान की फैक्टरी में राज्य कर विभाग ने छापा मारा। जांच में कई प्रकार की गड़बड़ी मिली है। अधिकारियों के अनुसार इसकी जांच की जा रही है। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान के समधी की भैंसिया गांव स्थित फैक्टरी पर राज्य कर की टीमों ने सोमवार को छापा मारकर पौने तीन करोड़ की टैक्स चोरी पकड़ ली। राज्य कर का आरोप है कि फैक्टरी मालिक एवं एक्सपोर्टर रिजवान ने गलत ढंग से पौने तीन करोड़ रुपये सेंट्रल जीएसटी से रिफंड लिया था। पकड़े जाने के बाद एक्सपोर्टर ने 46 लाख 67 हजार रुपये जमा कर दिया है। रामपुर के रहने वाले पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान के समधी एवं मशहूर निर्यातक रिजवान की भैंसिया गांव में फैक्टरी है। सोमवार की दोपहर राज्य कर की टीम ने फैक्टरी में छापा मारा।

निरीक्षण के दौरान टीमों ने माल के लेनदेन का कागजात मांगा। जांच में इनवॉयस फर्जी पाई गई। निर्यातक ने रजिस्ट्रेशन सेंट्रल जीएसटी में कराया था। उसने फर्जी कागजात के सहारे सेंट्रल जीएसटी से दो करोड़ 75 लाख रुपये का रिफंड भी ले लिया था। ऐसे पकड़ा गया निर्यातक का फर्जीवाड़ा राज्य कर के उपायुक्त ग्रेड-1 कमलेश्वर प्रसाद वर्मा ने बताया कि उनकी एसआईबी टीम अप्रैल से लेकर जुलाई तक के फर्जीवाड़े की जांच कर रही थी। खंड एक में एक व्यवसायी के फर्जी इनवॉयस का मामला पकड़ा गया था। टीम ने जांच में पाया कि रिजवान की यूनिवर्सल फर्म ने उससे फर्जी आईएसटी जारी कराई है। इसके बाद टीम ने निर्यातक रिजवान की फर्म यूनिवर्सल का जांच करने का निर्णय लिया। इस मामले की जानकारी मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह को भी दी गई। पुलिस फोर्स के साथ एसआईबी की दो टीमों ने दोपहर में निर्यातक की फर्म में छापा मार दिया। इसके बाद पता चला कि फर्जी कागजातों के आधार पर निर्यातक ने सेंट्रल जीएसटी से दो करोड़ 75 लाख रिफंड लिया है। निर्यातक ने गड़बड़ी सामने आने पर 46 लाख 67 हजार रुपये जमा किया है।

आधे-अधूर कार्य देखकर सीडीओ ने जताई नाराजगी

मिर्जापुर। विकास खंड छानबे के ग्राम पंचायत कामापुर कला में रविवार की शाम मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी भारती के कार्यक्रम को देखते हुए निरीक्षण करने पहुंची। अधूरी नाली निर्माण को देख प्रधान प्रति निधि पर नाराजगी जताई रविवार को शाम सीडीओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने कामापुर कला गांव पहुंच कर अमृत सरोवर के पास मुख्य सड़क पर अधूरी नाली पर स्थानीय लोगो द्वारा पाट लेने पर रोजगार सेवक उमेश विश्वकर्मा और छोटे भाई प्रधान प्रतिनिधि दिनेश विश्वकर्मा को फटकार लगाई। उन्होंने एक सप्ताह के अंदर नाली पर से अतिक्रमण हटाने और कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

कैसे हो विकास- 20 साल की गारंटी वाली सड़कों का सपना टूटा, नहीं मिले ठेकेदार

मेरठ। मेरठ में 20 साल तक चलने की गारंटी वाली सड़कों के निर्माण का दावा हवाई साबित हो रहा है। ठेकेदार न मिलने से शहर में व्हाइट टॉपिंग से सड़क बनाने का टेंडर खाली निकल गया, महापौर ने इसके लिए निगम के अधिकारियों को फटकार लगाई है। मेरठ में पिछले तीन महीने से 20 साल तक चलने की गारंटी वाली सड़कों के निर्माण का नगर निगम का दावा फुस्स पटाखा साबित हुआ। व्हाइट टॉपिंग तकनीकि से सड़क बनाने का टेंडर 42 दिन बाद सोमवार को खाली निकला। कोई ठेकेदार इस तकनीकि से सड़क बनाने के लिए आगे नहीं आया।

इसके साथ ही 20 साल की गारंटी वाली सड़कों का सपना टूट गया और शहरवासियों को अभी टूटी सड़कों से ही गुजरना होगा। निगम की इस नाकामी पर महापौर ने सूरजकुंड स्थित कैंप कार्यालय में निगम के अवर अभियंता, सहायक अभियंता, अधिशासी अभियंता और मुख्य अभियंता को बुलाकर फटकार लगाई। नगर निगम की नई सरकार 13 मई 2023 को बनी थी। भाजपा नेता हरिकांत अहलूवालिया महापौर बने। ट्रिपल इंजन की सरकार बनने के साथ ही मेरठ शहर के विकास की उम्मीदें भी तीन गुना हो गई। लेकिन जनता को न तो अभी तक कोई नई सड़क मिली न ही सड़कों के गड्ढे ही भरे गए। इस पर महापौर ने लोगों को बंगलूरू की तर्ज पर शहर में व्हाइट टॉपिंग तकनीकि से 20 साल तक चलने वाली सड़क बनवाने का सपना दिखाया।

इसके चलते शहर में डेंस की सड़क और नालों का निर्माण तक रोक दिया गया। आठ अगस्त 2023 को व्हाइट टॉपिंग से सड़क बनाने के लिए ऑनलाइन टेंडर की प्रक्रिया शुरू हुई और 11 अगस्त को ऑनलाइन टेंडर नगर निगम ने अपलोड किया। पहले टेंडर में नगर निगम ने शहर की प्रमुख 14 सड़क व्हाइट टॉपिंग सहित 26 कार्य शामिल किए। उसके बाद निगम ने दो अन्य ऑनलाइन टेंडर डाले, जिसमें 25 सड़क व्हाइट टॉपिंग और डेन्स की सड़कों के साथ नालों को निर्माण होना शामिल है।

सड़क निर्माण का पहला टेंडर सोमवार को खुल गया। जिसमें व्हाइट टॉपिंग की सड़क के टेंडर में एक भी ठेकेदार ने आवेदन नहीं किया। टेंडर खाली निकलने पर निगम के अधिकारियों में खलबली मची। जनता को क्या जवाब देंगे इसको लेकर निगम में मंथन चल रहा था, तभी महापौर तक टेंडर खाली निकलने की जानकारी पहुंच गई। महापौर हरिकांत अहलूवालिया ने सूरजकुंड स्थित कैंप कार्यालय में बैठक बुलाई। जिसमें निगम के इंजीनियरों की जमकर क्लास ली। टेंडर खाली निकलने का ठीकरा महापौर ने निगम के इंजीनियरों पर फोड़ दिया।

गड्ढे तक न भर पाया निगम

शहर की टूटी सड़कों का निर्माण तो दूर। नगर निगम गड्ढे तक नहीं भरवा पाया। चार महीने से नगर निगम के अधिकारी और महापौर शहरवासियों को भरोसा दे रहे थे कि 20 साल की गारंटी वाली चमचमाती व्हाइट टॉपिंग से सड़क बनाएंगे। जिससे शहर की सूरत बदल जाएगी। यह बात कहकर निगम ने शहर में गड्ढे तक नहीं भरे। अधूरी तैयारी से डाला टेंडर, ठेकेदारों से बात तक नहीं

व्हाइट टॉपिंग की शर्तों को लेकर निगम के अधिकारियों और स्थानीय ठेकेदारों में तकरार के हालात बने। स्थानीय ठेकेदारों ने नगर निगम के अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों से शिकायत की। इसे लेकर ठेकेदारों ने गढ़ रोड स्थित एक होटल में बैठक भी की थी। निगम ने अधूरी तैयारी के साथ टेंडर डाला, लेकिन ठेकेदारों से बात तक नहीं की। स्थानीय ठेकेदारों ने टेंडर में आवेदन नहीं किया और बाहर के बड़े ठेकेदारों से निगम के अधिकारियों की बातचीत नहीं हुई। नतीजा टेंडर खाली निकल गया।

मेरठ क्राइम रिपोर्ट-पहले दुष्कर्म, थाने में पंचायत फिर मंदिर में जयमाला, मेला देखने आई युवती से छेड़छाड़

मेरठ। मेरठ में पुलिस की मुस्तैदी के बावजूद अपराध का ग्राफ नीचे नहीं आ रहा है। आइए नजर डालते हैं पिछले 24 घंटों की कुछ बड़ी वारदातों पर। नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी की थाने में शिकायत की गई थी। दोनों पक्षों में थाने में घंटों पंचायत की गई। थाने में ही आरोपी ने युवती से कोर्ट मैरिज कर शादी का वादा कर लिया। सोमवार को दोनों परिवारों के बीच मंदिर में युवक-युवती ने जयमाला डालकर सात फेरे लिए। पीड़िता युवती के पिता ने बताया कि जल्द दोनों की कोर्ट मैरिज कराई जाएगी। उधर, टीपी नगर थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार का कहना है कि दोनों के परिवार के बीच सहमति हो गई है। दोनों ने मंदिर में शादी रचा ली है।

पुलिस ने चार को जेल भेजा

कंकरखेड़ा के पुलिस ने सोमवार को चार संदिग्धों को पकड़कर जेल भेज दिया। थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि दरोगा मोहित सक्सेना पुलिस बल के साथ रविवार सुबह फाजलपुर रोड पर गश्त कर रहे थे। इसी बीच एक पुरानी बिल्डिंग में पुलिस को कुछ संदिग्ध युवक खड़े दिखाई दिए। पुलिस को देखकर युवक भागने लगे। पुलिस चारों को पकड़कर थाने ले आई।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों की पहचान बाबू पुत्र श्यामे निवासी टीकाराम कॉलोनी, अश्वनी पुत्र अजय कुमार निवासी फाजलपुर साजिद पुत्र सरोवर निवासी नंगला गेट व जाहिद पुत्र सलीम निवासी गोविंदपुरी के रूप में हुई। पुलिस को चोरों के पास से एक क्विंटल लोहे की रॉड बरामद हुई। पुलिस ने चारों को जेल भेज दिया।

दुष्कर्म के आरोपी को जेल भेजा

मेरठ के भावनपुर थाना पुलिस ने सोमवार को दुष्कर्म के आरोपी को जेल भेज दिया है। क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी ने गांव के ही एक युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। आरोप है कि जब परिजन आरोपी युवक के यहां शिकायत लेकर पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज की। पीड़ित परिजनों ने आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी जुनेद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया।

बीच सड़क मारपीट करने वाले तीन गिरफ्तार

लालकुर्ती क्षेत्र में बेगमपुल पर रविवार रात बीच सड़क पर हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। इस घटना की वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। बेगमपुल पर रविवार रात बाइक आपस में टकराने पर दो गुटों में बीच सड़क पर मारपीट हो गई थी। इस दौरान जमकर लात-घूंसे व बेल्ट चले थे। जिससे राहगीरों में भी अफरातफरी मच गई थी। कुछ देर के लिए वाहनों के पहिए भी थम गए थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में ले लिया था।

थाना प्रभारी योगेंद्र कुमार ने बताया कि पुरानी मोहनपुरी निवासी सैनी पुत्र मंगल सैनी और आकाश सैनी पुत्र जगदीप सैनी व शिवांक पुत्र त्रिलोकी सैनी निवासी सूरजकुंड रोड लक्ष्मी नगर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। सोमवार को उन्हें चालान कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

पहले दुष्कर्म, फिर थाने में पंचायत अब मंदिर में

नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी की थाने में शिकायत की गई थी। दोनों पक्षों में थाने में घंटों पंचायत की गई। थाने में ही आरोपी ने युवती से कोर्ट मैरिज कर शादी का वादा कर लिया। सोमवार को दोनों परिवारों के बीच मंदिर में युवक-युवती ने जयमाला डालकर सात फेरे लिए। पीड़िता युवती के पिता ने बताया कि जल्द दोनों की कोर्ट मैरिज कराई जाएगी। उधर, टीपी नगर थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार का कहना है कि दोनों के परिवार के बीच सहमति हो गई है। दोनों ने मंदिर में शादी रचा ली है।

कर्मचारी से लूटपाट करने वाले तीन बदमाश जेल भेजे

परतापुर पुलिस ने कर्मचारी से लूटपाट करने वाले तीन आरोपी रोहटा रोड, हाल पता झिझानी थाना परतापुर निवासी नीरज गुप्ता, विवेक, मीरापुर मुजफ्फरनगर निवासी वरुण को गिरफ्तार किया है। बदमाशों से पुलिस ने बाइक, एक तमंचा, कारतूस और एक छुरा बरामद किया है। 16 सितंबर को एक प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी मुकेश देवरानी से बदमाशों ने मारपीट कर लूटपाट की थी। उधर, थाना प्रभारी परतापुर नरेंद्र सिंह का कहना है कि सोमवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

मेला देखने आई युवती से छेड़छाड़, आरोपी को पीटा

कंकरखेड़ा के जिंझोखर गांव में लगे जाहरवीर गोगा के मेले में एक युवती से छेड़छाड़ को लेकर हंगामा हो गया। परिजनों ने आरोपी की जमकर पिटाई की। सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपी को लेकर थाने आ गई। रोहटा थाना क्षेत्र के जिंझोखर गांव में जाहरवीर गोगा का मेला लगा है। मेले में क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती परिजनों के साथ मेला देखने आई थी। आरोप है कि मेले में एक युवक ने युवती के साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपी युवक परिजनों को भी धमकाने लगा। मामला बढ़ता देख मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इस पर आरोपी भागने लगे तो भीड़ ने उन्हें पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। सूचना पर डायल 112 व थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस युवक को हिरासत में लेकर थाने आ गई। कंकरखेड़ा थाना प्रभारी अजय कुमार का कहना है कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस आरोपी को पकड़कर थाने ले आई है। परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

शौर्य जागरण यात्रा पोस्टर प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला करमअली में रविवार रात शौर्य जागरण यात्रा के पोस्टर चस्पा करने को लेकर हुए विवाद में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। घटना से क्षेत्र में तनाव है। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला करमअली में बजरंग दल कार्यकर्ता रविवार रात शौर्य जागरण यात्रा के पोस्टर दीवारों पर चस्पा कर रहे थे। इसका दूसरे समुदाय के लोगों ने विरोध कर दिया था। इस दौरान मारपीट और पथराव हुआ था। पुलिस के पहुंचते ही दोनों पक्षों के लोग मौके से फरार हो गए थे। घटना में तरुण घायल हो गया था। सिर में 14 टांके आए। उसके दोस्तों को भी चोट आई थी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। तरुण की मां कुसुम की तहरीर पर मारूफ व उसके पिता जैद, सलमान, इमरान व उसके भाई, नवाब व उसके पुत्रों के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं तरुण सक्सेना का हाल जानने भाजपा के शहर विधानसभा प्रत्याशी रहे कमलदत्त शर्मा समर्थकों के साथ पहुंचे। उन्होंने इंस्पेक्टर कोतवाली से मामले में कार्रवाई की मांग की। इसके बाद एसपी सिटी पीयूष कुमार से भी मिले।

बाइक बोट घोटाला-"सपा नेता दिनेश गुर्जर समेत 16 के खिलाफ चार्जशीट पेश

गाजियाबाद में बाइक बोट घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सपा नेता दिनेश गुर्जर समेत 16 आरोपियों के खिलाफ ईडी कोर्ट में पूरक आरोप पत्र पेश कर दिया है। अभी अदालत ने चार्जशीट पर संज्ञान नहीं लिया है। जल्द ही अदालत इस पर संज्ञान ले सकती है।

दिनेश गुर्जर समेत 16 लोगों पर आरोप है कि वर्ष 2019 में एनसीआर में बाइक बोट (बाइक टैक्सी) के नाम पर हजारों लोगों के साथ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी कर घोटाला किया। ठगे गए लोगों ने इन लोगों के खिलाफ नोएडा में मुकदमा दर्ज कराया था।

इसके बाद मामले की शिकायतें ईडी और सीबीआई से की गई थी। ईडी ने सपा नेता दिनेश गुर्जर को नोएडा से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। ईडी की टीम ने दिनेश गुर्जर को दो दिन के पुलिस कस्टडी डिमांड पर लेकर पूछताछ की थी।

बिना अनुमति निकाली यात्रा, मुखिया गुर्जर समेत 37 नामजद व 75 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

मेरठ। मेरठ में मिहिर भोज की जयंती पर मेरठ के मवाना में सोमवार को गुर्जर समाज के लोगों ने यात्रा निकाली। प्रशासन की अनुमति के बावजूद यात्रा निकाले जाने और धारा 144 का उल्लंघन करने पर 37 नामजद व 75 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। सम्राट मिहिर भोज विवाद के बीच मेरठ के मवाना में गुर्जर समाज के लोगों ने गुर्जर गौरव यात्रा निकाली। बिना अनुमति यात्रा निकालने पर पुलिस ने पुलिस ने मुखिया गुर्जर सहित 37 लोगों को नामजद तथा 75 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मेरठ में सोमवार को प्रस्तावित गुर्जर समाज की सम्राट मिहिर भोज यात्रा रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन की सारी रणनीति और इंतजाम धरे रह गए। यात्रा निकालने पर अड़े सरधना विधायक अतुल प्रधान और उनके समर्थकों को पुलिस ने दो बसों में बैठाकर रवाना कर दिया। लेकिन अतुल प्रधान के समर्थक बसों के शीशे तोड़कर नीचे कूद गए और नारेबाजी करते हुए यात्रा निकालकर सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा तक पहुंच गए। प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इससे पहले सुबह यात्रा के लिए एकत्र हुए समाज के 17 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिया था।

गुर्जर समाज का सोमवार को मवाना में बड़ा महादेव मंदिर से यात्रा निकालकर सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा पर माल्यार्पण का कार्यक्रम प्रस्तावित था। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना और राजपूत उत्थान सभा ने यात्रा का विरोध करने की चेतावनी दे दी थी। माहौल खराब न हो इसके लिए रविवार को अधिकारियों ने समाज के नेताओं को मनाने का प्रयास किया। उनके सामने यात्रा न निकालकर सीधे प्रतिमा पर माल्यार्पण करने का प्रस्ताव रखा। लेकिन गुर्जर समाज के लोग यात्रा निकालने पर अड़े थे। जिस पर एसपी देहात कमलेश बहादुर और एडीएम प्रशासन अमित कुमार सुबह 9 बजे से सीओ आशीष शर्मा, सीओ देवेश शर्मा, सीओ पूनम सिरोही, एसडीएम अखिलेश यादव, क्यूआरटी, पीएसी व आसपास के थानों की पुलिस फोर्स के साथ बड़ा महादेव मंदिर पहुंच गए। भाजपा नेता आकाश गुर्जर व सपा नेता मोनू पंवार, सुबोध गुर्जर आदि समर्थकों के साथ बड़ा महादेव मंदिर पहुंचे। इन्हें समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन वह यात्रा निकालने पर अड़ रहे।

पुलिस ने तीनों नेताओं समेत 17 लोगों को हिरासत में ले लिया और क्यूआरटी की गाड़ी से पुलिस लाइन भेज दिया। इसके बाद हस्तिनापुर ब्लॉक प्रमुख नितिन पोसवाल समर्थकों के साथ बड़ा महादेव मंदिर के पास पहुंचे। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें वहां से हटा दिया। करीब 11 बजे लाव लश्कर के साथ सरधना विधायक अतुल प्रधान पहुंचे। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से उनकी जमकर नोकझोंक हुई।

अतुल प्रधान ने कहा कि पुलिस-प्रशासन तानाशाही के तहत यात्रा रोक रहा है। काफी देर की जद्दोजहद के बाद पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने अतुल प्रधान, मुखिया गुर्जर व उनके समर्थकों को दो बसों से थाना तिराहा के लिए रवाना किया।

समर्थक पुलिस चौकी से पहले ही बस के शीशे क्षतिग्रस्त कर उतर गए और नारेबाजी करते हुए जुलूस के रूप में थाना तिराहे पर पहुंचे। विधायक अतुल प्रधान, मुखिया गुर्जर ने समर्थकों के साथ माल्यार्पण किया।

माल्यार्पण के बाद अतुल प्रधान के समर्थकों ने राज्यमंत्री दिनेश खटीक के खिलाफ नारेबाजी कर दी। जिससे एकबारगी माहौल गरमा गया। कुछ लोगों ने नारेबाजी कर रहे युवाओं को रोका। वहीं मेरठ पुलिस लाइन में हिरासत में लिए गए आकाश गुर्जर, मोनू पंवार आदि से सीओ सिविल लाइन ने बातचीत की। विनीत चपराना और गुर्जर समाज के नेता मिलने पहुंचे।

मेरठ-बुलंदशहर हाईवे पर किनारे खड़े ट्रक में कैंटर ने मारी टक्कर, दो की मौत

मेरठ। मेरठ बुलंदशहर हाईवे पर फफूंडा कट के पास देर रात सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से तेज गति से आ रहा कैंटर घुस गया। हादसे में ट्रक व कैंटर दोनों के क्लीनर की मौत हो गई। कैंटर चालक गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मेरठ-बुलंदशहर हाईवे पर सोमवार देर रात एक भीषण हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद घायल को अस्पताल में भर्ती कराया, वहीं शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। जानकारी के अनुसार हापुड़ की ओर से आ रहे ट्रक में धान लदा था। रस्सा ढीला होने के कारण ट्रक का क्लीनर ट्रक को हाईवे पर ही फफूंडा के नजदीक सड़क किनारे खड़ा कर लिया। ट्रक क्लीनर नानक(27) पुत्र घनश्याम निवासी चासी थाना नसीना बुलंदशहर ट्रक का रस्सा खींचने लगा। तभी हापुड़ की ओर से तेज गति से आ रहा कैंटर खड़े ट्रक में घुस गया।

हादसे में रस्सा खींच रहे ट्रक के क्लीनर नानक व कैंटर के क्लीनर परवेज (28) निवासी संभल दोनों की मौके पर ही मौत हो गई और कैंटर चालक निवासी फैजान पुत्र मोहम्मद इमरान निवासी मोहल्ला रुकमुदीन सराय थाना नकाशा संभल की हालत गंभीर बनी हुई है।

पिटाई से आहत कक्षा-7 के छात्र ने दी जान, प्रधानाचार्य बोले-उसने साथी छात्रा के बैग में लेटर रखा

संभल। संभल के गुन्नौर क्षेत्र के गांव कैल की मड़ैय्या निवासी कक्षा सात के छात्र दानवीर (14) ने स्कूल में पिटाई के बाद घर की पशुशाला में फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली है। छात्र के पिता भूरे ने प्रधानाचार्य, शिक्षक व एक छात्रा के पिता के खिलाफ तहरीर दी है। प्रधानाचार्य ने छात्र की पिटाई करने से इनकार किया है। उनका आरोप है कि मृतक ने साथी छात्रा के बैग में कथित लैटर रखा था। शिकायत मिलने पर आरोपी की मां को बुलाकर छात्र को उनके साथ भेज दिया था। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। गुन्नौर थाना क्षेत्र के कैल की मड़ैय्या गांव निवासी भूरे सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा दानवीर गांव के ही निजी स्कूल में कक्षा सात का छात्र था। सोमवार को प्रधानाचार्य, एक शिक्षक और एक ग्रामीण उसके बेटे को जबरन बाइक पर बैठाकर स्कूल ले गए और वहां उसकी पिटाई की। इस बीच दानवीर की मां भी स्कूल पहुंच गई। आरोपियों ने उसके साथ भी गाली-गलौज की और उसे धक्का दिया। उसकी पत्नी के हाथ जोड़ने पर आरोपियों ने बेटे दानवीर को उसके साथ भेज दिया। घर आकर उसकी मां मंदिर चली गई। वापस आई तो घर में ही पशुशाला की झोपड़ी में प्लास्टिक की रस्सी से फंदे पर दानवीर का शव लटका था। आरोप है कि पिटाई से डरकर उसके बेटे ने आत्महत्या की है। पिता ने प्रधानाचार्य, शिक्षक व एक छात्रा के पिता के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने शव पीएम को भेज दिया है तथा मामले की जांच में जुट गई है।

प्रधानाध्यापक का कहना है कि दानवीर रोजाना की तरह खुद स्कूल आया था। उसकी पिटाई नहीं की गई। दानवीर ने साथी छात्रा के बैग में लैटर रखा था। लैटर को लेकर छात्रा के पिता शिकायत करने आए थे, उन्होंने छात्र की पिटाई की कोशिश की, लेकिन मैंने और साथी शिक्षक ने रोक दिया। इसके बाद दानवीर की मां को बुलाकर उनके साथ उसे घर भेज दिया था। बालक के साथ कोई अभद्र व्यवहार नहीं हुआ है। सीओ गुन्नौर आलोक सिद्धू ने कहा कि पीड़ित पिता ने गुन्नौर कोतवाली में तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। इसके जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

शिड्यूल के अनुसार बिजली आपूर्ति कराने की मांग

कुशीनगर। क्षेत्र के नाहर छपरा मुसहर बस्ती में पूर्वांचल किसान यूनियन की तरफ से सोमवार को चौपाल लगाया गया। इसमें नाहर छपरा, जंगल विशुनपुरा और कुरमैल गांव के लोगों ने बिजली कटौती पर नाराजगी जताते हुए शिड्यूल के हिसाब से बिजली आपूर्ति की मांग की। पूर्वांचल किसान यूनियन के अध्यक्ष पप्पू पांडेय ने कहा कि क्षेत्र के गांव में अघोषित बिजली कटौती हो रही है। सीएम के प्राथमिकताओं में शामिल मुसहर बाहुल्य क्षेत्रों में बिजली हमेशा गुल रहती है। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी में परेशानी उठानी पड़ रही है। 24 घंटे में दो से तीन घंटे ही बिजली मिल रही, जबकि आस-पास के अन्य गांव में पर्याप्त बिजली आपूर्ति हो रही है। उन्होंने चेताया कि यदि शीघ्र शिड्यूल के अनुसार बिजली आपूर्ति नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। चौपाल का संचालन कैलाश मुसहर ने किया। इस दौरान कैलाश मुसहर, सुदामा मुसहर, सुभावती मुसहर, रीना मुसहर आदि मौजूद रहें।

बकाया गन्ना मूल्य भुगतान के लिए किया प्रदर्शन

पडरौना। नगर के सुभाष चौक पर सोमवार को भारतीय उद्योग एकीकरण व्यापार मंडल की अगुवाई में व्यापारियों और किसानों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बकाया गन्ना मूल्य भुगतान कराने समेत अन्य मांगों को पूरा कराने की मांग की। व्यापारी नेता मनोज मोदनवाल ने कहा कि कुशीनगर जिला गन्ना बहुमूल्य क्षेत्र है। जिले के किसान नगदी फसल के रूप में बड़े पैमाने पर गन्ना उगाते हैं। लेकिन, पडरौना के अलावा एक के बाद एक जिले में कई चीनी मिलें बंद हो गईं, जिससे गन्ना किसान गन्ने को फसल बिचौलियों के हाथों या क्रशर पर बेचने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने पडरौना, लक्ष्मीगंज, कठकुइया, कप्तानगंज, रामकोला खेतान समेत अन्य बंद चीनी मिलों पर बकाया गन्ना मूल्य भुगतान कराने, जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने आदि मांगों को पूरा करने की मांग की। इस दौरान दिलीप सिंह, सुदामा सिंह, प्रभुनाथ सिंह, सतनारायण, राजकुमार आदि मौजूद रहे।

नहर के पुल पर टकराए तीन वाहन

कुशीनगर। एनएच स्थित पकड़ीहवा गांव के पास नहर के पुल पर सोमवार को तीन वाहन एक-दूसरे से भिड़ गए। गनीमत रही कि कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। कुशीनगर चौकी की पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को राजमार्ग से हटवाकर आवागमन बहाल कराया। सोमवार को करीब तीन बजे गोरखपुर निवासी प्रदीप यादव, विद्या यादव, लखनऊ निवासी रीतिक सिंह, राखी व पीपीगंज निवासी पंकज यादव कार से गोपालगंज बिहार की तरफ जा रहे थे। कसया थाना क्षेत्र के पकड़ीहवा गांव स्थित नहर के पुल पर गोरखपुर से पडरौना जा रहे पिकअप ने पीछे से टक्कर मार दी। कार क्षतिग्रस्त हो गई। पिकअप अनियंत्रित होकर आगे चल रहे एक कार से टकरा गया। कार चालक प्रेम यादव ने बताया कि गोरखपुर से गांव सेवरही थाना क्षेत्र के गनेशा पड़ी जा रहा था। एक बस चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे हादसा हो गया। हादसे से कुछ समय के लिए फोरलेन पर आवागमन प्रभावित रहा। पुलिस ने वाहनों को हटवाकर आवागमन बहाल करा दिया।

पत्नी से विवाद के बाद पानी की टंकी पर चढ़ा युवक

लखीमपुर खीरी। मोहल्ला टेहरा शहरी निवासी कुलदीप गुप्ता सोमवार को पलिया तहसील परिसर में लगी ओवरहेड पानी की टंकी पर जाकर चढ़ गया और ऊपर से कूदने की बात कहने लगा। जानकारी होने पर भारी संख्या में अधिकारियों के साथ अन्य लोगों की भीड़ टंकी के नीचे जुट गई। एसडीएम कार्तिकेय सिंह, तहसीलदार आरती यादव, नायब तहसीलदार भानु प्रताप सिंह भी पहुंच गए और युवक को नीचे उतारने की कोशिश में मनाने लगे। करीब एक घंटे तक युवक हंगामा करता रहा। एसडीएम द्वारा उसकी बात मानने का आश्वासन दिया गया, जिसपर वह नीचे उतरा। युवक ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ काम करने अंबाला गया था, जहां उसका पत्नी से विवाद हुआ था। पत्नी उसे तलाक देना चाहती है। विवाद के बाद पत्नी अंबाला में ही है, वहां नहीं आ रही है। करीब एक घंटे के ड्रामे के बाद वह नीचे उतरा। एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने बताया कि पति-पत्नी के बीच विवाद का मामला है। पुलिस को कहा गया है। बता दें कि इससे पूर्व भी दिल्ली का एक युवक करीब एक साल पूर्व टंकी पर युवती को पाने के लिए चढ़ गया था, जबकि संपूर्णानगर निवासी एक ग्रामीण अपनी दुकान पर कब्जा पाने के लिए टंकी पर जा चढ़ा था। दोनों मामलों में अधिकारियों ने समझा बुझाकर नीचे उतारा था।

बिना अनापत्ति प्रमाणपत्र के संचालित नहीं होंगे ईंट भट्ठे -एसडीएम

महराजगंज। बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र के संचालित ईंट भट्ठों के खिलाफ उच्च न्यायालय के कड़े रुख के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम रमेश कुमार व पुलिस टीम ने क्षेत्र के कई भट्ठों का निरीक्षण किया। एसडीएम रमेश कुमार ने बताया कि भगवतनगर परसिया व लेजार महेदवा के सहित कई अन्य ईंट भट्ठों की अनापत्ति प्रमाण पत्र व जीएसटी व प्रदूषण संबंधी जांच की गई। क्षेत्र में कुल 9 ईंट भट्ठे सूचीबद्ध हैं। सभी प्रपत्रों की जांच की जा रही है। न्यायालय के आदेश का पालन कराया जा रहा है। बिना अनापत्ति प्रमाणपत्र कोई भी ईंट भट्ठे संचालित नहीं होंगे। इस दौरान एसआई दिनेश यादव सहित पुलिस टीम रहे।

अनुष्का ने खेलो इंडिया स्टेट चैंपियनशिप में झटके दो पदक

मैनपुरी। नेहरू स्टेडियम मैनपुरी में खेलो इंडिया एथलेटिक्स सेंटर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही जनपद की खिलाड़ी अनुष्का चौहान ने जिले का नाम रोशन किया है। लखनऊ में खेले गए खेलो इंडिया विमिन्स लीग चैंपियनशिप में भाला फेंक में 30.10 मीटर थ्रो कर रजत पदक अपने नाम किया है। साथ ही तश्तरी फेंक में 24. 95 मीटर थ्रो कर कांस्य पदक प्राप्त किया है। दूसरी खिलाड़ी दुर्गा यादव ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए गोला फेंक में चौथा स्थान प्राप्त किया। अनुष्का चौहान और दुर्गा यादव की सफलता पर कोच सौरभ पाराशर, एथलेटिक्स संघ के जिलाध्यक्ष मैनपुरी आलोक गुप्ता, सचिव राघवेंद्र दुबे, उप क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार ने बधाई दी है।

सेप्टीसीमिया से हुई थी सूबेदार की मौत

मैनपुरी। गांव कछपुरा निवासी किसान सूबेदार की मौत सेप्टीसीमिया की वजह से हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। परिजन की ओर से बिजली गिरने से मौत का आरोप लगाया गया था। पुलिस ने अब मामले में जांच व कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव कछपुरा निवासी 47 वर्षीय किसान सूबेदार शुक्रवार की रात टिनशेड के नीचे सो रहे थे। तभी उनकी मौत हो गई थी।

परिजन अस्पताल ले गए तो वहां चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया था परिजन ने बताया कि बिजली गिरने की वजह से मौत हुई है। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया था। इस दौरान कई नेता भी पीड़ित के घर सांत्वना देने पहुंचे। तहसीलदार की ओर से भी हर संभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया है। इन सब के बीच किसान की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई है। जिसमें मौत की वजह फेफड़ों में संक्रमण (सेप्टीसीमिया) बताया गया है। तहसीलदार कमलेश कुमार ने बताया कि इस बीमारी के कारण मौत में आर्थिक सहायता देना संभव नहीं है। वहीं रिपोर्ट सामने आने के बाद थाना पुलिस ने जांच व कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

साई केंद्र में चयन के लिए दें ट्रायल, उठाएं लाभ

महराजगंज। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से तीरंदाजी, बैडमिंटन व ताइक्वांडो में चयन के लिए ट्रायल देने का मौका है। इसमें सफल होने के बाद खिलाड़ियों को 20 व 21 सितंबर को मध्य प्रदेश के धार में होने वाले आवासीय प्रशिक्षण के लिए शामिल होने का मौका मिलेगा। भारतीय खेल प्राधिकरण की ओर से 20 व 21 सितंबर को मध्य प्रदेश के धार में होने वाले तीरंदाजी के आवासीय प्रशिक्षण, बैडमिंटन के आवासीय व गैर आवासीय प्रशिक्षण एवं ताइक्वांडो के आवासीय प्रशिक्षण के लिए बालक व बालिका वर्ग के खिलाड़ियों से आवेदन मांगे गए हैं। 12 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के खिलाड़ी जहां आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, वहीं गैर आवासीय प्रशिक्षण में 14 से 18 वर्ष के खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। खिलाड़ी पात्रता व बेहतर प्रदर्शन के आधार पर इसमें चयनित होंगे व प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। खिलाड़ियों को ट्रायल में जाने के दौरान अपने पास आधार कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र, चार पासपोर्ट साइज फोटो, फिटनेस प्रमाणपत्र एवं खेल क्षेत्र में तीन वर्ष की उपलब्धियों का प्रमाणपत्र भी साथ में रखना होगा।

यह होंगे ट्रायल के पात्र

साई केंद्र में चयन के लिए वे ही खिलाड़ी पात्र होंगे जिन्होंने खेलो इंडिया, नवोदय, केंद्रीय विद्यालय एवं पब्लिक स्कूल से जुड़े जिला स्तरीय अंतर जनपदीय विद्यालयीय प्रतियोगिता व क्षेत्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए पहला, दूसरा अथवा तीसरा स्थान प्राप्त किया हो। अंतराष्ट्रीय मुकाबले में देश का प्रतिनिधित्व किया हो, राज्य स्तरीय, विश्वविद्यालयीय व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त किया हो।

जब डॉक्टर ही नहीं तो मरीजों को कैसे मिले उपचार

वृंदावन (मथुरा)। जिला संयुक्त चिकित्सालय (सौ शैय्या) पिछले एक दशक से ज्यादा समय से डॉक्टर और स्टाफ नर्स की कमी से जूझ रहा है।

कई रोग विशेषज्ञ व रेडियोलॉजिस्ट न होने से मरीज बिना उपचार कराए ही लौट रहे हैं। निजी अस्पतालों में उपचार व जांच कराने की एवज में उन्हें जेब ढीली करनी पड़ रही है। तत्कालीन मायावती सरकार ने वृंदावन और आसपास के करीब 60 से अधिक गांवों के लोगों को बेहतर उपचार देने के उद्देश्य से सौ शैय्या अस्पताल का निर्माण वर्ष 2010 में कराया था। शुरूआत से ही डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ की कमी से जूझ रहा यह अस्पताल सिर्फ ओपीडी में कुछ ही मर्ज के रोगियों का उपचार करने तक सिमट कर रह गया है।

जबकि इसके निर्माण पर करोड़ों रुपये खर्च हुए हैं। अस्पताल में डॉक्टरों के न होने से मरीजों को उपचार के लिए 15 किलोमीटर दूर मथुरा के जिला अस्पताल और निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

यहां रोगियों को समय की बर्बादी के साथ-साथ अधिक जेब भी ढीली करनी पड़ रही है।

अस्पताल में 12 डॉक्टरों की कमी

अस्पताल में 12 डॉक्टरों की कमी चल रही है, इतना ही नर्सिंग स्टाफ कम है, जिसमें बाल रोग विशेषज्ञ, फिजीशियन, 2 रेडियोलॉजिस्ट, जनरल सर्जन, 2 नेत्र सर्जन, डीजीएमओ, एनस्थिशियन, सांस रोग विशेषज्ञ लंबे समय से नहीं हैं। इसके अलावा अस्पताल में 11 स्टाफ नर्स एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से भी 2 नर्सों के पद खाली चल रहे हैं। जबकि अस्पताल में प्रतिदिन 700 से अधिक मरीज उपचार के लिए आते हैं।

राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ शाखा ने की एसआरजी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

महराजगंज। सदर ब्लॉक के ग्राम करमहा के प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षक सुनील वर्मा के साथ राज्य संदर्भदाता समूह(एसआरजी) के सदस्य लवकुश वर्मा की ओर से किए गए दुर्व्यवहार का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शिक्षक संगठनों के बाद अब राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ शाखा ने भी अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा को पत्र भेजते हुए दोषी एसआरजी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। संघ के राष्ट्रीय महसासचिव रामप्रकाश सिंह भदौरिया ने अपर मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में कहा है कि महराजगंज जिले में तैनात दृष्टि बाधित शिक्षक सुनील वर्मा के साथ राज्य संदर्भदाता समूह के सदस्य लवकुश वर्मा ने न सिर्फ अभद्रता की बल्कि अपमानजनक शब्दों का प्रयोग भी किया। उनका कृत्य दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिनियम का पूर्णतः उल्लंघन करता है।

ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव, पंचायत सहायक और सफाई कर्मचारी सम्मानित

ललितपुर। ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों को बेहतर तरीके से करवाने के लिए प्रदेश स्तर पर चयनित की गई ग्राम पंचायत बारौद के ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव, पंचायत सहायक और सफाई कर्मचारी को लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया।

जनपद की ग्राम पंचायतों में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर काम कराए जा रहे हैं। इसमें कुछ समय पूर्व शासन ने प्रदेश की 60 ग्राम पंचायतों को स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए भारत सरकार को सूची भेजी थी। इसमें जनपद की ग्राम पंचायत बारौद भी शामिल थी। भारत सरकार की टीम ने यहां आकर ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ग्राम पंचायत में कराए गए कार्यों का अवलोकन किया था और इसकी रिपोर्ट सरकार को प्रेषित कर दी थी। ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ग्राम पंचायत में कराए गए कार्यों को लेकर शासन ने ग्राम प्रधान सुरेंद्र सिंह, ग्राम सचिव पंकज सोनी, पंचायत सहायक सुरेंद्र सिंह और सफाई कर्मचारी जय प्रकाश को सम्मानित करने के लिए चयन किया गया।

इसके लिए जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन मिश्रा के नेतृत्व में ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव, पंचायत सहायक और सफाई कर्मचारी लखनऊ पहुंचे। यहां सोमवार को लखनऊ में पंचायती राज निदेशालय में इन चारों को सम्मानित किया गया। इस दौरान तबस्सुम, बृजेश तिवारी मौजूद रहे। डीपीआरओ नवीन मिश्रा ने बताया कि ग्राम पंचायतों में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कई निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इसके साथ गांव के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

बर्बाद हुई फसल का सर्वे कराने की मांग

ललितपुर। अखिल भारतीय प्रधान संगठन के प्रदेश सचिव गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में किसानों ने फसल का सर्वे कराकर उन्हें मुआवजा व बीमा राशि दिलवाने की मांग की। इसे लेकर डीएम को संबोधित ज्ञापन एडीओ पंचायत को सौंपा गया। ज्ञापन में किसानों का संपूर्ण कर्ज माफी करने मांग करते हुए बताया गया कि बारिश से किसान पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है। फसल अंकुरित हो गई है। मजदूर 500 रुपये प्रतिदिन मांग रहे हैं। एक एकड़ खेत की कटाई के लिए 20 मजदूर लगाने पड़ रहे हैं। इसकी लागत 9000 से 10000 प्रति एकड़ लागत आ रही है। किसान को खेती की लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है। इस मौके पर गोपाल सिंह प्रधान पटसेमरा, मनोहर सिंह प्रधान, जगदीश, राजेश कुमारी प्रधान, भगवान सिंह प्रधान मौजूद थे। इनके अलावा दौलतराम साहू प्रधान, वीरेंद्र कुमार जैन प्रधान, श्री राम डोरना, महिपाल, राम प्रसाद बृजभान सिंह, संतोष सिंह, राजकुमार, दिनेश कुमार, दीपचंद, उदल सिंह आदि भी मौजूद रहे।

सड़कों पर न दिखें अन्ना जानवर-प्रभारी मंत्री

ललितपुर। जनपद प्रभारी व जल शक्ति राज्य मंत्री ने रविवार को सर्किट हाउस में जनपद के विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इसमें उन्होंने कागजों पर शिकायतों का निस्तारण करने को लेकर नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि समस्याओं का निस्तारण धरातल पर कराएं। उन्होंने सख्ती से कहा कि सड़कों पर अन्ना पशु न दिखें, जानवरों को गोशालाओं में शिफ्ट कराएं। रविवार को जनपद के प्रभारी मंत्री व जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद जनपद दौरे पर आए। उन्होंने जनपद के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था को लेकर विभागीय अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। प्रभारी मंत्री ने आईजीआरएस पर आवास योजना सहित अन्य योजनाओं की आने वाली शिकायतों के बारे में बताया कि शिकायतों को अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा कागजों पर निस्तारित कर दिया जा रहा है जोकि खेदजनक है। उन्होंने सभी अधिकारियों को शिकायतों का निस्तारण धरातल पर करने के निर्देश दिए। इसके साथ प्रभारी मंत्री ने शहर में नियमित फॉगिंग, एंटी लार्वा का छिड़काव कर सफाई कराने के निर्देश दिए। पशु पालन विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि गोशालाओं में करीब 32 हजार गोवंश संरक्षित हैं। साथ ही 9146 गोवंश सहभागिता योजनांतर्गत दिए गए हैं। इस पर सदर विधायक ने अन्ना जानवरों की सूचना देने पर पशु पालन विभाग द्वारा कोई कार्रवाई न करने की बात कही।

ऐसे में प्रभारी मंत्री ने अन्ना जानवर सड़कों दिखाई न देने की बात कही और अन्ना जानवरों को गोशालाओं में शिफ्ट कराने को कहा। इसके साथ अन्य बिंदुओं को लेकर भी दिशा निर्देश दिए। इस दौरान सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश निरंजन, जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुश्ताक, भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार जैन, राज्यमंत्री प्रतिनिधि चंद्रशेखर पंथ सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

विद्युत आपूर्ति को लेकर अधिकारियों पर जताई नाराजगी

प्रभारी मंत्री द्वारा जनपद में विद्युत आपूर्ति की समीक्षा की गई। इसमें आपूर्ति को लेकर विद्युत विभाग के अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। जिस पर प्रभारी मंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई और बिजली व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। इसके साथ उपभोक्ताओं का शोषण न करने और शोषण करने वालों पर कार्रवाई करने को कहा।

सड़क निर्माण में पावर प्लांट की राख डालने पर करें कार्रवाई

लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने सड़क निर्माण के दौरान पावर प्लांट से निकलने वाली राख का डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस संबंध में उन्होंने बताया कि उनके समक्ष लोक निर्माण विभाग के द्वारा बनाई जा रही सड़कों में राख डालने की शिकायतें आने की बात बताई।

पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क को कराएं दुरुस्त

हर घर नल योजना का काम तेजी से और शत प्रतिशत कनेक्शन देना सुनिश्चित करने की बात प्रभारी मंत्री ने संबंधित विभागीय अधिकारी से कही। वहीं गांवों में पाइप लाइन बिछाने के लिए सड़क खोदने और काम हो जाने के बाद सड़क को दुरुस्त करवाने के निर्देश दिए।

21 को होने वाले धरने को सफल बनाएं कर्मचारी

महराजगंज। पुरानी पेंशन बहाली समेत अन्य मांगों को पूरा कराने के लिए 21 सितंबर को जिला मुख्यालय पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की ओर से धरना होगा। राज्य कर्मचारी अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहते हुए धरने को सफल बनाएं। ये बातें राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष श्रीभागवत सिंह ने सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में हुई परिषद के पदाधिकारियों की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन की बहाली के लिए सभी कर्मियों को एकजुट होना होगा। प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय सचिव संजय मिश्रा ने कहा कि यदि सरकार की ओर से पुरानी पेंशन को बहाल नहीं किया जाता है तो संगठन को राष्ट्रव्यापी आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। परिषद के जिला संयोजक घनश्याम पांडेय, जिला मंत्री कमलेश सिंह, शिवशंकर राय, विजय प्रकाश सिंह समेत अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखते हुए धरने को सफल बनाने में सहभागी बनने को कहा। इस दौरान रामसुग्रीव वर्मा समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सेवायत ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर दी जान

मथुरा। गोविंद नगर थाना क्षेत्र के मसानी स्थित हनुमान मंदिर परिसर में बने कमरे में सोमवार को एक सेवायत ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर जान दे दी। आत्महत्या के पीछे कई बातें सामने आ रही हैं। पुलिस तथ्यों की पुष्टि के लिए जांच में जुटी है। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिवार वालों को सौंप दिया है। कान्हा (22) पुत्र सुरेशचंद निवासी ततारपुर, बरसाना बीते पांच साल से हनुमान मंदिर में सेवादार था। सोमवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि कान्हा का शव मंदिर के कमरे में लटका हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची और परिवार वालों को भी बुलाया गया। मंदिर के पुजारी ने पुलिस को बताया कि इलाके का एक युवक रविवार रात मंदिर के सामने बाइक खड़ी करके गया था। सुबह वह आया और आरोप लगाने लगा कि बाइक से तेल चोरी किया गया है। वह उनके साथ बदतमीजी करने लगा कान्हा ने विरोध किया तो उसे पीट दिया। इससे आहत होकर कान्हा ने फंदा लगाकर जान दे दी। वहीं, दूसरी ओर पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि पुजारी से कान्हा का विवाद हुआ था। इस पर दो दिन पहले वह अपने घर चला गया था। रविवार शाम पुजारी ने खुद से उसे वापस बुलाया था। पुलिस दोनों ही तथ्यों की तस्दीक में जुटी है। इंस्पेक्टर ललित भाटी के अनुसार शव पोस्टमार्टम के बाद परिवार वालों को सौंप दिया है। मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल परिवार की ओर से तहरीर नहीं दी गई है।परिवार ने जताया शक, लगाए आरोप कान्हा के जीजा प्रहलाद ने बताया कि वह शनिवार और मंगलवार को मंदिर पर जाता था। उसने दो साल पहले ही प्रेम विवाह किया था। बाइक से तेल चोरी का विवाद और इससे आहत होकर फंदा लगाना हजम नहीं हो रहा। यह मामूली विवाद है, इसमें कोई अपनी जान क्यों देगा। घटना के पीछे परिवार को कोई अन्य कारण लग रहे हैं। पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

जल्द बनेगा ललितपुर से जखौरा-तालबेहट संपर्क मार्ग

ललितपुर। वर्षों से खस्ताहाल पड़ी ललितपुर से जखौरा-तालबेहट तक की 32 किलोमीटर सड़क को टू-लेन बनाया जाएगा। लोक निर्माण विभाग ने सड़क के सुदृढ़ीकरण और चौड़ीकरण के लिए करीब 1.7 अरब रुपये की कार्ययोजना तैयार कर शासन को भेजी है। कार्ययोजना को स्वीकृति मिल जाने के बाद जल्द ही निर्माण प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जनपद में सड़कों के चौड़ीकरण के कार्यों के लिए जिला प्रशासन शासन से लगातार धनराशि की मांग कर रहा है। इस कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग कार्ययोजना बनाकर शासन को भेज रहा है। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के आदेश पर ललितपुर से जखौरा होते हुए तालबेहट तक की 32 किलोमीटर सड़क को टू-लेन बनाया जाएगा।

यह सड़क पिछले कई वर्षों से खस्ताहाल पड़ी है। जिससे यहां से गुजरने वाले वाहनों सहित राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन अब आने वाले दिनों में यह सड़क टू-लेन बनाई जाएगी। इसके लिए लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड ने एक अरब सात करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार कर शासन को भेजी है। सबकुछ ठीक रहा तो शासन से मंजूरी मिल जाएगी। सड़क बनने से करीब दो दर्जन गांव के लोगों को फायदा मिलेगा।

सात मीटर चौड़ी होगी सड़क

अभी तक यह सड़क तीन मीटर चौड़ी बनी है। नए प्रस्ताव में इस सड़क की चौड़ाई सात मीटर रहेगी। जिससे भारी वाहनों के निकलने से क्षति नहीं पहुंचेगी। ललितपुर से जखौरा-तालबेहट तक की 32 किलोमीटर की सड़क को टू-लेन बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार कर शासन को भेजा गया है। शासन से मंजूरी और धनराशि अवमुक्त होने पर इसका कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगारपरक कार्य से जुड़े प्रशिक्षणार्थी

महराजगंज। एक जनपद एक उत्पाद कार्यक्रम के तहत जिले में चयनित फर्नीचर उत्पाद से जुड़कर लोग अपने व्यवसाय को विकसित करने में जुटे हैं। टूल किट योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए रोजगारपरक कार्यों से जुड़ें एवं अपनी आय को बढ़ाते हुए प्रशिक्षण की सार्थकता को सिद्ध करें। ये बातें सोमवार को नगर के एक विवाह भवन में एक जनपद एक उत्पाद कार्यक्रम के प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ करते हुए उपायुक्त उद्योग अभिषेक प्रियदर्शी ने कही।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लोग अपने कौशल को विकसित करें व दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कौशल विकास मिशन के प्रबंधक अरविंद पाठक ने बताया कि योजना के तहत कुल 300 कारीगरों को प्रशिक्षित करना है, पहले चरण में 100 कारीगरों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। शेष 200 को भी चरणवार प्रशिक्षित करने का कार्य होगा। अध्यक्षता आनंद मिश्रा ने किया। इस दौरान अभिषेक गंगवार, आशुतोष कुमार सिंह, हरिओम पांडेय, आशीष पटेल आदि मौजूद रहे।

युवक पर लाठी-डंडों और सरिया से हमला, सात लोगों पर हत्या का आरोप

ललितपुर। रविवार की रात को कुछ लोगों ने एक युवक को सड़क पर घेरकर उस पर लाठी-डंडा और सरिया से हमला कर दिया। इलाज के दौरान जिला अस्पताल में देर रात युवक की मौत हो गई। मृतक की मां ने दो महिलाओं सहित पांच नामजद व दो अज्ञात लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। एएसपी अनिल कुमार ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया।

रविवार की रात को शहर के मोहल्ला नेहरू नगर नैंसी गार्डन के पीछे रहने वाले किशन (23) पुत्र पन्ना लाल पर हमलावरों ने उस समय लाठी-डंडों, सरिया से हमला कर दिया जब वह अपने घर से चंद कदम की दूरी पर चौराहे के पास था। हमले में किशन गंभीर रूप से घायल हो गया। मरणासन्न अवस्था में उसे जिला अस्पताल लाया गया। यहां इलाज के दौरान कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई।

घटना को लेकर मृतक किशन की मां पार्वती ने बताया कि रविवार की सुबह 11 बजे मोहल्ले के दो युवक उसके घर आए और पुत्र किशन को अपने साथ ले गए। शाम करीब 4 बजे मोहल्ले का एक व्यक्ति व उसकी बेटी उसके घर आए और गाली गलौज करते हुए एक व्यक्ति को बुलाकर किशन सहित उन्हें जान से मारकर फेंक देने की बात कही। विरोध करने पर पिता-पुत्री बाद में देख लेने की धमकी देते हुए चले गए। देर रात मोहल्ले में शोर की आवाज सुनी तो वह घर से बाहर निकलीं। सड़क पर एक आरोपी खड़ा था जबकि छह-सात लोग किशन पर लाठी-डंडा व सरिया से हमला कर रहे थे। जब किशन लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया तो हमलावर भाग गए। मरणासन्न अवस्था में घर के लोग किशन को जिला अस्पताल लेकर भागे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की मां पार्वती ने पुलिस को शिकायत पत्र देकर दो महिलाओं सहित सात लोगों पर रंजिशन षड्यंत्र रचकर किशन की हत्या करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

वहीं युवक की हत्या होने की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय, कोतवाली प्रभारी निरीक्षण हरीशंकर चंद ने घटनास्थल पर पहुंचकर मौका मुआयना किया और मोहल्ले के लोगों से आवश्यक पूछताछ की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार युवक की मौत के बाद पुलिस ने हमलावरों को पकड़ने के लिए दबिश देनी शुरू की। इसमें पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। दोनों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

परिवार का इकलौता बेटा था

मृतक अपनी बहन का इकलौता भाई था और उसकी दो पुत्रियां हैं। वह मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करता था। जबकि पिता पन्ना लाल ट्रेन में सामान बेचने का काम करते हैं।

शरीर पर मिले 14 बड़े घाव, पसली भी टूट गई

किशन पर आरोपियों ने कितनी क्रूरता के साथ हमला किया इसके निशान किशन के शरीर पर मौजूद घाव दिखा थे। पोस्टमार्टम सूत्रों के अनुसार किशन के शरीर पर करीब 14 बड़ी चोटें थीं। इसके साथ शरीर के हर हिस्से पर चोट के निशान थे। बांयी तरफ की पसली टूट गई थी। दोनों हाथ और अंगूठा फ्रैक्चर था। पसली टूटने और अन्य चोटों के चलते किशन की मौत होना पाया गया।

खाए-पीए तुम तीनों तो बिल मैं क्यों भरुं.. इस बात पर ले ली दोस्त की जान

महराजगंज। खाए पीए तुम तीनों तो मैं क्यूं 115 रुपये का भुगतान करूं, इसी बात से आक्रोशित होकर तीनों चचेरे भाइयों ने दोस्त का कत्ल कर दिया था। अब तीन में दो जेल जा चुके हैं। एक किशोर होने के कारण बाल सुधार गृह में है।

जेल जाने से पहले आरोपी श्याम ने इन बातों को बताया। उसने बताया कि हम सभी में गहरी दोस्ती थी। चंदन ने बेवजह की बातें की। वह केरल से कमाकर आया था। हम सभी ने खाया-पीया था। रकम देने के बजाय ताना मारने लगा तो गुस्से में कुछ समझ में नहीं आया। दूसरे आरोपी सन्नी ने भी यही बातें कही। इन सभी को अपने किए पर पछतावा हो रहा था। तीनों आरोपियों ने बताया कि घटना कैसे हो गई कुछ समझ नहीं आया। उधर, मृत चंदन के घर वाले सन्न हैं। घुघली वार्ड नंबर 10 में मृतक चंदन की मां रंजू ने बताया कि ऐसे लोगों के घर से संबंध रखना ठीक नहीं है। अब उन लोगों से बातचीत करना तो दूर की बात मुंह देखना भी पसंद नहीं करूंगी। बेवजह बेटे की जान चली गई।

सोमवार को अहिरौली गांव के लोग घटना पर चर्चा कर रहे थे। गांव में सीधे-साधे दिखने वाले युवाओं का क्रूर चेहरा सामने आया तो गांव के लोग सन्न हैं। लोग हैरान हैं कि मजह 115 रुपये की खातिर कोई कैसे किसी को मौत के घाट उतार सकता है। दोस्त को मारते समय इनको जरा भी रहम नहीं आई। इस गांव के श्याम, सन्नी व एक नाबालिग अपने जिगरी दोस्त की गला रेतकर हत्या करने के आरोप में जेल जा चुके हैं। तीनों का कोई आपराधिक रिकार्ड भी नहीं है। अहिरौली गांव के रहने वाले हत्यारोपी चचेरे भाइयों के घर पर सोमवार को सन्नाटा पसरा रहा। हत्यारोपियों में एक नाबालिग है। उसका भाई गूंगा, बहरा घर पर मिला। आसपास के लोग भी मामला सामने आने के बाद हैरत में हैं। गांव में श्याम के घर पहुंचने पर कोई मिला नहीं। आसपास के लोगों ने संपर्क करने पर पता चल कि उसकी मां कुसमावती गांव में किसी से घर गई हैं। उनको बुलवाया गया तो उन्होंने बेटे के स्वभाव पर चर्चा करते हुए हैरानी प्रकट की। उन्होंने कहा कि श्याम शांत स्वभाव का है। पता नहीं उसने कैसे इस तरह की घटना कर दी। बिलकुल समझ में नहीं आ रहा है।

लुधियाना काम करने गया था, वहां से 15 दिन पहले आया था। गांव में अपने दोस्तों के साथ इधर-उधर घूमता था। घटना वाले दिन भी वह दोपहर में ही खाना खाकर घर से चला गया था। मृत चंदन और उसके बीच बहुत अच्छी दोस्ती थी। वह भी अक्सर घर पर आता था। समझ में नहीं आ रहा है कि यह सब कुछ कैसे हो गया। यह कहते हुए सिसकने लगी। पास में बैठे लोग उनको चुप कराने लगे। दूसरे आरोपी सन्नी के घर कोई नहीं मिला। गांव का एक युवक बाहर से अंदर झांक कर देखा तो कोई नहीं दिखा। लोगों ने बताया कि इसके पिता थाने पर गए हैं, मां कहीं रिश्तेदारी में गई है। घर पर कोई नहीं है। गांव के चौकीदार मुखत ने बताया कि ये तीनों गांव में कभी किसी से विवाद भी नहीं करते थे। काम करके आने के बाद इधर-उधर घूमते हुए इनको देखता था। इन तीनों की आदत थी कि जब कुछ कमा लेते थे तो कुछ दिन घूम कर पूरे पैसे खर्च कर देते थे। इस बीच वे कोई काम नहीं करते थे। तीनों के घर की माली हालत ठीक नहीं है। नाबालिग आरोपी से मिलने उसके पिता बाल सुधार गृह गए थे। घर में उसकी मां नहीं दिखी। आसपास के लोगों ने बताया कि वह कहीं गई हैं। कुछ पता नहीं है कि कहां गई हैं। गांव के लोगों ने कहा कि इन तीनों की कारस्तानी से हैरानी हो रही है। 115 रुपये के लेन देने में इतने आक्रामक हो गए कि दोस्त की जान ले ली। ऐसा करने वाले सनकी होते हैं।

युवाओं में अपराध की बढ़ती प्रवृति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक स्थिति है, लेकिन इससे भी अधिक भयावह यह है कि अपराध के दलदल में ऐसे युवाओं का धंसना जो न तो पेशेवर अपराधी हैं और न ही अपराध करना उनके लिए कोई मजबूरी है। वे केवल अपने अहंकार की तुष्टि या अनावश्यक जिद के चलते ऐसे संगीन अपराध कर जाते हैं, जो न केवल उनको पूरे जीवन के लिए कालकोठरी में धकेल देते हैं बल्कि समाज को भी शर्मसार कर जाते हैं।

गहराई से देखें तो इसके पीछे संस्कारहीनता और अहंकार है, जो इन्हें अपनी मर्जी के खिलाफ कुछ भी बर्दाश्त नहीं करने देता।

पत्नी के मरने से परेशान युवक ने लगाई फांसी

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बम्होरीसर में सोमवार को युवक ने घर में रस्सी के फंदे पर लटककर जान दे दी। परिजनों ने बताया कि तीन सप्ताह पहले दूसरी पत्नी ने भी फांसी लगा ली थी, युवक तभी से परेशान चल रहा था। कोतवाली के अंतर्गत ग्राम बम्होरीसर निवासी शिशुपाल (30) पुत्र आशाराम मूलतः कुंडा खादी का निवासी था। काफी समय से वह अपने मामा के यहां ग्राम बम्होरीसर में रहने लगा था मृतक के चचेरे भाई मुकेश ने बताया कि शिशुपाल की पत्नी को कोई बच्चा नहीं था। उसने पत्नी को करीब ढाई साल पहले छोड़ दिया था। इसी बीच उसकी एक महिला से दोस्ती हो गई। कहा जा रहा है कि शिशुपाल ने महिला से प्रेम विवाह कर लिया था। इसके बाद वह महिला अपने पति और चार बच्चों को छोड़कर शिशुपाल के साथ आकर रहने लगी थी। मुकेश के मुताबिक कुछ दिन पहले वह महिला अपने पहले पति के यहां गई और अपने बच्चों को साथ लाने की कोशिश की, लेकिन उसके घरवालों ने बच्चों को ले जाने से मना कर दिया। इसी से परेशान होकर महिला ने करीब तीन सप्ताह पहले शिशुपाल के घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी। इसी से परेशान चल रहे शिशुपाल ने सोमवार को कमरे में कुंदे से रस्सी लटकाकर फांसी लगा ली। घटना की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने आसपास के लोगों एवं परिजनों से जानकारी ली। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मृतक अपने चार भाइयों में सबसे छोटा बताया गया है। वह मेहनत मजदूरी करता था।

परिषदीय विद्यालय के बच्चे फिर लिखेंगे इमला और सुलेख

ललितपुर। परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को इमला और सुलेख लिखाया जाएगा। इससे छात्र-छात्राओं की हिंदी की गलतियां सुधरेंगी और उन्हें तेजी से लिखने का अभ्यास भी होगा। इसकी पहल शिक्षा विभाग द्वारा की जा रही है। 15-20 साल पहले परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों में सुलेख और इमला के माध्यम से ज्ञान की नींव डाली जाती थी। इससे बच्चे शब्दों का सही उच्चारण करते थे और उनकी भाषा लिखने और बोलने में शुद्ध होती थी। लेकिन, कई सालों से सरकारी विद्यालयों में इमला और सुलेख की परंपरा खत्म हो गई है। शिक्षक भी इससे कतरा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि वर्तमान में छात्र सुलेख और इमला के बारे में जानते ही नहीं हैं। इसका नतीजा यह है कि छात्र बोलते और लिखते समय कई गलतियां करते हैं। इसको लेकर अब विद्यालयों में सुलेख लिखने की कवायद शुरू की जा रही है। सबकुछ ठीक रहा तो आने वाले दिनों में परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राएं इमला और सुलेख लिखते हुए दिखाई देंगे। इमला और सुलेख अब सरकारी विद्यालयों में दूर की कौड़ी हो चुके हैं। इस कारण से वर्तमान समय में अधिकांश बच्चे शब्दों का उच्चारण तक सही तरीके से नहीं कर पाते हैं। बोलते समय ही नहीं, लिखने में भी बड़ी-बड़ी गलतियां करते हैं। लेकिन, इमला और सुलेख फिर से शुरू हुआ तो इससे बच्चों की भाषा में बड़ा सुधार आएगा। शिक्षकों को भी बच्चों की गतिविधि पर नजर रखने का पूरा अवसर मिलेगा।

-ईश्वरी सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षक

पूर्व में कक्षा एक से लेकर आठवीं तक के बच्चों को इमला बोली जाती थी। इमला लिखने से बच्चे शब्दों का सही उच्चारण सीखते थे और बोले गए शब्द उनके दिमाग में एक छाप छोड़ते थे। इमला की जांच करते हुए शिक्षक भी एक-एक छात्र की कॉपी की जांचते थे। गलत मात्रा या शब्द पर निशान लगाकर उसे सुधरवाया जाता था। लेकिन इधर कई सालों से बच्चे इमला और सुलेख के बारे में जानते तक नहीं हैं।

-अरविंद तिवारी, सेवानिवृत्त शिक्षक

भाषागत शुद्धता के लिए आयोजित होगी सुलेख प्रतियोगिता

इससे छात्रों में भाषागत शुद्धता एवं तेज गति से लिखने के कौशल के विकास को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसका उदेश्य प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों को हिंदी और अंग्रेजी भाषा के शब्द लिखने और बोलने में निपुण करना है। यह प्रतियोगिता तीन स्तर पर आयोजित की जाएगी। इसमें प्रथम विद्यालय स्तर पर, दूसरा ब्लॉक स्तर पर और तीसरा जनपद स्तर पर इसके लिए प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। बेसिक शिक्षा विभाग ने शासन के निर्देश पर इसे कराने की तैयारी शुरू कर दी है।

छात्रों में भाषागत शुद्धता एवं तेज गति से लिखने के कौशल के विकास के लिए प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों को हिंदी और अंग्रेजी भाषा में कंपलीट द स्पेलिंग प्रतियोगिता कराई जाएगी। इसके लिए सभी को निर्देश जारी कर दिए गए है।

सफाई कर्मचारी संघ के निर्वाचित जिलाध्यक्ष व कार्यकारिणी के सदस्यों का सफाई कर्मचारी संघ के ब्लॉक पदाधिकारी ने किया स्वागत

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के मंडल अध्यक्ष नरसिंह नारायण पांडे के द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में जो निर्वाचित जिलाध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी जिला महामंत्री शिवराम शुक्ला जिला कोषाध्यक्ष नींबू लाल जिला संगठन मंत्री संतोष यादव जिला संप्रेक्षक अमीर अहमद सहित सभी पदाधिकारी को फूलमाला पहनकर जोरदार स्वागत किया गया साथ ही मनोनीत महिला पदाधिकारी सरिता कश्यप जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा रामरति जिला महामंत्री कार्यवाहक अध्यक्ष पूनम सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगीता गुप्ता उपाध्यक्ष सन्नू सिंह को भी माला पहनकर स्वागत किया गया नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष श्री तिवारी ने कहा कि जो जिम्मेदारी कर्मचारियों के द्वारा दी गई है उसे पूर्ण ईमानदारी के साथ निर्वहन करुंगा निर्वाचित पदाधिकारी के द्वारा विकास भवन पहुंचकर जिला पंचायत राज अधिकारी को पौधा भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया साथ ही जिला पंचायत राज अधिकारी से कहा कि जनपद के सफाई कर्मचारियों की इपीएफ पासबुक बनवाया जाए जिस पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रत्येक सफाई कर्मचारी एनपीएस पासबुक खरीद कर अपने-अपने सहायक विकास अधिकारी पंचायत से प्रमाणित करवा कर जिला मुख्यालय पर जमा कर दें जिससे प्रत्येक कर्मचारी की इपीएफ

पासबुक बन सके जिला महामंत्री शिवराम शुक्ला ने कहा कि कर्मचारियों की कुछ छोटी-मोटी समस्याएं बची हैं उसे पर भी तत्काल कार्रवाई करने का आश्वासन दिया इस मौके पर मंडल अध्यक्ष नरसिंह नारायण पांडे मॉडल वरिष्ठ उपाध्यक्ष सचिन मोहन श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष जिला संप्रेक्षक अमीर अहमद वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप वर्मा बेलसर ब्लॉक अध्यक्ष संतोष कनौजिया ब्लॉक महामंत्री रघुनाथ मौर्य कोषाध्यक्ष संतोष वर्मा ब्लॉक अध्यक्ष वजीरगंज सनीराम महामंत्री विक्रमजीत सिंह पंकज सिंह धर्म दत मिश्रा शिवकुमार पूर्व महामंत्री मनोज मिश्रा मनकापुर ब्लॉक अध्यक्ष अतुल तिवारी महामंत्री अतुल त्रिपाठी फौजदार पांडे सुनील श्रीवास्तव कृष्ण कुमार वर्मा छपिया ब्लाक अध्यक्ष अरविंद मिश्रा पडरी कृपाल ब्लॉक अध्यक्ष श्री प्रकाश मिश्रा महामंत्री बेचू लाल कोषाध्याय राकेश वर्मा मुझेहना ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र पांडे रुपईडीह ब्लॉक अध्यक्ष लाला पासवान इटियाथोक लोकनाथ शुक्ला रामकरन वर्मा चंदन तिवारी परसपुर ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी महामंत्री गिरजेस सिंह कोषाध्यक्ष माता शर्मा हलदरमऊ ब्लाक अध्यक्ष अनरुद्ध तिवारी महामंत्री राम निहोर कोषाध्यक्ष नकुल यादव झंझरी ब्लॉक महामंत्री हरीश मिश्रा ब्लॉक अध्यक्ष पंकज सतीश दुबे मोहम्मद सॅईद सहित सैकड़ो पदाधिकारी ने फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

जिलाधिकारी ने योग प्रशिक्षकों को सम्मानित किया

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा एवं क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ अरुण कुमार कुरील द्वारा योग दिवस पर आयोजित योग सप्ताह में विभिन्न ब्लॉकों में या अन्य स्थानों पर योग करवाने वाले आयुष विभाग के समस्त योग प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया ढ्ढ योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने बताया उपस्थित समस्त योग प्रशिक्षकों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

आयुष विभाग के योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी की सराहना करते हुए जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कहा कि महर्षि पतंजलि की धरती पर योग के क्षेत्र में किया जा रहा जन-जागरण का प्रयास काफी सराहनीय है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ अरुण कुमार कुरील ने कहा कि योग आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यक आवश्यकता है।हम अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाकर स्वस्थ रह सकते हैं।इसी क्रम में योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी,प्रवीण तिवारी,डिम्पल सिंह,शिवेंद्र सिंह,रिचा पांडे,ओम प्रकाश सिंह,ओम प्रकाश पांडेय,आयुषी सिंह,अरुण कुमार सिंह, करूनेश पटेल,महेंद्र पटेल, सुभाष पांडे,सोमदीप गुप्ता, ओम प्रकाश सिंह, ओम प्रकाश पांडेय,रुचि शुक्ला सहित उपस्थित अन्य प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया गया

बीबीडी में चार दिवसीय श्री गणेश महोत्सव-2023 का शुभारम्भ

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। बीबीडी शैक्षणिक परिसर में हो रहे चार दिवसीय श्री गणेश महोत्सव 2023 के प्रथम दिन प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्री वायलेंट ग्रुप द्वारा(इंडियन आयडल सीजन 4 के टॉप 10 के) गायक कुलदीप सिंह चौहान, सुश्री फरहा नाज (लिटिल चैंप टॉप 10 की) गायिका दीपांशी यदुवंशी एवं गायक शिवम श्रीवास्तव के शानदार गीतों एवं भजनों की प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोहा।

कार्यक्रम की शुरुआत महाप्रभु श्री गणेश जी वंदना एक दंताय वक्र तुण्डाय से हुआ। इसके बाद डान्स ग्रुप ने गणेश वंदना, रंगीलो मारो ढोलना के साथ ही चिलमन सॉन्ग पर अपना परफॉर्मेंस दिया। गायकों ने नमो नमो जी शंकरा..., सईयो नी..., ओ पिया रे.., देवा हो देवा गणपति देवा..., रमता जोगी..., दमा दम मस्त कलंदर..., हर हर महादेवा..., ऐ गिरी नंदनी आदि गीतों से लोगों का दिल जीत लिया। खचा खच भरे पंडाल में उपस्थित लोगों ने खूब तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। आज इस महोत्सव में बीबीडी एजुकेशनल ग्रुप के छात्र-छात्राओं एवं आसपास के गांवों से हजारो की संख्या में उपस्थित होकर भजन संध्या का भरपूर आनंद लिया। आज की सायंकालीन महाआरती में बीबीडी एजुकेशनल ग्रुप की चेयरपर्सन श्रीमती अलका दास गुप्ता, बीबीडी ग्रुप के प्रेसिडेंट विराज सागर दास, वाइस प्रेसीडेंट देवांशी दास ने भाग लिया और महाप्रभु श्री गणेश जी की आरती की।

गणेश महोत्सव का शुभारम्भ प्रातः श्री गणेश जी की प्रतिमा स्थापना से हुई जिसमें बनारस के प्रख्यात पंडित राजीव नयन उपाध्याय ने विधि विधान से पूजा पाठ कराकर किया। इस अवसर पर अरूण गुप्ता, राजीव बाजपेयी, कैलाश पाण्डेय के साथ ही सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे। कल होने वाले कार्यक्रमों में पद्मश्री श्रीमती मालिनी अवस्थी जी द्वारा लोक संगीत व भजन की शानदार प्रस्तुतियां दी जायेगी।

जिले में दो अलग-अलग जगहों पर नवजात शिशुओं के मिलने से अफवाहों का बाजार गर्म

एक नवजात शिशु की मौत,अस्पताल में पसरा सन्नाटा

गोंडा। जनपद में दो अलग-अलग स्थानों पर दो नवजात शिशुओं के मिलने से अफवाहों का बाजार गर्म है। जहां एक ओर एक नवजात बच्ची जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्ड के सार्वजनिक शौचालय में पड़ी मिली है तो वहीं दूसरे नवजात शिशु को गोनार्द होटल के करीब विष्णुपुरी से बरामद किया गया जिसकी मौत हो चुकी है। पुलिस ने नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह बच्ची किसकी है और किन परिस्थितियों में मिली है इसकी कोई सूचना नहीं मिल सकी है। वहीं जिला अस्पताल के शौचालय से बरामद बच्ची के बारे में आपातकालीन रात्रि ड्यूटी पर तैनात फार्मासिस्ट डॉक्टर आजाद सिंह ने बताया कि रात्रि में उन्हें सूचना मिली कि एक नवजात शिशु सर्जिकल वार्ड के सार्वजनिक शौचालय में पड़ा हुआ चीख रहा है। सूचना पर हम लोग फौरन वहां पहुंचे तो देखा कि नवजात बच्ची है और वह दर्द से कराह रही है, उसका नार भी नही कटा था। रात्रि में ही स्टाफ नर्स के द्वारा उसका नार कटा गया और उसे लेकर महिला अस्पताल के एनआईसीयू में भर्ती कराया गया जहां उसकी सूचना जिला प्रोबेशनल अधिकारी को दी गई है। डॉक्टरों ने नवजात की हालत को गंभीर बताया है। इस दोनों घटनाओं से जहां एक ओर मां की ममता शर्मशार हो रही है वहीं दूसरी ओर लोग इस बात को लेकर तरह तरह की चर्चाएं करते हुए कह रहे हैं कि आखिर कोई मां बाप इतना निर्दयी कैसे हो सकता है कि वह अपने इन मासूम बच्चों को आवारा पशुओं का निवाला बनने के लिए छोड़ जाए। यही नहीं इस बात की भी चर्चाएं आम है कि शहर की आबो हवा में अब धड़ल्ले से बेशर्मी और बेहयाई के चलते इस तरह के मामले आए दिन प्रकाश में आ रहे हैं। वहीं इलाके में इन दो नवजात शिशुओं के मिलने से अफवाहों का बाजार गर्म है।

विश्वविद्यालय के लिए निकली 15 किमी की पदयात्रा

मेरी माटी मेरा अभिमान के तहत प्रस्तावित स्थल की मिट्टी कलश में भरकर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को भेजा

त्रिगुट संवाददाता

परसपुर-गोण्डा । ब्लाक क्षेत्र के ग्राम डोमाकल्पी में विश्वविद्यालय निर्माण को लेकर मंगलवार को आंदोलन कारियों ने पूरे जोश खरोश के साथ पदयात्रा निकाली। पदयात्रा प्रस्तावित स्थल डोमाकल्पी से शुरू होकर परसपुर विकासखंड पहुंची, जहां प्रभारी खंड विकास अधिकारी राकेश गुप्ता को ज्ञापन सौंपा गया तथा मेरी माटी मेरा अभिमान के तहत प्रस्तावित स्थल की मिट्टी से भरे कलश भी प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को भेजे जाने के लिए प्रभारी खंड विकास अधिकारी को सौंपा गया। पूर्ण निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को क्षेत्र के सैकड़ों की संख्या में बच्चे बूढ़े जवान

प्रस्तावित स्थल डोमाकल्पी पर एकत्र हुए और यहां से कलश में मिट्टी भरकर, हाथ में तिरंगा ध्वज लेकर परसपुर के लिए यह पदयात्रा शुरू हुई। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने पदयात्रियों को जलपान कराकर स्वागत किया। पदयात्रियों ने गोंडा मांगे विश्वविद्यालय हमारा विश्वविद्यालय हमको दो, मेरा गोण्डा मेरी शान, मेरी माटी- मेरा पहचान, गोण्डा में विश्वविद्यालय का हो निर्माण आदि नारे लगाते रहे। इससे पहले पदयात्रा का संयोजन कर रहे प्रमोद मिश्रा, अरविंद पाण्डेय, दिग्विजय सिंह डॉ अरुण कुमार सिंह आदि ने संबोधित किया। यह पदयात्रा बालपुर-परसपुर मार्ग के कठौवा पुल, गोदाम, त्यौरासी नहर, हरदी टांड़ मोड़, बखखा पुरवा, मिझौरा, सिंगरिया आदि स्थानों से होते हुए ब्लॉक मुख्यालय पहुंची जहां एक जनसभा में परिवर्तित हो गई। इस जनसभा को परसपुर पंचम के जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र सिंह, दिग्विजय सिंह बाबा, डॉ अरुण कुमार सिंह, अरविंद पांडेय, जितेंद्र तिवारी, सत्येन्द्र सिंह सहित अन्य कई लोगों ने संबोधित किया और डोमकल्पी में विश्वविद्यालय की स्थापना कराये जाने को लेकर सरकार से मांग की।

इसके बाद सैकड़ो लोगों का हस्ताक्षरित ज्ञापन प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी को सौंपा। इस अवसर पर त्यौरासी के प्रधान डब्ल्यू सिंह, वासुदेव सिंह, सरदार बलजीत सिंह, सत्येंद्र सिंह, सगीर, डब्लू सिंह, राजमोहन मिश्रा, शिवाकांत अवस्थी, शशांक मिश्रा, उत्कर्ष मिश्रा, हनुमान सिंह, वेदप्रकाश सिंह, चाँद, कृष्ण कुमार सिंह, प्रदीप पाण्डेय, अश्विनी पाण्डेय, मनोज शुक्ला, धीरू सिंह, विजय कुमार यादव, राधेश्याम मिश्रा, अरविंद शुक्ला, अखंड सिंह, अनूप सिंह, बब्बू सिंह, अकबाल सिंह, सत्या पाण्डेय समेत काफी संख्या में लोग शामिल रहे।

पवन गुप्ता बने प्रेस क्लब उतरौला इकाई के उपाध्यक्ष

सुशील श्रीवास्तव

सादुल्लाह नगर (बलरामपुर)। प्रेस क्लब बलरामपुर के शाखा उतरौला की बैठक में सादुल्लाह नगर निवासी पवन गुप्ता को प्रेस क्लब उतरौला इकाई का उपाध्यक्ष बनाया गया है। पवन गुप्ता ने बताया कि बैठक में जिला अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव के अनुमोदन पर प्रेस क्लब उतरौला इकाई के अध्यक्ष रामचरित्र वर्मा व महामंत्री संतोष कुमार सोनी एवं सभी पत्रकार साथियों ने सर्व सम्मति से तहसील उपाध्यक्ष के पद का दायित्व मुझे सौपा है। उसको मेहनत और ईमानदारी से प्रेस क्लब उतरौला इकाई को मजबूत करने की पूरी कोशिस करूंगा। उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन पर सुशील श्रीवास्तव पत्रकार, आशीष गुप्ता

पत्रकार, रमेश शर्मा पत्रकार, राधेश्याम गुप्ता, विजयपाल वर्मा ,आदि पत्रकार साथियों ने बधाइयां दी है। उपाध्यक्ष ने सभी सम्मानित पदाधिकारी एवं पत्रकार बंधुओ का आभार व्यक्त किया है।

जिले में चार आंगनबाडीं केन्द्र का लोकार्पण

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर।आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण,शिलान्यास, गोदभराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया।माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में कुल 1378 आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण/ शिलान्यास एवं 150 बाल विकास परियोजना कार्यालय का शिलान्यास किया गया। जिसका लाइव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में दिखाया गया।इसी क्रम जनपद अंबेडकर नगर के बाल विकास परियोजना भीटी कार्यालय एवं सहगोदाम का शिलान्यास तथा जनपद के चार आंगनबाड़ी केंद्रों कोटवा महम्मदपुर (अकबरपुर), गोवर्धनपुर(कटेहरी) व अशरफपुर (टांडा), जगदीशपुर कपिलेश्वर (भियांव) का लोकार्पण कलेक्ट्रेट सभागार में डॉ. हरिओम पांडे सदस्य विधान परिषद की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पांच महिलाओं की गोद भराई एवं पांच बच्चों का अन्नप्राशन तथा तीन स्वास्थ्य बच्चों का चयन करते हुए उनके अभिभावकों को स्वस्थ बालक/ बालिका प्रतिस्पर्धा का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विकास, उप जिलाधिकारी अकबरपुर पवन कुमार जायसवाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश मिश्र, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी,मुख्य सेविका,आंगनबाड़ी कार्यकत्री व लाभार्थी उपस्थित रहे।

जिले के नवागत जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने किया कार्यभार ग्रहण

त्रिगुट संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नवागत जिलाधिकारी श्री पवन अग्रवाल का वरिष्ठ कोषाधिकारी श्री रमेन्द्र कुमार मौर्य द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया। नवागत जिलाधिकारी श्री पवन अग्रवाल द्वारा गार्ड ऑफ आनर की शलामी ली गयी। इसके पश्चात कोषागार कार्यालय के डबल लाक का चार्ज लिया गया। जिलाधिकारी श्री पवन अग्रवाल ने बताया कि वह मूलतः राजस्थान के निवासी तथा 2015 बैच के आई0ए0एस0 हैं। मेरी ट्रेनिंग सुल्तानपुर जनपद में हुई। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के रूप में गाजियाबाद, फरवरी 2019 से फरवरी 2021 तक मुख्य विकास अधिकारी के रूप में महराजगंज तथा फरवरी 2021 से गीडा गोरखपुर में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में सेवा दे चुके हैं। शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी के रूप में हमारी पहली पोस्टिंग जनपद सिद्धार्थनगर में हुई है। जिलाधिकारी श्री पवन अग्रवाल ने बताया कि शासन द्वारा चलाई जा रही सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक बिना भेदभाव के पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होगी, जहां कमियां होगी उसमें सुधार किया जायेगा। जो भी शिकायतें प्राप्त होंगी उनका समयबद्ध तरीके से त्वरित निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारी को संवेदनशील होकर तथा पुलिस विभाग से समन्वय स्थापित करके कार्य करने का निर्देश दिया। जनपद में ला एण्ड आर्डर की कोई समस्या न उत्पन्न होने पाये। राजस्व के प्रकरण लम्बित न रहे उसको समय से निस्तारण कराया जाये। जिस पटल का कार्य है उसे सही समय पर निस्तारण कराया जाये।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) उमाशंकर, उपजिलाधिकारी नौगढ़ ललित कुमार मिश्र, बांसी प्रमोद कुमार, शोहरतगढ़ प्रदीप कुमार यादव, डुमरियागंज प्रवेंद्र कुमार, उपजिलाधिकारी न्यायिक प्रियंका चौधरी, अपर उपजिलाधिकारी कुणाल, ओ0एस0डी0 पी0के0सिंह, ज्येष्ठ प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट इन्दुबाला सिंह, प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट रवीन्द्र कुमार श्रीवास्तव, उमाकान्त मिश्र, नाजिर कलेक्ट्रेट गिरीश चन्द्र मिश्रा, रमाकान्त पाठक व अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थे।

पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

अंबेडकर नगर। सदस्य पूर्वांचल विकास बोर्ड श्री बौद्ध अरविंद सिंह पटेल जी द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले संयुक्त जिला चिकित्सालय अकबरपुर अंबेडकर नगर का निरीक्षण किया गया।माननीय सदस्य महोदय द्वारा जिला अस्पताल में जनरल वार्ड, डायलिसिस वार्ड, आइसोलेशन वार्ड, सीटी स्कैन कक्ष,एक्स-रे कक्ष तथा एम0सी0एच0विंग0 इमरजेंसी वार्ड तथा आपरेशन कक्ष का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान मा0 सदस्य महोदय द्वारा भर्ती मरीजों से दवाओं के बारे में तथा अन्य व्यवस्थाओं के बारे में पूछा गया।मरीजों से पूछा गया कि चिकित्सक द्वारा दवा बाहर से मंगाया जाता हैं या अस्पताल से उपलब्ध कराया जाता है। मरीजों द्वारा अवगत कराया गया कि सभी दवाएं अस्पताल में ही मिलती है। निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं ठीक पाई गई।

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन संपन्न

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर,उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्रेषित प्लान ऑफ एक्शन 2023-24 के अनुपालन में श्री राम सुलीन सिंह, माननीय जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर के निर्देशानुसार आज दिनांक 19.09.2023 को जिला कारागार, अम्बेडकरनगर में प्ली बारगेनिंग एवं 436 ए के लाभ विषय पर श्री कमलेश कुमार मौर्य, अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर द्वारा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन एवं जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। इस विधिक साक्षरता शिविर में श्री रमेश राम त्रिपाठी, चीफ, लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल, श्री शरद पाण्डेय, असिस्टेंट, लीगल एड डिफेंस काउन्सिल, जिला करागार अम्बेडकरनगर से श्री गिरिजा शंकर यादव, कारापाल एवं श्री छोटे लाल सरोज उपकारापाल व जिला कारागार के अन्य कर्मचारीगण एवं बन्दियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। शिविर को सम्बोधित करते हुये श्री कमलेश कुमार मौर्य, अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर ने प्ली बारगेनिंग विषय पर बोलते हुये कहा कि भारतीय संसद ने दण्ड प्रक्रिया संहिता में संशोधन अधिनियम 2 / 2006 द्वारा एक नया अध्याय 21 (ए) (धारा 265-ए से 265-एल) प्ली बारगेनिंग नामक शीर्षक जोड़कर दांडिक अभियोजन व पीड़ित पक्ष आपसी सामंजस्य से प्रकरण के निपटारे हेतु न्यायालय के अनुमोदन से एक रास्ता निकालते हैं जिसके तहत अभियुक्त द्वारा अपराध स्वीकृति पर उसे हल्के दण्ड से दण्डित किया जाता है जो अन्यथा कठोर हो सकता है। प्ली बारगेनिंग समझौते का एक तरीका है। इसके तहत अभियुक्त कम सजा के बदले में अपने द्वारा किये गये अपराध को स्वीकार करके और पीड़ित व्यक्ति को हुये नुकसान और मुकदमें के दौरान हुये खर्चे की क्षतिपूर्ति करके कठोर सजा से बच सकता है। न्यायालय उक्त पक्षों को आपसी संतोषजनक हल निकालने के लिये समय देगा सचिव महोदय द्वारा 436ए के बारे में बताया कि जब किसी व्यक्ति किसी विधि के अधीन किसी अपराध के (मृत्यु दण्ड को छोड़कर) इस संहित के अधीन अन्वेषण, जांच या विचारण की अवधि के दौरान कारावास की उस अधिकतम अवधि के जो उस विधि के अधीन उस अपराध के लिए विनिर्दिष्ट की गई है, के आधे से अधिक के लिए कारागार निरूद्ध रह चुका है। वहां वह प्रतिभू सहित या रहित व्यक्तिगत बंधपत्र पर न्यायालय द्वारा छोड़ा जा सकता है, परन्तु न्यायालय, लोक अभियोजक की सुनवाई के पश्चात् और उन कारणों से जो उस द्वारा लेखबद्ध किए जाएंगें ऐसे व्यक्ति के उक्त आधी अवधि से दीर्घतर अवधि के लिए कारागार निरूद्ध जारी रखने का आदेश कर सके या व्यक्तिगत बंधपत्र के बजाय प्रतिभुओं सहित या रहित जमानत पर उसे छोड़ देगा। आशय यह है कि जमानत मंजूर करने के लिए इस धारा के अधीन कारागार की अवधि की गणना करने में अभियुक्त द्वारा कार्यवाही में किए गए विलम्ब के कारण बितायी गयी कारागार की अवधि को अपवर्जित किया जाएगा। अपर जिला जज / सचिव महोदय द्वारा जेलर जिला कारागार अम्बेडकरनगर को निर्देशित किया गया कि यदि 436ए से सम्बन्धित कोई भी विचाराधीन बन्दी जिला कारागार अम्बेडकरनगर में बन्द है तो उसकी सूचना से सम्बन्धित न्यायालय को अवगत करायें। शिविर के उपरान्त अपर जिला जज / सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर द्वारा जिला कारागार एवं जेल लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। कारागार के निरीक्षण के दौरान सचिव महोदय द्वारा बन्दियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं के विषय में बात की बन्दियों को लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की एवं जेल अधीक्षक जिला कारागार, अम्बेडकरनगर को निर्देशित किया गया कि बन्दियों को उनकी रिहाई के अधिकारों के प्रति जागरूक करें व किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर उचित उपचार दिलाना सुनिश्चित करें, चन्दियों के खान-पान का विशेष ध्यान रखें, महिला बन्दियों के साथ रह रहे बच्चों का ध्यान रखें।

किसी भी व्यक्ति को कार्डियक अरेस्ट आने पर उसे समय से व सही तरीके से सीपीआर देने से उसकी जान बचाई जा सकती है- जिलाधिकारी

कार्डियक अरेस्ट आने पर पहला तीन मिनट गोल्डन टाइम- डॉ द्विवेदी

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या। जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट के नवीन सभागार में एक दिवसीय सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे राजकीय चिकित्सा अधिकारी, वाराणसी डा. शिवशक्ति प्रसाद द्विवेदी ने कार्डियक अरेस्ट आने पर बरती जाने वाली सावधानियों और सीपीआर की बारीकियों से सब को अवगत कराया तथा जनपद के विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सीपीआर का प्रशिक्षण प्रदान किया।उन्होंने कहा कि कोरोना के बाद कार्डियक अरेस्ट के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। आजकल जॉगिंग और डांस करते समय भी लोगों को कार्डियक अरेस्ट हो रहा है। ऐसी घटनाओं में देश के विभिन्न हिस्सों में कई लोगों की जान भी जा चुकी है। ऐसे समय में सीपीआर देने की जानकारी अधिक से अधिक लोगों को होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कार्डियक अरेस्ट में मरीज के लिए पहला तीन मिनट गोल्डन टाइम होता है। अगर नौ मिनट तक मस्तिष्क को ऑक्सीजन नहीं मिले तो व्यक्ति ब्रेन डेथ का शिकार हो सकता है। इस समय मरीज को सीपीआर दिया जाए तो उसकी जान बचाई जा सकती है। डा. द्विवेदी ने बताया कि सीपीआर एक मेडिकल थेरेपी की तरह है। इससे कार्डियक अरेस्ट आने पर मरीज को सीपीआर देते हुए अस्पताल पहुंचाया जाता है। सीपीआर तब तक देते रहना चाहिए जब तक एंबुलेंस न आ जाए या मरीज अस्पताल या विशेषज्ञ चिकित्सक के पास नहीं पहुंच जाए। ऐसा करने से मरीज के बचने की संभावना बहुत बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि अगर व्यक्ति की सांस या धड़कन रुक गई है तो ऑक्सीजन की कमी से शरीर की कोशिकाएं बहुत जल्द खत्म होने लगी है। इसका असर मस्तिष्क पर भी पड़ता है। सही समय पर सीपीआर और इलाज शुरू नहीं होने पर व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। इस विधि से व्यक्ति की सांस वापस लाने तक या दिल की धड़कन सामान्य हो जाने तक छाती को विशेष तरीके से दबाया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान डा. द्विवेदी ने मानव शरीर की डमी पर सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रक्रिया को करके दिखाया। उन्होंने दिखाया कि सीपीआर के लिए सबसे पहले पीड़ित को किसी ठोस जगह पर लिटा दिया जाता है और प्राथमिक उपचार देने वाला व्यक्ति उसके पास घुटनों के बल बैठ जाता है। उसकी नाक और गला चेक कर यह सुनिश्चित किया जाता है कि उसे सांस लेने में कोई रुकावट तो नहीं है। इसके बाद अपने दोनों हाथों की मदद से विशेष तरीके से एक मिनट में 100 से 120 बार छाती के बीच में तेजी से दबाना होता है। हर एक पुश के बाद छाती को वापस अपनी सामान्य स्थिति में आने देना चाहिए। इससे शरीर में पहले से मौजूद रक्त को हृदय पंप करने लगता है। 30 बार पुश करने के बाद मुंह पर साफ रूमाल रखकर दो बार सांसें दी जाती हैं। इससे शरीर में रक्त का प्रवाह शुरू होता है और मस्तिष्क को ऑक्सीजन मिलने लगती है।प्रशिक्षण के उपरांत जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार ने मानव शरीर के डमी पर पुनः सीपीआर की समस्त प्रक्रियाओं को चरणबद्ध तरीके से करके दिखाया तथा उपस्थित अधिकारियों एवम् कर्मचारियों को सीपीआर के बारीकियों की अन्य लोगों को भी जानकारी देने हेतु प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्डियक अरेस्ट की बढ़ती घटनाओं व इससे हो रही मृत्यु के दृष्टिगत सीपीआर कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी व्यक्ति को कार्डियक अरेस्ट आने पर उसे समय से सही तरीके से सीपीआर देने से उसकी जान बचाई जा सकती है।

सीपीआर क्या होता है?

कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) एक आपातकालीन प्रक्रिया है जो किसी व्यक्ति की सांस या दिल के रुकने पर उसकी जान बचाने में मदद कर सकती है। जब किसी व्यक्ति का दिल धड़कना बंद कर देता है, तो उसे कार्डियक अरेस्ट कहते हैं। कार्डियक अरेस्ट के दौरान हृदय, मस्तिष्क और फेफड़ों सहित शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त पंप नहीं कर सकता है।

इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ उपजिलाधिकारी श्री विशाल कुमार, अपर जिलाधिकारी नगर सलिल पटेल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह, अपर जिलाधिकारी एलओ जितेंद्र कुमार कुशवाहा, नगर मजिस्ट्रेट अरविन्द कुमार द्विवेदी, विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी एवम् कर्मचारी तथा पुलिस विभाग के अधिकारी एवम् कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय, ग्राम पंचायत-बैहारी, विकास खण्ड-मया बाजार, जनपद- अयोध्या

अल्प कालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बैहारी विकास खण्ड मया बाजार जनपद अयोध्या में वर्ष 2023 - 2024 में राज्य वित्त/ 15 वां वित्त योजना के अंतर्गत कराये जाने वाले कार्यो में प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर नवीन में भवन, छत मरम्मत के साथ पुट्टी और पेंटिंग कार्य हेतु सीमेंट, बालू, मोरंग, ईट, गिट्टी, वालपुट्टी , पेन्ट की आपूर्ति की जानी हैं इच्छुक रजिस्टर्ड फर्म द्वारा दिनाँक 20/09/2023 से दिनांक 23/09/2023 तक निविदा जमा की जा सकती हैं । निविदा दिनाँक 23/09 /2023 को 2 बजे खोली जायेगी । निविदा को स्वीकृति/ अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम प्रधान और सचिव को होगा।

कार्य का नाम-

1- प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर नवीन में भवन, छत मरम्मत के साथ पुट्टी और पेंटिंग कार्य

अनुमानित लागत -343000 लाख रुपया

महेंद्र वर्मा
प्रधान
बैहारी, मया बाजार
अयोध्या

राजाराम राजभर
सचिव
बैहारी, मया बाजार
अयोध्या

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक टी.रजा रिज़वी ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय

फोन/फैक्स-05262-230683
मो0- 09415120085
लखनऊ कार्यालय-
फोन- 0522-4028445
मो0- 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com